राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, गुरुवार, 30 अप्रैल 2026
वर्ष 07, अंक 205, पृष्ठ 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में सुबह आनलाइन व शाम को आफलाइन मजदूरों की लग रही हाजिरी...02

मोहिनी एकादशी पर बांकेबिहारी मंदिर पहुंचे गोविंदा....11

मुस्लिमों की मॉब लिंचिंग पर मौन... मदरसों की जांच पर हाई कोर्ट सख्त

» हाई कोर्ट की मानवाधिकार आयोग पर तल्ख टिप्पणी

» इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उार प्रदेश में मदरसा जांच के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की कार्यशैली पर तल्ख टिप्पणी की है

» इलाहाबाद हाईकोर्ट मदरसों की ईओडल्यू से जांच के आदेश पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मुस्लिमों की मॉब लिंचिंग होती है तो मानवाधिकार आयोग मौन रहता है

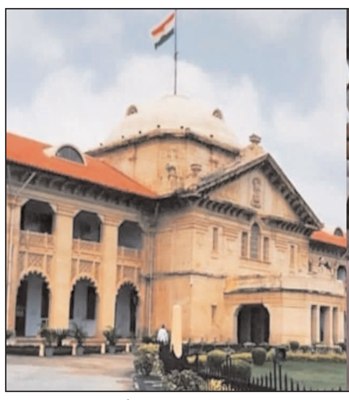

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में मदरसा जांच के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की कार्यशैली पर बेहद तल्ख टिप्पणी की है. कोर्ट ने कहा कि वे मानवाधिकार आयोग द्वारा मदरसों की जांच के आदेश से 'स्तब्ध' हैं. हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की कार्यशैली पर सख्त रुख अपनाते हुए मुस्लिमों की मॉब लिंचिंग का मामला भी उठा दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट मदरसों की ईओडब्ल्यू से जांच के आदेश पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मुस्लिमों की मॉब लिंचिंग होती है तो मानवाधिकार आयोग मौन रहता है. बात जब मदरसों की जांच की आती है तो सख्त रुख अपना लिया जाता है. कोर्ट ने कहा अब अपनी ड्यूटी के बजाय मानवाधिकार आयोग मदरसों की जांच का आदेश दे रहा है। हाईकोर्ट की यह तल्ख टिप्पणी जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस विवेक सरन की बेंच ने मदरसों के मामले की सुनवाई के दौरान की. इस दौरान हाई कोर्ट ने मानवाधिकार आयोग द्वारा मदरसों की जांच ईओडब्ल्यू से कराए जाने के आदेश को प्रथम दृष्ट्या गैरकानूनी बताया है,

अब 11 मई को होगी सुनवाई

मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर राज्य सरकार ने ईओडब्ल्यू को 588 अनुदानित मदरसों की जांच सौंपी थी. हालांकि हाईकोर्ट ने मामले में फौरी तौर पर मदरसों की ईओडब्ल्यू से जांच के आदेश पर रोक लगा दी है। अब इस मामले में हाईकोर्ट 11 मई को मामले में अगली सुनवाई करेगा. हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया और दो अन्य की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते यह आदेश दिया है।

हाई कोर्ट ने मानवाधिकार आयोग को नोटिस किया जारी

HC ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को नोटिस जारी करते हुए अपने वकील के जरिए कोर्ट के सामने पेश होने का भी आदेश दिया है. हाई कोर्ट ने मदरसों की ईओडब्ल्यू द्वारा जांच पर पहले दिए गए अंतरिम आदेश को अगले आदेश तक बरकरार रखा है. वहीं इस मामले में दोनों जजों के बीच मतभेद भी सामने आया है। यह आदेश जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस विवेक सरन की डिवीजन बेंच ने मदरसा टीचर्स एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।

सुनवाई के दौरान जजों के बीच मतभेद

हालांकि इस मामले में सुनवाई करने वाली डिवीजन बेंच के दोनों जजों ने अलग-अलग ऑर्डर पास किए है. एनएचआरसी पर टिप्पणी जस्टिस अतुल श्रीधरन ने अपने अलग आदेश में किया है. जस्टिस विवेक सरन ने अलग आदेश जारी कर कहा है कि वह जस्टिस श्रीधरन की पैरा 6 और 7 में की गई टिप्पणियों से सहमत नहीं है और इससे खुद को अलग कर रहे हैं. माना जा रहा है कि सुनवाई करने वाली बेंच में मतभेद होने से आगे यह मामला लार्जर बेंच को रेफर किया जा सकता है।

अदालत ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों को जनहित याचिका (PIL) के माध्यम से सीधे हाईकोर्ट में लाया जा सकता था, जहां न्यायिक परीक्षण के बाद उचित आदेश दिए जाते। इसके बजाय आयोग द्वारा कार्यपालिका को सीधे जांच के निर्देश देना न्यायिक व्यवस्था के विपरीत है।

हाईकोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए फिलहाल जांच पर रोक लगा दी है और मानवाधिकार आयोग को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं.

इस प्रकरण की अगली सुनवाई 11 मई को निर्धारित की गई है. माना जा रहा है कि इस मामले का फैसला भविष्य में मानवाधिकार आयोग की शक्तियों और शैक्षणिक संस्थानों पर प्रशासनिक हस्तक्षेप की सीमाओं को लेकर एक अहम मिसाल साबित हो सकता है।

कोर्ट की ऑनलाइन सुनवाई में पोर्न चलाने वाले पर होगा एक्शन

● रिकॉर्डिंग-सर्कुलेशन पर भी रोक

● दिल्ली हाईकोर्ट ने ऑनलाइन सुनवाई के दौरान अश्लील सामग्री दिखाए जाने की गंभीर घटना पर कड़ा रुख अपनाया है

● मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय की पीठ ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं और सुनवाई की रिकॉर्डिंग व उसके सर्कुलेशन पर सख्त पाबंदी लगाई है

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई के दौरान अश्लील (पोर्न) वीडियो चलाए जाने की गंभीर घटना के बाद कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है. 29 अप्रैल 2026 को मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय की पीठ के समक्ष हुई इस घटना पर कोर्ट ने न केवल जांच के आदेश दिए हैं, बल्कि सुनवाई की रिकॉर्डिंग पर भी कड़ी आपत्ति जताई है. उन्होंने रजिस्ट्रार जनरल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) की कार्यवाही के दौरान पोर्न दिखाए जाने की घटनाओं के बाद ये निर्देश दिया है

चीफ जस्टिस उपाध्याय ने आगे कहा कि कोर्ट की कार्यवाही की रिकॉर्डिंग करना मना है और इस घटना को रिकॉर्ड करने या सर्कुलेट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने यह बात तब कही जब एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएस जी) चेतन शर्मा ने बेंच को बताया कि यह घटना सिर्फ चीफ की कोर्ट में ही नहीं, बल्कि कई दूसरी कोर्ट में भी हुई है

ऑनलाइन सर्कुलेट हो रहे कंटेंट को तुरंत हटाएं

एएस जी शर्मा ने कहा कि कुछ कोर्ट में परेशान करने वाली घटनाएं हुई हैं, जिनसे इंस्टीट्यूशन की पवित्रता और ईमानदारी को नुकसान पहुंचा है. उन्होंने आगे कहा कि कोर्ट को एक्शन लेना चाहिए और आईटी एक्ट के सेक्शन 69 के तहत ऑनलाइन सर्कुलेट हो रहे कंटेंट को तुरंत हटाने का उपाय मौजूद है

चीफ जस्टिस ने दिया इंस्ट्रक्शन

चीफ जस्टिस ने कहा कि एडमिनिस्ट्रेटिवली, मैंने पहले ही रजिस्ट्रार जनरल को इंस्ट्रक्शन दे दिया है क्योंकि हमारे रूल्स के तहत इसे तभी दिखाया जा सकता है, जब यह रिकॉर्डेड हो. एएस जी ने कहा कि रिकॉर्डिंग भी सर्कुलेट हो रही है. चीफ जस्टिस ने कहा कि मैंने पहले ही रजिस्ट्रार जनरल को इंस्ट्रक्शन दे दिया है. इससे डील किया जाएगा

PIL मामलों पर पड़ा असर

बुधवार का दिन आमतौर पर जनहित याचिकाओं की सुनवाई के लिए निर्धारित होता है। उस दिन करीब 100 मामले लिस्टेड थे। बार-बार हुई रुकावटों के कारण वकीलों और याचिकाकर्ताओं को काफी परेशानी और देरी का सामना करना पड़ा। अधिकारी अब इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं और उन लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है जो इस व्यवधान के पीछे जिम्मेदार हो सकते हैं।

साइबर हमले की आशंका, जांच शुरू

घटना के बाद हाई कोर्ट प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है और दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस (IFSO) यूनिट में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। शुरुआती जांच शुरू कर दी गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह किसी साइबर हमले का मामला है या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म का जानबूझकर दुरुपयोग किया गया।

संक्षिप्त ख़बरें

भारतीय नेपाल जाकर क्यों भरवा रहे पेट्रोल-डीजल? लग रही लंबी-लंबी लाइनें

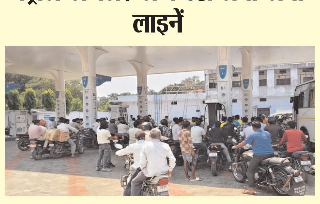

शोहरतगढ़ (सिद्धार्थनगर)। क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल की किल्लत ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। तीन दिनों से अधिकांश पेट्रोल पंप सूखे पड़े हैं, जिससे वाहन चालकों को लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। परेशान लोग मजबूरी में पड़ोसी देश नेपाल जाकर अधिक कीमत पर ईंधन भरवा रहे हैं। नेपाल में डीजल 146 रुपये और पेट्रोल 134 रुपये प्रति लीटर भारतीय मुद्रा में मिल रहा है। बावजूद इसके लोग वहीं से तेल लेने को विवश हैं। बुधवार सुबह जैसे ही अग्रवाल पेट्रोल पंप पर टैंकर पहुंचा, वाहनों की लंबी कतार लग गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी। पुलिस की मौजूदगी में वितरण कराया गया। शादी-विवाह के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो गई है। बारात ले जाने वाले वाहन चालकों को विशेष परेशानी झेलनी पड़ रही है। वाहन चालकों शमशेर, गुड्डू, मेराज, सुहेल, बब्लू और करीम ने बताया कि कई दिनों से पंपों का चक्कर लगाने के बाद भी तेल नहीं मिल रहा। एसडीएम विवेकानंद मिश्रा ने बताया कि डिपो पर टैंकरों की लंबी कतार के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। जल्द ही स्थिति सामान्य होगी।

मथुरा में चलती कार में लगी आग, अंदर बैठे लोगों ने कूदकर बचाई जान, टल गया बड़ा हादसा

(मथुरा)। चलती कार के इंजन में ओवर हीट की वजह से मंगलवार शाम अचानक आग लग गई। इससे कार में धुआं भर गया और कार धूं-धूंकर जलने लगी। चालक समेत कार में दो लोग सवार थे, जिन्होंने खिड़की से कूद कर जान बचाई। सुरीर के गांव नगला कुलू निवासी महेश कुमार मंगलवार को साथी राकेश राणा के साथ किसी काम से अपनी बोलेरो नियो कार में कोसीकलां जा रहे थे। शेरगढ़-कोसीकलां के मध्य गांव हुसैनी के समीप अचानक चलती कार में बोनट की ओर से धुंआ भर गया। इसे देख कार को सड़क किनारे रोकने के बाद चालक समेत सवार खिड़की खोलकर नीचे कूद गए। उनके देखते देखते कार में इंजन की ओर से आग की लपटें उठने लगीं। ग्रामीणों की मदद से किसी तरह आग को काबू में किया। बताया गया कि भीषण गर्मी में इंजन ओवरहीट होने की वजह से कार में से आग लग गई। कार के अंदर चालक समेत दो लोग मौजूद थे। गनीमत रही कि आग फैलने से पहले वह सकुशल बाहर निकल आए लेकिन आग में जलने से कार बुरी क्षतिग्रस्त हो गई।

इंसानियत पर कागज भारी, जीतू मुंडा बहन का कंकाल कंधे पर लेकर बैंक पहुंचे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओडिसा के क्योंझर जिले में एक बेहद दर्दनाक और शर्मनाक घटना सामने आई है, जिसमें एक गरीब आदिवासी व्यक्ति को अपनी मृत बहन के बैंक खाते से महज 19,300 रुपये निकालने के लिए उसका कंकाल कंधे पर लादकर बैंक जाना पड़ा। इस घटना ने पूरे देश में ब्यूरोक्रेटिक उदासीनता और ग्रामीण इलाकों में वित्तीय जागरूकता की कमी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटना क्योंझर जिले के पटना ब्लॉक के अंतर्गत मल्लीपोसी गांव के पास ओडिशा ग्रामीण बैंक की मालीपोसी शाखा की है। 50 वर्षीय जीतू मुंडा (जिन्हें जितु मुंडा भी कहा जाता है), जो दैनिक मजदूरी करके गुजारा करते हैं और अनपढ़ हैं, अपनी बड़ी बहन कालरा मुंडा (56 वर्ष) के खाते से पैसे निकालने के लिए कई महीनों से बैंक के चक्कर लगा रहे थे।

कालरा मुंडा का निधन 26 जनवरी 2026 को हो गया था। उनके खाते में लगभग 19,300 रुपये जमा थे। जीतू मुंडा ने बैंक अधिकारियों को बार-बार बताया कि उनकी बहन की मौत हो चुकी है, लेकिन अधिकारियों ने बार-बार खाताधारक की शारीरिक उपस्थिति या उचित दस्तावेज (जैसे डेथ सर्टिफिकेट और कानूनी वारिस प्रमाण) मांगते हुए पैसे देने से इनकार कर दिया। निराश होकर और कानूनी प्रक्रिया से अनजान जीतू मुंडा ने अपनी बहन की कब्र खोदकर उनके कंकाल को बोरी में रखा और करीब 3 से 5 किलोमीटर पैदल चलकर बैंक पहुंच गए। उन्होंने कंकाल को बैंक के बाहर रख दिया ताकि अधिकारी उनकी बहन की मौत का 'प्रमाण' देख सकें।

इस दृश्य को देखकर बैंक में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कंकाल को सम्मानपूर्वक दोबारा दफनाया। इस घटना के वायरल होने के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री ने तुरंत संज्ञान लिया। जिला प्रशासन ने जीतू मुंडा को 30,000 रुपये की तत्काल सहायता राशि रेड क्रॉस फंड से प्रदान की। साथ ही बैंक खाते की पूरी राशि (ब्याज समेत) उन्हें सौंप दी गई और आवश्यक दस्तावेज भी पूरे कर दिए गए। जिला प्रशासन ने इस मामले की जांच के आदेश भी दिए हैं।

यह घटना गरीब आदिवासी परिवारों की मजबूरियों, बैंकों की कागजी कार्यवाही और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल/वित्तीय साक्षरता की कमी को उजागर करती है। सोशल मीडिया पर इसे 'ब्यूरोक्रेसी की क्रूरता' और 'इंसानियत पर सवाल' बताते हुए व्यापक आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है।

कई लोग पूछ रहे हैं कि क्या सिस्टम गरीबों के लिए इतना असंवेदनशील हो गया है कि एक छोटी-सी राशि के लिए व्यक्ति को ऐसा कदम उठाना पड़े। जीतू मुंडा का परिवार बेहद गरीब है। उनकी बहन कालरा के पति और इकलौती संतान पहले ही गुजर चुके थे, ऐसे में जीतू ही उनका सहारा थे।

नवनिर्मित कान्हा गौशाला में गौवंशों की दुर्दशा का अध्याय शुरू

प्रतापगढ़। सरकार द्वारा निराश्रित गौवंशों को गौशालाओं में संरक्षित कर उनके भरण पोषण की धनराशि निर्गत करती है, उसके बावजूद भी गौशालाओं में संरक्षित गौवंशों की दुर्दशा का फुर्साहाल नहीं है।आदर्श नगर पंचायत लालगंज में कान्हा गौशाला को करीब 1 करोड़ 65 लाख से निर्मित किया गया है। यहां गौवंशों को संरक्षित करने का कार्य महज दो माह बीते होंगे और गौवंशों की दुर्दशा शुरू हो गई है। सोमवार को भीषण धूप में खुले में एक गौवंश अचेत पड़ा हुआ दिखा जिसके ऊपर कौवे चोंच मारी कर रहे थे, लेकिन उसकी हाल खबर लेने वाला कोई नहीं।अधिशाषी अधिकारी को गौवंश की दुर्दशा की हालत बताने पर वही रटा रटाया जवाब दिखवाता हूं।

पेट्रोल डीजल की तस्करी से आम नागरिक बेहाल, सीमावर्ती पंपों पर ईंधन का संकट

» डीजल-पेट्रोल को तस्करी के जरिए भेजा जा रहा सीमा पार, स्थानीय प्रशासन के पकड़ से कोसों दूर हुए कारोबारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां ब्लॉक के सीमावर्ती क्षेत्रों में डीजल और पेट्रोल की अवैध तस्करी ने आम नागरिकों की कमर तोड़ दी है, जिससे क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर ईंधन के लिए हाहाकार मचा हुआ है। नौडिहवा, सेखुआनी कोहरगड्डी और पड़ियाताल स्थित पंपों पर प्रतिदिन स्टॉक खत्म होने से आम उपभोक्ताओं को घंटों कतार में लगने के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ रहा है, जिसके कारण उन्हें मजबूरी में ऊंचे दामों पर ईंधन खरीदना पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार नेपाल में भारतीय मुद्रा के मुकाबले डीजल और पेट्रोल की कीमतें काफी अधिक होने के कारण तस्कर सक्रिय हो गए हैं। यह तस्कर दोपहिया और चार पहिया वाहनों के जरिए रात के अंधेरे में भारी मात्रा में ईंधन सीमा पार कराकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। इस कालाबाजारी का सबसे अधिक प्रभाव शादी-विवाह के सीजन पर पड़ा है जहां आवाजाही के लिए लोगों को तेल नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय निवासी शमशाद खान, महबूब अली, राधेश्याम, संदीप, राजकुमार, संजय यादव, रामदेव प्रसाद, सलाहुद्दीन, जयकिशुन यादव सहित अन्य लोगों ने इस संकट पर गहरा रोष व्यक्त किया है। वहीं क्षेत्र के जगरनाथपुर पेट्रोल पंप के बगल में ही सड़क के किनारे बोतलों में डेढ़ सौ से दो सौ रुपए प्रति लीटर पेट्रोल खुले आम बेचा जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस बड़े स्तर पर हो रही तस्करी के बावजूद सुरक्षा विभाग मूकदर्शक बना हुआ है जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

सिद्धार्थनगर में युवक का शव मिलने से हड़कंप, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सिद्धार्थनगर। संदिग्ध परिस्थितियों में घर से निकले युवक का शव दूसरे दिन बुधवार सुबह एक पुलिया के नीचे मिला है। वह एक दिन पहले मंगलवार शाम अपने घर से बाजार में सब्जी खरीदने के निकला था। शव के पास खून व चप्पल के इधर-उधर बिखरे मिलने पर स्वजन ने हत्या का आरोप लगाया है। सदर थाना के जगदीशपुर राजा गांव निवासी यशवंत लोधी मंगलवार की शाम सब्जी खरीदने के लिए घर से निकला था। जब वह घर नहीं लौटा तो स्वजन ने देर तक खोजबीन की।

दूसरे दिन सुबह उसका शव सदर थाना क्षेत्र के कोयलहरा पुल के नीचे मिला। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस व फील्ड यूनिट की टीम मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलन किया। एसएचओ सदर मिथलेश कुमार राय ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। जांच की जा रही है। स्वजन ने अभी तहरीर नहीं दी है, तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

गरीबों को सोलर योजना का सपना दिखाकर दौड़ा रहा बैंक! 20 दिन बाद भी नहीं हुआ सर्वे

» पीएम सूर्य घर योजना में बैंक की सुस्ती से गरीब परेशान, 'कर्मचारी नहीं' कहकर लौटाए जा रहे लाभार्थी

» सरकार दे रही राहत, बैंक बना रुकावट! पीएम सूर्य योजना के लाभार्थी लगा रहे दतरों के चकर

बस्ती। बस्ती जिले में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर योजना में बैंक की लापरवाही गरीबों पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। थाना सोनहा क्षेत्र के ग्राम हसनापुर निवासी रामलोट पुत्र नवल ने जिलाधिकारी को शिकायत देकर आरोप लगाया है कि योजना के तहत उनका आवेदन लगभग 15 से 20 दिन पहले पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीरिया बाजार भेजा जा चुका है, लेकिन आज तक न तो फील्ड सर्वे किया गया और न ही आगे की कोई कार्रवाई हुई।पीड़ित का कहना है कि कई बार बैंक जाने के बावजूद केवल 'कर्मचारी की कमी' का हवाला देकर उन्हें वापस लौटा दिया जाता है। आरोप है कि बैंक अधिकारियों की ढिलाई के कारण सरकार की जनकल्याणकारी योजना का लाभ जरूरतमंदों तक समय से नहीं पहुंच पा रहा है।प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का उद्देश्य गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को सस्ती बिजली और सोलर सुविधा उपलब्ध कराना है, लेकिन जमीनी स्तर पर बैंकिंग प्रक्रिया की सुस्ती लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि योजना का प्रचार तो बड़े स्तर पर किया जा रहा है, लेकिन बैंक और संबंधित अधिकारी समय पर कार्य नहीं कर रहे, जिससे गरीब जनता दफ्तरों और बैंकों के चक्कर काटने को मजबूर है। रामलोट ने जिलाधिकारी से मामले में हस्तक्षेप कर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई तथा शीघ्र सर्वे कराकर योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है।

कहीं स्मार्ट मीटर से आक्रोशित महिलाएं चुनाव में '440 वोल्ट' का करंट न दे दें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- टूण्डला के नगला सिंघी के ग्रामीण अंचलों में स्मार्ट प्रीपेड मीटरों के खिलाफ सुलग रही चिंगारी अब एक बड़े आंदोलन का रूप लेती जा रही है। नगला सिंघी क्षेत्र के नगला हट्टा, अजीत नगर और बनकट गांवों में स्मार्ट मीटरों को लेकर स्थानीय निवासियों, विशेषकर महिलाओं का गुस्सा सातवें आसमान पर है। अप्रैल के आखिरी हफ्ते में तपती गर्मी के बीच हुए इन विरोध प्रदर्शनों ने शासन और प्रशासन की नींद उड़ा दी है। स्थानीय गलियारों में चर्चा तेज है कि कहीं बिजली के झटकों से परेशान ये महिलाएं आगामी चुनाव में सरकार को '440 वोल्ट' का सियासी करंट न दे दें।

मीटर उखाड़कर उपकेंद्र पर फेंके

नाराजगी का आलम यह था कि बनकट और अजीत नगर की सैकड़ों महिलाओं ने अपने घरों से स्मार्ट मीटर उखाड़ दिए और उन्हें लेकर सीधे जटई विद्युत उपकेंद्र पहुँच गई। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने न केवल नारेबाजी की, बल्कि गुस्से में स्मार्ट मीटरों को उपकेंद्र परिसर में ही फेंक दिया। महिलाओं का साफ कहना है कि वे इस 'डिजिटल प्रताड़ना' को अब और सहन नहीं करेंगी।

महंगाई की मार और अंधेरे का डर

ग्रामीणों के आक्रोश की सबसे बड़ी वजह भारी भरकम बिल और रिचार्ज की मजबूरी है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर पुराने मीटरों के मुकाबले दोगुनी रफ्तार से भाग रहे हैं। एक प्रदर्शनकारी महिला ने बताया, 'हम दिहाड़ी मजदूर हैं, दिन भर में 200-300 रुपये कमाते हैं। अब 500 रुपये का रिचार्ज करवाएं या बच्चों का पेट पालें? ऊपर से रिचार्ज खत्म होते ही बिना किसी चेतावनी के बत्ती गुल हो जाती है।'

गर्मी में 'प्रीपेड' आफत

प्रचंड गर्मी के इस मौसम में बिजली कटने से बुजुर्गों और बच्चों का हाल बेहाल है। ग्रामीणों की मांग है कि इन स्मार्ट मीटरों को तत्काल हटाकर पुराने मीटर वापस लगाए जाएं। उनका कहना है कि पुराने सिस्टम में कम से कम बिल भरने के लिए समय मिलता था, लेकिन यह प्रीपेड सिस्टम गरीबों के लिए काल बन गया है।

अधिकारियों के पास नहीं है जवाब

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस बल मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद महिलाओं को शांत कराया। अवर अभियंता (JE) राजेंद्र सिंह ने ग्रामीणों को लिखित शिकायत देने की सलाह दी है, लेकिन ग्रामीण अब कागजी कार्रवाई के मूड में नहीं दिख रहे हैं क्षेत्र में बढ़ता यह तनाव स्पष्ट संकेत दे रहा है कि यदि समय रहते समाधान नहीं निकाला गया, तो बिजली का यह मीटर राजनीतिक गलियारों में बड़ा धमाका कर सकता है।

संक्षिप्त खबरें

दुष्कर्म का वीडियो वायरल कर दिया,डीआईजी से मिली पीड़िता की मां

बस्ती। बस्ती जिले केसोनहा थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग से बलात्कार, वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर देने का मामला सामने आया है। पीडिता की मां ने डीआईजी को पत्र देकर समूचे मामले की उच्च स्तरीय जांच और दोषी के विरूद्ध कार्रवाई की मांग करते हुये दबंगों से अपनी नाबालिग बेटी और परिवार के रक्षा की गुहार लगाया है। पीडिता और उसकी मां ने डीआईजी को दिये पत्र में कहा है कि सोनहा थाना क्षेत्र के पिरैला नरहरिया निवासी मो0 आशिफ पुत्र शहाबुद्दीन ने उसकी नाबालिग बेटीके साथ बलात्कार करने के साथ ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जब पीड़िता ने उसके घर पर शिकायत किया तो उल्टे उसे ही मो0 आशिफ के परिवार वालों ने जान से मार देने की धमकियां दी। सोनहा थाने पर भी उसे न्याय नहीं मिला, उसने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र दिया उसके बाद सोनहा पुलिस ने एक सादे कागज पर उससे अंगूठे का निशन लगवा लिया और रिपोर्ट नहीं लिखा। बहुत दबाव के बाद सोनहा पुलिस ने मनचाहे ढंग से मुकदमा दर्ज किया। बलात्कार की शिकार नाबालिग बेटी की डाक्टरी तक नहीं कराया गया। पीडिता और उसकी मां ने डीआईजी को दिये पत्र में कहा है कि विपक्षी बहुत ताकतवर लोग है और पुलिस उन्हें बचाने का प्रयास कर रही है। उसने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

जगदीशपुर पुलिस द्वारा 25,000/- रुपये का इनामिया अभियुक्त गिरफ्तार

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना जगदीशपुर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर विभिन्न धाराओं सहित यूपी0 गैंगस्टर एक्ट थाना जगदीशपुर जनपद अमेठी में वांछित व 25,000/-रुपये का इनामिया अभियुक्त रफीक अहमद पुत्र खलील अहमद निवासी ग्राम कोछित थाना भाले सुलतान शहीद स्मारक जनपद अमेठी उम्र करीब 31 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी के संबन्ध में थाना जगदीशपुर पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गई।गिरफ्तार अभियुक्त एक शातिर अपराधी है जिसके विरुद्ध जनपद अमेठी के जगदीशपुर, अमेठी व गौरीगंज में चोरी, जालसाजी व धोखाधड़ी आदि विभिन्न धाराओं में कुल 04 अभियोग पंजीकृत हैं । जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक अमेठी महोदय द्वारा 25,000/- रुपये का पुरस्कार घोषित किया था।

अधूरा कुआं, अवैध वसूली का आरोप

पीड़िता ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार

ललितपुर। महरौनी तहसील क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां लघु सिंचाई विभाग की योजना के तहत स्वीकृत कुएं के निर्माण में अनियमितता और अवैध वसूली के आरोप लगाए गए हैं। ब्लाक बार के ग्राम डंगराना निवासी सावित्री पत्नी काशीराम ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता के अनुसार, वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री ब्लॉक कूप योजना के अंतर्गत उनका चयन किया गया था। योजना के तहत निर्धारित मानक के अनुसार कुएं की गहराई 48 फीट होनी चाहिए थी, लेकिन ठेकेदार द्वारा केवल 25 फीट तक ही खुदाई कर कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। शिकायत में आरोप है कि ठेकेदार द्वारा कार्य पूरा करने के नाम पर 20 हजार रुपये की अवैध मांग की जा रही है। पैसे न देने पर कुएं का निर्माण कार्य पूरा न करने की धमकी भी दी जा रही है। पीड़िता का कहना है कि इस संबंध में उन्होंने पूर्व में कई बार प्रार्थना पत्र दिए, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। थक-हारकर पीड़िता ने एक बार फिर जिलाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र सौंपा है। उन्होंने मांग की है कि अधूरे पड़े कुएं का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा कराया जाए और दोषी ठेकेदार एवं संबंधित विभागीय कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यह मामला सामने आने के बाद सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर शिकायत पर क्या कदम उठाता है।

ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में सुबह आनलाइन व शाम को आफलाइन मजदूरों की लग रही हाजिरी

- जिले में बना चर्चा का विषय
- महिला मेट सुमन की लापरवाही से मनरेगा एक्ट की खुलेआम उड़ रही धज्जियां
- सचिव, टी ए/जेई व मनरेगा एपीओ के आंख में धूल झोंक कर ग्राम प्रधान मिथिलेश सिंह कर रही फर्जीवाड़ा
- सचिव, टीए (जेई) व एपीओ मनरेगा ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में चल रहे मनरेगा फर्जीवाड़ा मामले में बने अंजान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले केजिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्सना व मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल के कड़े निर्देश के बाद भी ग्राम पंचायतों में मनरेगा फर्जीवाड़ा रुकने का नाम नहीं ले रहा है और खंड विकास अधिकारियों को गुमराह करके सचिव , तकनीकी सहायक/जेई व मनरेगा एपीओ ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर मनरेगा फर्जीवाड़ा कराने में सफल दिखाई दे रहे हैं। ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में कागजों तक मनरेगा कार्य सीमित दिखाई दे रहा है क्योंकि प्रतिदिन कागज में मनरेगा मजदूर कार्य कर रहे हैं लेकिन धरातल पर ना तो कोई मनरेगा मजदूर कार्य कर रहा है और न ही कोई तालाब खुदाई कार्य चल रहा है। महिला मेट सुमन की मनमानी से खुलेआम मनरेगा एक्ट की धज्जियां उड़ती दिखाई दे रही है। महिला मेट सुमन उलूल जुलूल मनरेगा मजदूरों का पुराना फोटो मनरेगा ऑनलाइन साइड पर अपलोड करके धीरे-धीरे मनरेगा मस्टर रोल पूर्ण कर रही है। ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में बड़े पैमाने पर चल रहे मनरेगा फर्जीवाड़ा मामले में सचिव, तकनीकी सहायक/जेई व मनरेगा एपीओ अंजान बने हुए हैं। ग्राम प्रधान मिथिलेश सिंह के कहने पर महिला मेट सुमन सुबह मनरेगा मजदूरों की आनलाइन हाजिरी व शाम को आफलाइन अर्थात् पुराना फोटो अपलोड करके फर्जी ऑनलाइन मस्टर रोल पूर्ण किया जा रहा है।

आपको बताते चलें कि विकासखंड विक्रमजोत के अन्तर्गत ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में तालाब खुदाई के नाम उच्च अधिकारियों को गुमराह करके सरकारी धन हड़पने का खेल जारी है। रोजगार सेवक शिव कुमार सिंह ने बातचीत में बताया कि ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में चल रहे मनरेगा कार्य के बारे में हमें कुछ जानकारी है महिला मेट सुमन मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाकर वाह-वाही लूट रही है इन्हें ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया के विकास कार्यो से कोई लेन देन नही है। सचिव श्याम प्रकाश भारती शासनादेश को ताख पर रख कर अपने हिसाब से मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगवा है। शासनादेश के अनुसार मनरेगा कार्यों में दोनों टाइम अर्थात् सुबह शाम आनलाइन मनरेगा मजदूरों की हाजिरी लगाने का निर्देश जारी है जबकि ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में सुबह आनलाइन व शाम को आफलाइन हाजिरी लगाने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। अब देखना यह है सुबह आनलाइन व शाम को आफलाइन हाजिरी लगवाने वाले सचिव श्याम प्रकाश भारती के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है?

भाजपा अध्यक्ष का आरोप, विपक्ष ने किया महिलाओं के साथ विश्वासघात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने बुधवार को भाजपा कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में संसद में हुए महत्वपूर्ण विधेयकों पर विपक्ष के रवैये की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके ने इन विधेयकों का विरोध कर देश की आधी आबादी, महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है और अपनी महिला-विरोधी मानसिकता को पूरी तरह उजागर कर दिया है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर पार्टी की महिला पदाधिकारियों द्वारा जनपद के प्रत्येक मंडल में 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' निकाली जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भाग लेकर अपना आक्रोश प्रकट कर रही हैं। साथ ही छात्रावासों एवं महाविद्यालयों में छात्राओं के बीच संपर्क अभियान चलाकर उन्हें जागरूक किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी कोई उपकार नहीं, बल्कि उनका स्वाभाविक अधिकार है।

जिलाध्यक्ष ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे जानबूझकर तकनीकी बहानों के माध्यम से प्रक्रिया को टालने का प्रयास कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी द्वारा धर्म आधारित आरक्षण की मांग को उन्होंने असंवैधानिक और तुष्टिकरण की राजनीति करार दिया। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखने की सुनियोजित साजिश है। उन्होंने कहा कि संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, परिसीमन विधेयक एवं केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक पर हुई चर्चा देश के लोकतांत्रिक भविष्य और महिलाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने का ऐतिहासिक अवसर था, जिसे विपक्ष ने बाधित करने का प्रयास किया। पत्रकार वार्ता मे मीडिया प्रभारी अजय पाल व नीरज त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

कर अधिवक्ता संघ की मासिक बैठक सम्पन्न

झांसी जोन में ललितपुर के अधिवक्ताओं को मिली जिम्मेदारी

ललितपुर। कर अधिवक्ता संघ ललितपुर की मासिक बैठक अध्यक्ष रुपनारायण विश्वकर्मा एड.एवं प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र जैन एड.की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन, पंजीकृत लखनऊ की 65वीं कार्यकारिणी बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि रामपुर में सम्पन्न प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र जैन वीटू एड. द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसे प्रदेश अध्यक्ष राजपाल यादव एड. की संस्तुति एवं कार्यकारिणी की सहमति से पारित किया गया। इसके तहत बुंदेलखंड (झांसी जोन) की जोनल टीम का गठन किया गया। नई जोनल टीम में महोबा के हदेश गुप्ता एड. को जोनल चेयरमैन, ललितपुर के मुकेश साहू एड. को को-चेयरमैन तथा पवन राठौर को जोनल कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। इस अवसर पर कर अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नवमनोनीत पदाधिकारियों का फूलमालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया। मुकेश साहू एवं पवन राठौर ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करते हुए अधिवक्ताओं के हित में कार्य करेंगे।

केवाईसी और बीमा के नाम पर खुली लूट

- गैस उपभोक्ताओं का फूटा गुस्सा अफरोज एचपी गैस वितरक

बलरामपुर कौवापुर बाजार पर धन उगाही का आरोप, होम डिलीवरी बंद होने से जनता बेहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कौवापुर बाजार। क्षेत्र के अफरोज एचपी गैस वितरक कौवापुर बाजार पर केवाईसी एवं बीमा आवेदन के नाम पर अवैध वसूली किए जाने का गंभीर आरोप लगा है। गैस उपभोक्ताओं ने एजेंसी संचालकों पर मनमानी करने, जबरन पैसा लेने तथा प्रशासनिक आदेशों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर क्षेत्र में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थानीय उपभोक्ता लियाकत, मोईन, राजेश सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि गैस सिलेंडर लेने पहुंचे उपभोक्ताओं से कहीं केवाईसी अपडेट कराने तो कहीं बीमा कराने के नाम पर अतिरिक्त रुपये मांगे जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि पैसा देने से मना किया जाता है तो गैस सिलेंडर देने में टालमटोल की जाती है या फिर अगले दिन आने की बात कहकर लौटा दिया जाता है।

उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि गैस एजेंसी द्वारा जिला प्रशासन के स्पष्ट निर्देशों को नजरअंदाज करते हुए होम डिलीवरी की सुविधा भी बंद कर दी गई है। ग्रामीण इलाकों से आने वाले बुजुर्ग, महिलाएं और मजदूर वर्ग के लोगों को कई किलोमीटर दूर एजेंसी तक पहुंचना पड़ता है, जहां घंटों लाइन में लगने के बाद भी सिलेंडर मिलने की कोई गारंटी नहीं रहती। गर्मी के इस मौसम में रसोई गैस की किल्लत से गृहिणियों की परेशानी और बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि एक तरफ गैस सिलेंडर की कीमतें पहले से ही आसमान छू रही हैं, वहीं दूसरी तरफ एजेंसी पर अतिरिक्त वसूली ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यदि केवाईसी या बीमा जैसी प्रक्रिया आवश्यक है तो इसकी जानकारी पारदर्शी तरीके से दी जानी चाहिए, न कि उपभोक्ताओं से जबरन वसूली की जाए। उपभोक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही अवैध वसूली पर रोक नहीं लगी और होम डिलीवरी व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो जनता सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी। पीड़ित उपभोक्ताओं ने जिलाधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने तथा आम जनता को राहत दिलाने की मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर शिकायत पर क्या कदम उठाता है।

बलरामपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: गोतस्करी के लिए ले जाए जा रहे 4 गोवंशीय पशु बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर की थाना पचपेड़वा पुलिस ने गोतस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गोवध के उद्देश्य से ले जाए जा रहे 4 गोवंशीय पशुओं को बरामद किया है। पुलिस ने मौके से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर वाहन भी कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार, 28 अप्रैल की रात मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद रंग की पिकअप वाहन संख्या क्क्र22त्नष्ट3256, जिस पर काला तिरपाल ढका हुआ था, तुलसीपुर से बढ़नी की ओर जा रही है। वाहन में गोवंशीय पशुओं को लादकर बिहार या नेपाल ले जाया जा रहा था। सूचना मिलते ही थाना पचपेड़वा पुलिस ने तुलसीपुर-बढ़नी रोड पर चेकिंग शुरू कर दी।

कुछ देर बाद संदिग्ध पिकअप वाहन तेज रफ्तार में आती दिखाई दी। पुलिस ने वाहन रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने वाहन और तेज कर दिया तथा मौके पर मौजूद राहगीरों, दुकानदारों और पुलिसकर्मियों को कुचलने की नीयत से भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने पीछा करते हुए नई बाजार चौराहे के पास घेराबंदी कर वाहन को पकड़ लिया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 4 गोवंशीय बैल बरामद किए गए। मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मुन्ना कुमार यादव निवासी बेतिया, बिहार तथा कासिम निवासी महराजगंज के रूप में हुई है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे गोवंशीय पशुओं की तस्करी कर बिहार और नेपाल में बेचते थे तथा कुशीनगर निवासी एक व्यक्ति को सप्लाई करते थे। बिक्री से मिलने वाले धन को आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने

आरोपियों के खिलाफ थाना पचपेड़वा में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर डा. जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में गोतस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

ट्रेन की चपेट में आने से किसान व पांच भैंसों की मौत

गैसड़ी/बलरामपुर। कोतवाली क्षेत्र के सुखरामपुर गांव में रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से पांच भैंस व किसान की कटकर मौत से परिवार में मचा कोहराम। सुखरामपुर निवासी पारसनाथ यादव 65 वर्षीय मंगलवार रात्रि लगभग 8:00 भैंस लेकर वापस घर आ रहे थे घर के सामने लगभग 100 मीटर की दूरी पर रेलवे समपार फाटक के पास गोंडा से गोरखपुर की तरफ जाने वाली ट्रेन की चपेट में आ जाने से घटनास्थल पर ही पांच भैंस व पारसनाथ यादव की मौत हो गई।मृतक के बड़े बेटे गुड्डु ने बताया कि प्रतिदिन की तरह उनके पिताजी शाम को भैंस चराने लेकर जाते थे और रात में 7-8 बजे वापस घर आते थे मंगलवार की रात्रि में भी वापस घर आ रहे थे घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर जुल्लू यादव के यहां मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन था जैसे ही वहां पर पहुंचे डीजे वाले ने तेज धुन में डीजे बजा दिया जिससे भैंस चौक कर भागने लगी भैंस के पीछे-पीछे वह भी भागने लगे तभी गोंडा से गोरखपुर की तरफ जा रही ट्रेन जा रही थी उसी की चपेट में भैसें और वह आ गए जिससे घटनास्थल पर ही भैंस व उनकी मौत हो गई। काफी देर ढूंढने के बाद पिता का शव रेलवे लाइन के किनारे मिला जिसकी सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सरकारी धन का भुगतान प्राइवेट दुकान से करती है मनबढ़ सचिव रजनी दूबे

- ग्राम पंचायतों पर लगे कम्प्यूटर सिस्टम से सरकारी धन भुगतान करने के बजाए प्राइवेट दुकान से भुगतान करती है मनबढ़ सचिव रजनी दूबे

मनबढ़ सचिव रजनी दूबे की लापरवाही से ग्राम पंचायतों में बने पंचायत भवन पर लगे कम्प्यूटर सिस्टम पर लग रहा मनबढ़ सचिव रजनी दूबे के मोबाइल से सरकारी धन की फर्जी भुगतान की खुल सकती है पोल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खण्ड कप्तानगंज में कार्यरत मनबढ़ सचिव रजनी दूबे सरकारी धन की भुगतान अपने मनचाहा प्राइवेट दुकान से एवं मनचाहा फर्म पर भी करती है जबकि ग्राम पंचायतों में बने पंचायत भवन पर लगे कम्प्यूटर सिस्टम से सरकारी धन का भुगतान होना चाहिए। आपको बता दें कि प्रदेश सरकार ने प्रत्येक ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन पर कम्प्यूटर सिस्टम , इन्वर्टर व सोलर पैनल, कुर्सी मेज, आलमारी आदि आवश्यक सामग्री की खरीददारी करने हेतु सरकारी धन का आवंटन किया है और अधिकतर ग्राम पंचायतों में सरकारी शासनादेश के अनुसार आवश्यक सामग्री की खरीददारी की जा चुकी है । पंचायत भवनों पर कार्यरत

पंचायत सहायकों के द्वारा विकास कार्यो हेतु सरकारी धन का भुगतान करने का शासनादेश जारी है। शासनादेश को दरकिनार कर सरकारी धन का धड़ल्ले से भुगतान में मामले में मनबढ़ सचिव रजनी दूबे के खिलाफ कार्रवाई न होना जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। इससे स्पष्ट है कि पंचायत सहायकों के अधिकारों का हनन मनबढ़ सचिव रजनी दूबे के द्वारा किया जा रहा है। पंचायत सहायकों को पता ही नहीं है कि ग्राम पंचायत में विकास कार्यो हेतु कितना सरकारी धन का आवंटन हुआ था और कितना धन व्यय हुआ है एवं कितना धन शेष बचा हुआ है।

सूत्रों की माने तो मनबढ़ सचिव रजनी दूबे न तो ब्लाक मुख्यालय पर बैठती है और न ही ग्राम पंचायतों में बने पंचायत भवनों पर बैठती है बल्कि घर बैठकर मनबढ़ सचिव रजनी दूबे अपने मोबाइल से फर्जी भुगतान के लिए प्राइवेट दुकानदार को डिटेल्स भेजती है और सरकारी धन का फर्जी भुगतान कराकर आपस में बन्दरबांट कर लेती हैं । मनबढ़ सचिव रजनी दूबे की मनमानी से पंचायत भवनों पर लगा कम्प्यूटर सिस्टम जंग खा रहा है और कूड़ेदान में तब्दील हो रहा है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकरियों द्वारा मनबढ़ सचिव रजनी दूबे के खिलाफ क्या कार्यवाही की जाती है ?

बहूभोज कार्यक्रम में युवक की मौत मामले का खुलासा, 14 आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर, । थाना तुलसीपुर पुलिस ने बहूभोज कार्यक्रम में मारपीट के दौरान युवक की मौत के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 14 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे का पल्टा, लाठी-डंडा व अन्य सामान भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 28 अप्रैल की रात चमरबोझिया निवासी मोहित पुत्र राजकिशोर ने थाना तुलसीपुर में तहरीर देकर बताया कि उसका भाई कमलेश (27 वर्ष) पूर्व प्रधान नन्हेलाल के भतीजे रवि के बहूभोज कार्यक्रम में खाना खाने गया था। कार्यक्रम स्थल पर चल रहे सांस्कृतिक नाच-गाने के दौरान कहासुनी हो गई, जिसके बाद विपक्षीगण ने कमलेश पर लोहे के पल्टे व लाठी-डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना के संबंध में थाना तुलसीपुर में 15 नामजद व 5 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर डा. जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 14 नामजद अभियुक्तों को मध्यनगरी रोड स्थित नन्हेलाल की आटा चक्की के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टूटा हुआ लोहे का पल्टा, लाठी-डंडा व अन्य सामान बरामद किया गया। सभी आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है, जबकि पुलिस फरार अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत

- परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज न होने का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जखौरा क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल एक बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, मृतक के परिजनों ने थाना जखौरा पुलिस पर अब तक रिपोर्ट दर्ज न करने का आरोप लगाया है। जखौरा निवासी जितेन्द्र कुमार ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 10 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 9.30 बजे उनके पिता महेश प्रसाद झां सड़क किनारे खड़े थे। तभी सतगता-सीरोनजी रोड की ओर से तेज गति और लापरवाही से आ रही एक मोटरसाइकिल (नंबर यूपी 94 वाई 1381) ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों के अनुसार मौके पर मौजूद रिश्तेदार ने तत्काल एम्बुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां वेंटिलेटर की सुविधा

न मिलने पर उन्हें गंगा अस्पताल झांसी में भर्ती कराया गया, जहां से आगे इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया।

भोपाल के अस्पतालों में इलाज के दौरान 23 अप्रैल 2026 को उनकी मृत्यु हो गई। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि घटना की सूचना 12 अप्रैल को थाना जखौरा में दी गई थी, जबकि दूसरी बार 26 अप्रैल को भी जानकारी दी गई, इसके बावजूद अब तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया है। परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

जनगणना 2027 की तैयारी: महरौनी में तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न, प्रगणकों को कराया गया व्यवहारिक अभ्यास

महरौनी। जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत नगर महरौनी में प्रथम चरण की भवन गणना हेतु प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 23 से 25 अप्रैल तक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य त्रुटिहीन एवं सटीक आंकड़ों का संकलन सुनिश्चित करना रहा। प्रशिक्षण का शुभारंभ चार्ज अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी साक्षी साहू के निर्देशन में हुआ, जिसमें 7 पर्यवेक्षक एवं 34 प्रगणकों सहित रिजर्व कर्मियों को भी प्रशिक्षित किया गया। मास्टर ट्रेनरों ने जनगणना के उद्देश्य, महत्व एवं प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही भवन गणना के अंतर्गत नजरी नक्शा तैयार करने, भवनों का विवरण अंकित करने तथा निर्धारित 34 बिंदुओं की जानकारी मोबाइल एप के माध्यम से दर्ज करने की विधि समझाई गई। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर हरिवंश रिछारिया एवं हरिराम साहू ने प्रतिभागियों को तकनीकी व व्यवहारिक पहलुओं से अवगत कराया। अंतिम दिन प्रश्नोत्तरी के माध्यम से मूल्यांकन किया गया तथा प्रगणकों ने ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और गोपनीयता की शपथ ली।

कलेक्ट्रेट सभागार में जनगणना 2027 की तैयारियों पर अहम बैठक, 7 मई से शुरू होगा प्रथम चरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनगणना 2027 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना के प्रथम चरण, व्यवस्थाओं, प्रशिक्षण एवं जन-जागरूकता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में मकानों की गणना (हाउस लिस्टिंग) की जाएगी, जो दिनांक 7 मई से 21 मई 2026 तक संचालित होगी। इसके पश्चात 22 मई से 20 जून तक हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन का विस्तृत कार्य संपन्न किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता ने स्व-गणना प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस बार जनगणना में डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया है। नागरिक स्वयं पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे, जिससे डेटा संग्रहण अधिक तेज, सटीक और पारदर्शी होगा। उन्होंने बताया कि स्व-गणना के लिए पोर्टल बहुभाषीय, सुरक्षित एवं उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाया गया है, जिसमें मोबाइल नंबर के माध्यम से लॉगिन, ओटीपी सत्यापन, पता दर्ज करना, मानचित्र पर लोकेशन चिन्हित करना तथा प्रश्नावली भरकर स्श्व ढ्ढष्ठ प्राप्त करना शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि स्व-गणना से फील्ड कर्मचारियों का कार्यभार कम होगा तथा डेटा की गुणवत्ता बेहतर होगी, क्योंकि जानकारी सीधे नागरिकों द्वारा भरी जाएगी। इसके अतिरिक्त यह प्रक्रिया 24म7 उपलब्ध रहेगी, जिससे व्यस्त एवं प्रवासी परिवारों को भी सुविधा मिलेगी। जनगणना की तैयारी के अंतर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें मास्टर ट्रेनर, सुपरवाइजर, प्रगणक एवं अन्य विभागीय अधिकारियों को शामिल किया गया है। साथ ही जनजागरूकता हेतु मीडिया, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों एवं विभिन्न विभागों के माध्यम से अभियान चलाया जाएगा। बैठक में यह भी बताया गया कि स्व-

गणना को बढ़ावा देने के लिए दिवसवार कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसके तहत अलग-अलग दिनों में प्रशासन, पंचायत, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिला समूह एवं अन्य वर्गों को जोड़कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके अलावा कॉमन सर्विस सेंटर , पंचायत भवन एवं शहरी वार्ड कार्यालयों में सहायता केंद्र स्थापित कर नागरिकों को सहयोग प्रदान किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनगणना कार्य को गंभीरता से लेते हुए समन्वय के साथ कार्य करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी क्षेत्र या परिवार छूटने न पाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, डीईएसटीओ पन्नालाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

तड़के घर में भड़की भीषण आग, सब कुछ जलकर हुआ खाक

महमूदाबाद- सीतापुर नगर के बिसवां रोड स्थित रोजाना मार्केट के सामने शुक्रवार की अलसुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहाँ रहने वाले दीपक मौर्य के मकान में शॉर्ट सर्किट की वजह से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते लपटों ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लाखों का घरेलू सामान जलकर राख के ढेर में तब्दील हो गया। नींद में था परिवार, अचानक मचा हड़कंप हादसा सुबह करीब 4 बजे का है। जब परिवार के लोग गहरी नींद में थे, तभी बिजली के शॉर्ट सर्किट से उठी चिंगारियों ने विकराल रूप धारण कर लिया। धुआं और तपिश महसूस होने पर जब तक परिजनों की आंख खुली, तब तक आग घर के कोने-कोने में फैल चुकी थी। स्थानीय निवासियों के सहयोग से घंटों की मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। इस अग्निकांड में पीड़ित परिवार का भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। नष्ट हुए सामानों की सूची में मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण फ्रिज, एलईडी टीवी, कूलर, इन्वर्टर-बैटरी और तीन पंखे। 15,000 नगद, कीमती कपड़े, बिस्तर और रसोई का सारा सामान। गनीमत यह रही कि इस भीषण आग की चपेट में आने से कोई जनहानि नहीं हुई, समय रहते सभी सदस्य सुरक्षित बाहर निकल आए। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय लेखपाल पूर्णेन्द्र प्रकाश ने मौके पर पहुंचकर क्षति का जायजा लिया और नुकसान की रिपोर्ट तैयार की। वहीं, पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह वर्मा ने भी पीड़ित के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने ली 14 वर्षीय बच्ची की जान, मौके पर मौत

मिश्रिख (सीतापुर)- एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। पढ़ाई के लिए घर से निकली दो बहनों में से एक की ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक छात्रा का नाम शुभी (14 वर्ष) पुत्री जगदीश, निवासी बेनीपुर है। यह हादसा सरसई मार्ग, जोतपुर के पास उस समय हुआ जब सुबह करीब 8:00 बजे शुभी अपनी बहन के साथ पढ़ने के लिए जा रही थी। इसी दौरान शादी का सामान लेकर जा रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उसे रौंद दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल छात्रा को तुरंत मिश्रिख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों को उजागर करता है।

बेटी के विवाह में दिया आर्थिक सहयोग

नैनी, प्रयागराज। सैदाबाद निवासी एक परिवार की सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए स्थानीय लोगों ने मानवता और सहयोग की मिसाल पेश की। जानकारी के अनुसार, प्यारेलाल कनौजिया की बेटी के विवाह के दौरान अचानक आई पारिवारिक परेशानियों के कारण परिवार को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।इस स्थिति को देखते हुए समाज के जागरूक लोगों ने पहल करते हुए उनके घर पहुंचकर परिवार से मुलाकात की और सहयोग स्वरूप नगद धनराशि प्रदान की। इस सहायता से परिवार की आर्थिक परेशानी को काफी हद तक कम करने का प्रयास किया गया, जिससे विवाह कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके। इस नेक कार्य में डॉ. सचिन कुमार, रजक समाज के प्रचार मंत्री संजय कुमार कनौजिया, वरिष्ठ समाजसेवी अनंत कुमार चौधरी, अर्जुन लाल कनौजिया, कुमार एवं रतन कनौजिया सहित अन्य लोगों का विशेष योगदान रहा।समाज के लोगों ने इस अवसर पर एकजुटता का परिचय देते हुए जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने का संदेश भी दिया।

सोशल मीडिया से उठी आवाज

● हैण्ड पम्प मरम्मत व रिबोर पर करोड़ों रुपए खर्च धरातल पर शून्य

ब्लॉक की कई ग्राम पंचायतों में पेयजल संकट गहराया प्रशासन की अग्नि परीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/गोण्डा। जनपद गोण्डा के विकास खंड रूपईडीह में पेयजल व्यवस्था को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। जहां पर ग्रामीणों ने सोशल मीडिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विकास खंड रूपईडीह के 106 ग्राम पंचायतों में हर वर्ष हैंडपंप मरम्मत, पाइप बदलने और रिबोर कार्यों पर लगभग एक करोड़ रुपये खर्च किए जाने के दावों के बीच कई गांवों में आज भी लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। खराब पड़े हैंडपंप, दूषित पानी और वर्षों से लंबित रिबोर कार्य अब ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी बन चुके हैं। मामला तब चर्चा में आया जब कमडावा व भवानीपुर उपाध्याय, ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने सोशल मीडिया के माध्यम से गांव में वर्षों से खराब पड़े हैंडपंपों की शिकायत सार्वजनिक की। इसके बाद अन्य ग्राम पंचायतों से भी इसी तरह की शिकायतें सामने आने लगीं, जिससे पूरे ब्लॉक की पेयजल व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

कमडावा में वर्षों से बंद पड़े हैंडपंप

ग्रामीणों के अनुसार कमडावा ग्राम पंचायत में कई हैंडपंप आठ-आठ वर्षों से खराब पड़े

हैं। शिकायत में हनुमान मंदिर, आजाद बाबा के घर के सामने, शिवपति शुक्ला, फूलचंद्र तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी, सिद्धनाथ दुबे पुरवा, हनुमान यादव तथा रामलायक तिवारी के घरों के पास लगे हैंडपंप बंद बताए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय-समय पर मरम्मत और रिबोर कार्य कराए गए होते, तो इतनी बड़ी संख्या में नल वर्षों तक बंद नहीं रहते। इससे मरम्मत मद में खर्च की गई धनराशि और कार्यों की वास्तविकता पर संदेह गहरा रहा है।

कई ग्राम पंचायतों में एक जैसी स्थिति

ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या केवल कमडावा, भुलईडीह, भवानीयापुर उपाध्याय तक सीमित नहीं है। ग्राम पंचायत भटपुरवा बेलवाकर्रमडीह, भरियालाबेदपुर, टडवागुलाम, पडरी परासराय, अनेगी, पिपरा भोधर, तेदुवाचौखडिया, बीरपुर झलेहिया, फत्तेगढ़ ग्राम पंचायत सहित कई गांवों में हैंडपंप खराब पड़े हैं या रीबोर की जरूरत है।कई

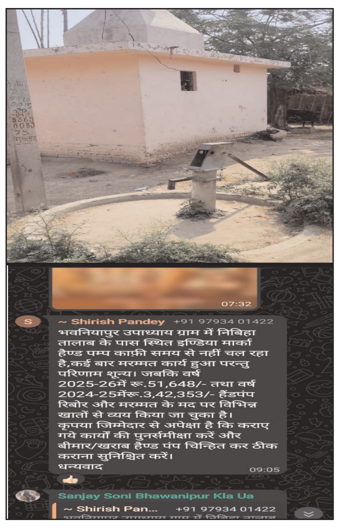

स्थानों पर पानी कम निकलने, गंदा पानी आने और पाइपलाइन खराब होने की भी शिकायतें हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया गया

परिषदीय विद्यालय में दूषित पानी पीने को मजबूर बच्चे

मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कई ग्राम पंचायतों के परिषदीय विद्यालयों और पंचायत परिसरों में लगे हैंडपंप दूषित पानी दे रहे हैं। मजबूरी में बच्चे वही पानी पीने को विवश हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पानी की गुणवत्ता की जांच नहीं हुई, तो बच्चों में जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। विद्यालयों में शुद्ध पेयजल व्यवस्था न होना शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा करता है, क्योंकि बच्चों के स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ सकता है।

गर्मी बढ़ने से बढ़ी मुश्किलें

भीषण गर्मी के बीच जलस्तर गिरने से हालात और गंभीर हो गए हैं। जिन गांवों में हैंडपंप खराब हैं, वहां लोगों को दूर-दराज के मोहल्लों या निजी साधनों से पानी लाना पड़ रहा है। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। कई गांवों में सुबह और शाम पानी भरने के लिए लंबी कतारें लगने की भी जानकारी सामने आई है।

करोड़ों खर्च, फिर भी राहत क्यों नहीं?

ग्रामीणों का कहना है कि जब 106 ग्राम पंचायतों में हर वर्ष लगभग एक करोड़ रुपये हैंडपंप मरम्मत और रिबोर पर खर्च किए जाते हैं, तो जमीनी स्तर पर हालात इतने खराब क्यों हैं। इससे भुगतान प्रक्रिया, कार्य की गुणवत्ता, तकनीकी परीक्षण और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि कार्य सही तरीके से हुए होते, तो हर साल एक ही समस्या दोबारा सामने नहीं आती। जांच की मांग तेज ग्रामीणों ने सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर मांग की है कि: ग्राम पंचायतों में खराब हैंडपंपों का भौतिक सत्यापन कराते हुए, मरम्मत व रिबोर कार्यों का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए जिससे कागजों में किए गए भुगतान की जांच हो सके तथा परिषदीय विद्यालयों में लगे हैण्ड पम्प से दूषित पानी देने वाले हैंडपंपों की तुरंत जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही तय की जाए।

अब प्रशासन कीअग्निपरीक्षा

मामला लगातार तूल पकड़ रहा है और अब लोगों की निगाहें प्रशासन पर टिक गई हैं। सवाल यह है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद पेयजल संकट कब दूर होगा, खराब पड़े हैंडपंप कब चालू होंगे और ग्रामीणों को शुद्ध पानी कब मिलेगा।

बिना डॉक्टर और कागजों के चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटर

● प्रशासन का डंडा, CMO ने जड़ा ताला

जिले में बिना मान्यता प्राप्त डॉक्टरों और अवैध रूप से चल रहे डायग्नोस्टिक सेंटरों को बख्शा नहीं जाएगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बुधवार को अवैध रूप से संचालित पैथोलॉजी केंद्रों के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार के नेतृत्व में नगर के बिसवां मार्ग स्थित 'सरल डायग्नोस्टिक एंड एवन अल्ट्रासाउंड सेंटर' पर औचक छापेमारी की गई, जहाँ नियमों की जमकर धज्जियां उड़ती मिलीं। जाँच के बाद सेंटर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। इस केंद्र पर तकनीशियन कर रहे थे अल्ट्रासाउंड, और फॉर्म 'एफ' भी नदारद मिले। छापेमारी के दौरान जो तथ्य सामने आए, वे चौंकाने वाले थे। सीएमओ ने बताया कि निरीक्षण के समय केंद्र पर 10 मरीजों के अल्ट्रासाउंड किए जा चुके थे, लेकिन किसी भी मरीज का अनिवार्य 'फॉर्म एफ' नहीं भरा गया था। नियमानुसार, अल्ट्रासाउंड से पहले यह फॉर्म भरना अनिवार्य होता है। इससे भी गंभीर बात यह रही कि मौके पर कोई भी अधिकृत रेडियोलॉजिस्ट या डॉक्टर मौजूद नहीं था। डॉक्टर की अनुपस्थिति में एक साधारण तकनीशियन द्वारा अल्ट्रासाउंड किए जा रहे थे, जो मरीजों की सेहत के साथ बड़ा खिलवाड़ है। अवैध रूप से संचालन और साक्ष्यों का अभाव जाँच के समय सेंटर संचालक प्रशासन को क्लीनिक के पंजीकरण या संचालन से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। बिना किसी कागजी औपचारिकता और विशेषज्ञ चिकित्सक के क्लीनिक चलता देख, सीएमओ ने नाराजगी जाहिर करते हुए उसे तुरंत बंद करने के आदेश दिए।

शिव जी की कृपा से आत्मबल होता है सुदृढ़, सेवा ही सच्ची भक्ति - मुकेश रस्तोगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली- जनपद में धार्मिक आस्था और समाजसेवा का अद्भुत संगम उस समय देखने को मिला, जब श्री मलिकेश्वर महादेव सेवा समिति द्वारा वरिष्ठ व्यापारी नेता मुकेश रस्तोगी को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए विधिवत सम्मानित किया गया। इस पावन अवसर पर उन्हें अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान प्रदान किया गया, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा। समारोह के दौरान व्यापारी नेता श्री रस्तोगी ने भगवान शिव की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि 'भोलेनाथ की कृपा से ही मनुष्य का आत्मबल सुदृढ़ होता है और जीवन में सेवा का मार्ग प्रशस्त होता है।' उन्होंने श्री मलिकेश्वर महादेव सेवा समिति के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है और आगे भी वे समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। मलिकेश्वर महादेव सेवा समिति, जो एक प्रतिष्ठित धार्मिक एवं सेवा भाव से ओतप्रोत संस्था है, निरंतर जनकल्याण, धार्मिक जागरूकता और सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही है। समिति के संरक्षक भौमेश कुमार, अध्यक्ष अनिल शर्मा, महासचिव सी.पी. श्रीवास्तव, सचिव अशोक त्रिपाठी सहित गिरीश पाण्डेय, जीवन लाल गुप्ता, दिनेश आचार्य, रज्जन लाल, पूनम गुप्ता, कामिनी पटेल, परशुराम मिश्र एवं जगदीश सिंह ने संयुक्त रूप से मुकेश रस्तोगी को सम्मानित करते हुए उन्हें समिति की सदस्यता भी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन मंदिर परिसर में अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। यहां विराजमान भगवान शिव की पवित्र शिवलिंग श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र है, जहां हर दिन भक्तगण जलाभिषेक, रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की कामना करते हैं। मंदिर का दिव्य, शांत और आध्यात्मिक वातावरण मन को अलौकिक शांति प्रदान करता है। मलिकेश्वर महादेव मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि यह सेवा, संस्कार और समर्पण का पावन धाम है, जहां धर्म और समाजसेवा का संगम निरंतर प्रवाहित होता है। यहां आयोजित होने वाले धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन एवं सेवा कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा, भाईचारा और आध्यात्मिक चेतना का संचार करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया गंगा एक्सप्रेसवें का किया उद्घाटन

● यूपी के सबसे बड़े ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट का काम 3.5 साल से कम समय में हुआ पूरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज,हरदोई,रायबरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज हरदोई से 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। यह यूपी के सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट में से एक है, जिसे 3.5 साल से भी कम समय में पूरा किया गया है। यह एक्सप्रेसवे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ को पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से जोड़ता है, जिससे राज्य के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। दशकों से पूर्वी उत्तर प्रदेश अपनी जनसंख्या और आर्थिक क्षमता के बावजूद अपेक्षाकृत कम विकसित रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे इस क्षेत्र की छिपी हुई आर्थिक क्षमता को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा। यह प्रोजेक्ट बेहतर पहुंच, दूरी में कमी और राज्य के विकास कॉरिडोर से मजबूत जुड़ाव के माध्यम से पूर्वी यूपी को नई आर्थिक दिशा देगी। गंगा एक्सप्रेसवे के शुरू होने से यात्रा समय करीब 11 घंटे से घटकर लगभग 6 घंटे रह जाएगा। इससे बिजनेस, लॉजिस्टिक्स, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और पर्यटन क्षेत्रों को व्यापक लाभ होगा। सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए इस एक्सप्रेसवे पर एआई-सक्षम कैमरा सिस्टम लगाए गए हैं, जो दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एडवांस अलर्ट करेंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत शाहजहांपुर जिले में 3.5 किमी लंबा इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी तैयार किया गया है, जिससे भारतीय वायुसेना के एयरक्राफ्ट को आपात स्थिति में लैंड कर सकेंगे और इस रणनीतिक कॉरिडोर की क्षमताएं और मजबूत होंगी। 12 जिलों से गुजरने वाला यह छह लेन का एक्सप्रेसवे, जिसे भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकता है, बाजारों, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा केंद्रों और पर्यटन स्थलों तक पहुंच को बेहतर बनाएगा। आम नागरिकों को जहां आवश्यक सेवाओं तक तेजी से पहुंच मिलेगी, वहीं व्यापार और उद्योगों को तेज कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। अदाणी रोड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड, जो अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (AEL) का रोड्स बिजनेस है, ने इस परियोजना में 464 किमी, यानी कुल एलाइनमेंट का लगभग 80% हिस्सा विकसित किया। निर्माण के समय में इश प्रोजेक्ट पर 12,000 से ज्यादा श्रमिक तैनात रहे। बाकि हिस्से का निर्माण आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ने बनाया है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, यह एक्सप्रेसवे

हर वर्ष 25,000-30,000 करोड़ की लॉजिस्टिक्स बचत करेगा, अगले एक दशक में लगभग 3 लाख रोजगार सृजित करेगा और राज्य के जीडीपी में ?1 लाख करोड़ से अधिक का योगदान देगा। इसके साथ ही, यह फ्रेट वेलोसिटी को बढ़ाने और कई क्षेत्रों में इन्वेंट्री होल्डिंग लागत को कम करने में मदद करेगा। यह ट्रंक कॉरिडोर कृषि उत्पादों और अन्य वस्तुओं की तेज आवाजाही सुनिश्चित कर व्यापार प्रवाह को मजबूत करेगा। किसानों और छोटे कारोबारियों को बेहतर बाजार पहुंच और बेहतर मूल्य प्राप्ति में सहायता मिलेगी। गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश की औद्योगिक और कृषि कनेक्टिविटी को मजबूती देने के साथ करीब 8 करोड़ से अधिक लोगों को को फायदा पहुंचाएगा। प्रयागराज और वाराणसी जैसे धार्मिक स्थलों तक पहुंच को भी बेहतर करेगा, जिससे आध्यात्मिक पर्यटन मजबूत होगा।

आईसीएसएसआर के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित

● शिक्षा और शोध ही देंगे देश की आर्थिक प्रगति को गति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा। के.सी.एम.टी. कॉलेज में आई0सी0एस0एस0आर0 के संयुक्त तत्वावधान में थो-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'भारत 2047' वैश्विक साझेदारी, आर्थिक विकास एवं नए भारत का उदय' रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ भी सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. प्रवीण कुमार तिवारी, विशिष्ट अतिथि बरेली कॉलेज की उप-प्राचार्या प्रो. वंदना शर्मा, विभाग प्रचारक आर.एस.एस. श्री कृष्णा जी, डॉ. स्वतंत्र कुमार, महाविद्यालय के चेयरमैन गिरधर गोपाल, प्रबंध निदेशक डॉ. विनय खंडेलवाल, महानिदेशक डॉ. अमरेश कुमार एवं प्राचार्य डॉ. आर.के. सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिगामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर महानिदेशक डॉ. अमरेश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। अपने उद्?बोधन में मुख्य अतिथि प्रो. प्रवीण कुमार तिवारी ने कहा कि विकसित भारत ञ्च2047 के लिए वैश्विक साझेदारी अत्यंत आवश्यक है तथा शिक्षा और शोध के माध्यम से आर्थिक प्रगति को गति दी जा सकती है। उप-प्राचार्या प्रो. वंदना शर्मा ने शिक्षा को नए भारत के निर्माण की आधारशिला बताते हुए नवाचार और गुणवत्ता पर बल दिया। विभाग प्रचारक श्री कृष्णा जी ने सांस्कृतिक मूल्यों और आधुनिक दृष्टिकोण के संतुलन को नए भारत की पहचान बताया, जबकि डॉ. स्वतंत्र कुमार ने आत्मनिर्भरता एवं नवाचार को आर्थिक विकास का आधार बताया। प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र में आयोजित

प्रथम तकनीकी सत्र में अध्यक्ष प्रो. अशुतोष प्रिय एवं सह-अध्यक्ष प्रो. सुबोध धवन के मार्गदर्शन में शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। प्रो. अशुतोष प्रिय ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध राष्ट्र के विकास की आधारशिला है तथा विद्यार्थियों को नवाचार की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, वहीं सह-अध्यक्ष प्रो. सुबोध धवन ने प्रतिभागियों को शोध की उपयोगिता और उसके व्यावहारिक पक्ष पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में दूसरे तकनीकी सत्र में अध्यक्ष सी0ए0 ईशिता विद्यार्थी की अध्यक्षता में विभिन्न महाविद्यालयों एवं शहरों से आए शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। अध्यक्ष सीए ईशिता विद्याथ ने शिक्षा एवं प्रबंधन के क्षेत्र में नवाचार को समय की आवश्यकता बताते हुए शोध को समाज से जोड़ने पर बल दिया व आर्थिक विकास में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए व्यावहारिक ज्ञान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. विनय खंडेलवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया । संचालन प्रवक्ता मुकुल गुप्ता ने किया। इस प्रकार यह कॉन्फ्रेंस ज्ञान, शोध और पैश्विक सहयोग के माध्यम से विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत करने में सफल रहा। कल कॉन्फ्रेंस के द्वितीय दिवस पर दो तकनीकी सत्र व समापन सत्र का आयोजन किया जाएगा।

दबंग स्टूडियो संचालक के हनक के सामने बेबस है गोपीगंज थाने कि पुलिस

● पत्रकार के साथ मारपीट और मोबाईल छीनने वाले के ऊपर 48 घंटे बीत जाने के बाद भी दर्ज नहीं हुआ मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। गोपीगंज के दबंग स्टूडियो संचालक के हनक के सामने बेबस हुई गोपीगंज थाने कि पुलिस ,पत्रकार के साथ मारपीट कर मोबाईल छीनने वाले के ऊपर 48 घंटे बीत जाने के बाद भी दर्ज नहीं हुआ मुकदमा जानकारी के मुताबिक बताते चले कि बीते दिन कल गोपीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत फाटक वाली गली से पीड़ित पत्रकार सरस राजपूत अपने बड़े भाई को दवा दिलाकर वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान फाटक वाली गली के पास कथित रूप से मनबढ़ स्टूडियो संचालक शुभम पाठक अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ बीच सड़क पर खड़े होकर हुल्लड़ बाजी करते हुए रास्ता रोक कर पत्रकार सरस राजपूत व उनके पत्रकार भाई के साथ मारपीट करते हुए मोबाईल फोन भी छीन लिया था वही मारपीट के दरमियान पत्रकार के हाथ और आंख में काफी गंभीर चोट आई थी लेकिन गोपीगंज थाने कि पुलिस पत्रकारों का मेडिकल उपचार कराने के बजाय उनको मारपीट के मामले में जॉच के लिए तीन से चार घंटे तक थाने से चौकी और चौकी से थाने के चक्कर लगवाए गए लेकिन ना तो पत्रकारों का पुलिस के द्वारा मेडिकल कराया

गया ना ही उनकी प्राथमिकी दर्ज कि गई अभी तक 48 घंटे बीत जाने के बाद भी गोपीगंज थाने कि पुलिस दबंग स्टूडियो संचालक शुभम पाठक के हनक के सामने बेबस नजर आ रही है अब सवाल यह उठता है आखिर क्या गोपीगंज पुलिस पत्रकारों के हत्या होने का इंतजार कर रही है वही कुछ समाजसेवियों का कहना है कि जो दबंग स्टूडियो संचालक शुभम पाठक भरे बाजार में पत्रकारों के साथ मारपीट करते हुए उनका मोबाईल छीन सकता है वह कुछ भी कर सकता है और तो और 48 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस अभी तक मुकदमा दर्ज करके दबंग स्टूडियो संचालक शुभम पाठक को गिरफ्तार नहीं कर पा रही जबकि गोपीगंज पुलिस को पता है कि शुभम पाठक का स्टूडियो कहां है और वह कहां मिलेगा फिर भी,वही पत्रकार संगठनों ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है यदि कार्यवाही नहीं हुई तो पत्रकार संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगी। क्योंकि भदोही जिले में भी अब पत्रकारों वीके साथ मारपीट के अनेक मामले हो चुके जिससे इन घटनाओं ने प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

संतुलित उर्वरक एवं जैविक खेती विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नैनी,प्रयागराज। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान द्वारा आज राष्ट्रीय उर्वरक जागरूकता अभियान के अंतर्गत 'संतुलित उर्वरक उपयोग एवं जैविक खेती' विषय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग, जैविक विकल्पों के महत्व तथा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण के वैज्ञानिक उपायों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागध्यक्ष डॉ. अनंत बहादुर , वरिष्ठ वैज्ञानिको, डॉ. प्रदीप करमाकर, हिरनम्य दास एवं वैज्ञानिक डॉ. सुजान मजूमदार उपस्थित रहे। साथ ही, कृषि विज्ञान केंद्र, प्रयागराज से डॉ. मुकेश मसीह, निमिषा नटराजन एवं . आर. पी. सिंह ने भी कार्यक्रम में सहभागिता कर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को जैविक खाद के उपयोग एवं उसके दीर्घकालिक लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में राज्य स्तर कृषि अधिकारी भी उपस्थित रहे डॉ. अनंत बहादुर ने संतुलित उर्वरक प्रयोग करने की आवश्यकता और उसके विभिन्न विकल्पों पर प्रकाश डाला।

इसके लिए हरी खाद, जैविक खाद, वर्मी कंपोस्ट इत्यादि तमाम जैविक आयामो के प्रयोग पर बल दिया। जैविक एवं प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पद्धति न केवल मृदा की उर्वरता को बनाए रखती है, बल्कि उत्पादन की गुणवत्ता भी बढ़ाती है। डॉ. सुजान मजूमदार किसानों को ट्राइकोडर्मा एवं सूक्ष्मजीव आधारित जैव उर्वरकों के उपयोग के विषय में जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया तथा बताया कि ये तकनीकें फसलों को रोगों से बचाने और उत्पादन बढ़ाने में सहायक हैं।

दीर्घकालिक लापरवाही से बढ़ रही शहरों की प्यास

भीषण गर्मी की लहरें अभी से रिकॉर्ड तोड़ रही हैं और देश के बड़े-बड़े शहरों में बिजली की मांग चरम पर पहुंच गई है। इसी के साथ जल संकट एक बार फिर सिर उठा रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और मुंबई जैसे महानगरों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। कई इलाकों में टैंकरों की लंबी कतारें लग रही हैं तथा पानी की आपूर्ति अनियमित हो गई है। दक्षिण भारत के अनेक जलाशयों में अप्रैल महीने में ही कुल भंडारण क्षमता का लगभग 47 से 50 प्रतिशत से भी कम पानी बचा है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तत्काल प्रभावी और दीर्घकालिक कदम नहीं उठाए गए तो वर्ष 2026 का ग्रीष्म कई शहरों के लिए 'डे जीरो' जैसी भयावह स्थिति पैदा कर सकता है। भारत विश्व के सबसे जल-तनावग्रस्त देशों में शामिल है। नीति आयोग और विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार देश की प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता लगातार घट रही है। शहरीकरण की तेज रफ्तार, जनसंख्या वृद्धि तथा कृषि क्षेत्र में भूजल का अत्यधिक दोहन मुख्य कारण हैं। केंद्रीय भूजल बोर्ड के हालिया आकलन के मुताबिक राष्ट्रीय स्तर पर भूजल निकासी लगभग 60 प्रतिशत है, जबकि कई राज्यों में यह 100 प्रतिशत से भी अधिक पहुंच चुका है। इस वर्ष की प्रारंभिक गर्मी ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। दिल्ली जैसे शहरों में भूजल अत्यधिक दोहन वाले क्षेत्रों में बोरवेल अब 300 फीट से भी अधिक गहराई तक जाने को मजबूर है। बेंगलुरु में हजारों बोरवेल सूख चुके हैं तथा कई क्षेत्र उच्च जल-तनाव वाले चिह्नित किए गए हैं। चेन्नई और हैदराबाद भी निरंतर संकट से जूझ रहे हैं। **कारण और प्रभाव-** इस संकट के पीछे कई गंभीर कारण हैं। अनियोजित शहरी विकास, वर्षा जल संचयन की कमी, तालाबों और झीलों का अतिक्रमण, अपशिष्ट जल का नाकाफी उपचार तथा भूजल का अंधाधुंध दोहन प्रमुख हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून की अनिश्चितता भी समस्या को बढ़ा रही है। शहरी क्षेत्रों में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट जल का मात्र 28 प्रतिशत ही उपचारित हो पाता है। शेष अनुपचारित जल नदियों, झीलों और भूजल को प्रदूषित कर रहा है। **पेय पदार्थ कंपनियों का जल दोहन-** संकट को और गंभीर बनाने में कोका कोला, पेप्सी तथा अन्य शीतल पेय और बोतलबंद पानी बनाने वाली बड़ी कंपनियों की भूमिका भी उल्लेखनीय है। इन कंपनियों के बॉटलिंग प्लांट भूजल का भारी मात्रा में उपयोग करते हैं। एक सामान्य शीतल पेय की बोतल बनाने में उत्पादन प्रक्रिया सहित सैकड़ों लीटर पानी खर्च होता है। कई क्षेत्रों में इन प्लांटों को भूजल के अत्यधिक दोहन के लिए दोषी ठहराया जाता रहा है। केरल के प्लाचीमाडा, राजस्थान के काला डेरा और उत्तर प्रदेश के मेहदीगंज जैसे स्थानों पर स्थानीय किसानों और निवासियों ने आरोप लगाए हैं कि इन कंपनियों के प्लांटों के कारण भूजल स्तर तेजी से गिरा है, जिससे कृषि प्रभावित हुई और गांवों में पीने के पानी की कमी बढ़ी। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने भी उत्तर प्रदेश में इन कंपनियों के कुछ प्लांटों पर भूजल दोहन के लिए करोड़ों रुपये का जुर्माना लगाया था। ये कंपनियां लाखों लीटर भूजल प्रतिदिन निकालती हैं जबकि आसपास के गांव टैंकर पानी पर निर्भर रहते हैं। यद्यपि कंपनियां जल संरक्षण और रिचार्ज परियोजनाओं का दावा करती हैं, लेकिन कई स्वतंत्र अध्ययनों और स्थानीय शिकायतों में इन प्रयासों को अपर्याप्त बताया जाता है। जब आम नागरिक पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हों, तब बड़े पैमाने पर शीतल पेय और बोतलबंद पानी का उत्पादन जल संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है। सामान्य नागरिकों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ रहा है। निम्न आय वर्ग के परिवार और झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोग महंगे तथा अक्सर दूषित टैंकर पानी पर निर्भर हो गए हैं। जलजनित बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। स्वास्थ्य जोखिम बढ़ रहे हैं। साथ ही अर्थव्यवस्था पर भी भारी बोझ पड़ रहा है। उद्योग, छोटे कारोबार और कृषि कार्य सभी प्रभावित हो रहे हैं। गर्मी, बिजली संकट और जल संकट अब एक-दूसरे से जुड़कर एक विकट चक्र बना रहे हैं। **नीतिगत चुनौतियां-** सरकारें हर वर्ष ग्रीष्म ऋतु से पहले कार्य योजना जारी करती हैं - टैंकरों की व्यवस्था, जल आपूर्ति बढ़ाने के प्रयास और जागरूकता अभियान। ये कदम सराहनीय हैं किंतु ये केवल लक्षणों का उपचार हैं, मूल समस्या का समाधान नहीं। अपशिष्ट जल उपचार की क्षमता अभी भी बहुत कम है। वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाने और पुराने जलाशयों के पुनरुद्धार पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शहरी स्थानीय निकायों की क्षमता सीमित है। भूजल दोहन पर सख्त नियंत्रण लागू करना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। पेय पदार्थ उद्योग पर भी सख्त नियमन की जरूरत है। उच्च जल-तनाव वाले क्षेत्रों में नए प्लांट स्थापित करने पर रोक तथा मौजूदा प्लांटों के जल उपयोग की स्वतंत्र निगरानी अनिवार्य होनी चाहिए। कृषि क्षेत्र में कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देने की नीति भी अभी अपर्याप्त है।

क्या किया जाना चाहिए?- यह संकट हमें याद दिलाता है कि सतत विकास जल सुरक्षा के बिना संभव नहीं है। तत्काल और दीर्घकालिक दोनों स्तरों पर कार्रवाई की आवश्यकता है:

- हर इमारत, कॉलोनी और औद्योगिक इकाई में वर्षा जल संचयन प्रणाली को अनिवार्य बनाना तथा इसके पालन के लिए पुरस्कार और दंड की स्पष्ट व्यवस्था करना।
- अपशिष्ट जल के उपचार और पुनः उपयोग को बढ़ावा देना, विशेषकर उद्योग, निर्माण और बागवानी जैसे गैर-पीने वाले कार्यों के लिए।
- भूजल दोहन पर सख्त निगरानी तथा रिचार्ज प्रणाली लागू करना। उच्च जल-तनाव वाले क्षेत्रों में पेय पदार्थ कंपनियों के भूजल उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाना और उनके जल उपयोग की वार्षिक स्वतंत्र ऑडिट अनिवार्य करना।
- शहरी नियोजन में झीलों, तालाबों और हरित क्षेत्रों का संरक्षण सुनिश्चित करना।
- जल बचत को जन-जागरूकता के माध्यम से संस्कृति का हिस्सा बनाना।

केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर एक मजबूत राष्ट्रीय जल सुरक्षा मिशन तैयार करना चाहिए, जिसमें बुनियादी ढांचे का विकास, स्थानीय स्तर के समाधान, डेटा आधारित निगरानी और जलवायु अनुकूलन सभी शामिल हों। पेय उद्योग को भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए जल-न्यूट्रल उत्पादन की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

निष्कर्ष: भीषण गर्मी, बिजली संकट और जल संकट अब एक साथ आ रहे हैं। ये अलग-अलग मुद्दे नहीं बल्कि जलवायु परिवर्तन और अनियोजित विकास की एक ही कहानी के विभिन्न पहलू हैं। जब बड़े उद्योग लाखों लीटर पानी का उपयोग कर रहे हों तो आम जनता की प्यास बुझाना और भी कठिन हो जाता है। यदि हम आज दूरदर्शी कदम नहीं उठाए तो कल का शहरी भारत विकास की राह पर ठिठक सकता है। हर बूंद कीमती है। पानी की बर्बादी रोकना हर नागरिक, उद्योग और सरकार की जिम्मेदारी है। समय अभी है। सतत और दूरदर्शी नीतियों के साथ-साथ सामूहिक प्रयास से ही हम इस बढ़ते संकट को नियंत्रित कर सकते हैं और एक जल-समृद्ध, सतत तथा मजबूत भारत का निर्माण कर सकते हैं।

राजीव शुक्ला

भारतीय लोकतंत्र में दल बदल की समस्या

भारतीय लोकतंत्र में दल बदल की समस्या लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता का प्रमुख कारण रही है, जिसने कई सरकारों को अल्पकालिक बना दिया और जनता के बीच राजनीति के प्रति अविश्वास बढ़ाया। इस समस्या को नियंत्रित करने के लिए 1985 में 52वें संविधान संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसमें स्वेच्छा से पार्टी छोड़ने या पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने पर विधायकों की अयोग्यता का प्रावधान किया गया। बाद में 2003 में 91वें संशोधन ने कानून को और मजबूत किया, जिसमें एक-तिहाई सदस्यों द्वारा पार्टी विभाजन की छूट को समाप्त कर दिया गया तथा दो-तिहाई सदस्यों के विलय की शर्त रखी गई, साथ ही अयोग्य ठहराए गए सदस्यों को मंत्रिपद से भी प्रतिबंधित किया गया। इन बदलावों का उद्देश्य राजनीतिक घोड़ेबाजी और अवसरवादी स्विचिंग को रोकना था, लेकिन व्यावहारिक रूप से कानून की कुछ कमजोरियां बनी रहीं।

हाल ही में आम आदमी पार्टी से सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में विलय ने इस समस्या को एक बार फिर उजागर कर दिया। इनमें से छह पंजाब से चुने गए थे और उन्होंने दो-तिहाई बहुमत का हवाला देते हुए विलय का दावा किया, जिससे एंटी-डिफेक्शन कानून की मर्जर छूट की कमजोरी स्पष्ट हुई। पार्टी ने इन सांसदों की अयोग्यता की मांग की है। लेकिन कानूनी प्रक्रिया में देरी और स्पीकर की भूमिका की विवादास्पदता ने फिर से सवाल खड़े कर दिए। ऐसे उदाहरण दिखाते हैं कि वर्तमान कानून बड़े पैमाने पर सामूहिक स्विचिंग को रोकने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाता। वर्तमान में भी कई राज्यों में इस्तीफे और पुनः चुनाव के जरिए प्रभावी रूप से दल बदल देखा जाता है, जिससे स्पीकर की भूमिका में पक्षपात की आशंका और निर्णयों में देरी की शिकायतें उभरती हैं। इससे संसदीय प्रक्रिया प्रभावित होती है और विधायक पार्टी आलाकमान के बजाय मतदाताओं के प्रति कम जवाबदेह बनते हैं। कानून की आलोचना मुख्य रूप से इस बात पर केंद्रित है कि यह विधायकों की स्वतंत्रता को सीमित कर लोकतंत्र की मूल भावना को कमजोर करता है, जबकि मूल कारण जैसे पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की कमी और चुनावी खर्च को नहीं छूता।

दुनिया के अन्य देशों से तुलना करें तो विकसित लोकतंत्रों में कानूनी सख्ती कम है। यूनाइटेड किंगडम, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में फ्लोर क्रॉसिंग कानूनी रूप से वैध मानी जाती है, जहां सांसद पार्टी बदल सकते हैं लेकिन जनता और मीडिया का दबाव उन्हें जवाबदेह बनाता है। इन देशों में सरकारों की स्थिरता मजबूत पार्टी संरचना और चुनावी प्रणाली के कारण बनी रहती है, न कि किसी सख्त कानून के कारण। जर्मनी में भी पार्टी अनुशासन पर जोर है, लेकिन विधायकों को कुछ मुद्दों पर फ्री वोट की छूट दी जाती है, जिससे बहस में विविधता बनी रहती है। वहीं, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में भी एंटी-डिफेक्शन प्रावधान हैं, लेकिन राजनीतिक दबाव और सैन्य हस्तक्षेप के कारण ये अक्सर प्रभावी नहीं हो पाते। इन तुलनाओं से पता चलता है कि कानूनी प्रतिबंध अकेले पर्याप्त नहीं होते; नैतिक संस्कृति, पारदर्शी फंडिंग और आंतरिक पार्टी लोकतंत्र भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

भारत में दल बदल को जड़ से समाप्त करने के लिए भविष्य की राह में कानून को और अधिक सशक्त बनाना आवश्यक है, ताकि कोई भी व्यक्ति पार्टी टिकट पर चुने जाने के बाद स्वेच्छा से न छोड़ सके और न ही टिकट के लालच में पार्टी बदल सके। एक प्रमुख सुधार यह हो सकता है कि स्पीकर की जगह एक स्वतंत्र ट्रिब्यूनल, जिसमें रिटायर्ड जजों की अध्यक्षता हो, अयोग्यता के मामलों का फैसला करे। साथ ही, निर्णय के लिए सख्त समयसीमा, जैसे तीन महीने, तय की जाए, जिसमें देरी होने पर स्वतः अयोग्यता मान ली जाए। व्हिप का दायरा सीमित किया जाए– केवल नो कॉन्फिडेंस मोशन, बजट या सरकार की स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर ही व्हिप लागू हो, अन्य मुद्दों पर विधायकों को अपनी अंतरात्मा के अनुसार वोट देने की स्वतंत्रता दी जाए।

मर्जर की छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए, क्योंकि यह अक्सर बड़े पैमाने पर दल बदल को वैध बनाने का माध्यम बन जाता है। अयोग्य ठहराए गए व्यक्ति को न केवल सदन से बाहर किया जाए, बल्कि छह साल तक किसी भी चुनाव में हिस्सा लेने से रोका जाए, ताकि अवसरवादी राजनीति हतोत्साहित हो। पार्टियों को आंतरिक चुनाव अनिवार्य बनाने और उन्हें आरटीआई के दायरे में लाने से भी पारदर्शिता बढ़ेगी, जिससे सदस्यों में पार्टी प्रति वफादारी स्वाभाविक रूप से विकसित होगी। चुनावी सुधारों के तहत राज्य वित्त पोषण की व्यवस्था लागू करने से उम्मीदवारों पर पार्टी टिकट की निर्भरता कम होगी और वे मतदाताओं के प्रति अधिक संवेदनशील बनेंगे।

इन बदलावों को लागू करने के लिए संसद को दसवीं अनुसूची में संशोधन करना होगा, जिसमें स्पीकर की भूमिका को पुनर्परिभाषित किया जाए और चुनाव आयोग को सलाहकार की हैसियत से शामिल किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों ने भी समयबद्ध प्रक्रिया और निष्पक्षता पर जोर दिया है, जो इन सुधारों की मजबूती बढ़ाते हैं। यदि हम इन कदमों को उठाते हैं, तो राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित होगी, नीति निर्माण निरंतर बनेगा और लोकतंत्र अधिक परिपक्व होगा।

भविष्य में दल बदल विरोधी कानून को केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि प्रोत्साहनात्मक बनाना होगा। पार्टियों में युवा नेतृत्व को बढ़ावा देकर, महिलाओं और वंचित वर्गों को अधिक प्रतिनिधित्व देकर तथा नैतिक कोड विकसित करके हम ऐसी राजनीतिक संस्कृति तैयार कर सकते हैं जहां दल बदल नैतिक रूप से अस्वीकार्य हो जाए। मीडिया और नागरिक समाज की सक्रिय भूमिका भी इसमें सहायक होगी। अंततः, सशक्त कानून के साथ-साथ मजबूत संस्थाओं और जागरूक मतदाताओं के माध्यम से ही हम एक स्थिर, जवाबदेह और सच्चे लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे, जहां चुने हुए प्रतिनिधि वास्तव में जनता की सेवा करें, न कि व्यक्तिगत लाभ की खोज में लगे रहें। यह दृष्टिकोण न केवल वर्तमान कमियों को दूर करेगा, बल्कि भारतीय लोकतंत्र को वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बना सकेगा, जहां कानून और नैतिकता का संतुलन राजनीतिक प्रक्रिया को मजबूत बनाएगा।

डॉ जगदीप सिंह

कुपोषित बचपन, कमजोर भविष्य और समाधान की दिशा

देश का भविष्य उसके बच्चे होते हैं, यह केवल भावनात्मक कथन नहीं बल्कि एक कठोर सामाजिक सत्य है। यदि यही भविष्य कुपोषण की गिरफ्त में हो, तो सशक्त राष्ट्र का सपना अधूरा ही रह जाता है। भारत में बाल कुपोषण आज एक गंभीर और बहुआयामी चुनौती के रूप में उभर रहा है। विभिन्न सरकारी और स्वतंत्र आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 34-35 लाख बच्चे कुपोषण से प्रभावित हैं, जिनमें करीब 50 प्रतिशत बच्चे गंभीर कुपोषण की श्रेणी में आते हैं। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं बल्कि सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न है। देश में हर वर्ष बाल दिवस जैसे आयोजनों पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय जैसी संस्थाएं सक्रिय हैं, फिर भी जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। यह विरोधाभास सोचने पर मजबूर करता है कि संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद उनका समुचित उपयोग क्यों नहीं हो पा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय मलेरिया, टीबी और अन्य संक्रामक रोगों पर अरबों रुपये खर्च करता है, जो आवश्यक भी है, परंतु बच्चों के पोषण जैसे मूलभूत मुद्दे पर उतनी ही गंभीरता और निरंतरता का अभाव स्पष्ट दिखता है। यदि देश के बच्चे ही शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर होंगे, तो वे भविष्य में राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका कैसे निभा पाएंगे। आंकड़े बताते हैं कि लगभग 18 लाख बच्चे गंभीर कुपोषण से पीड़ित हैं, जबकि शेष 16 लाख बच्चे मध्यम कुपोषण की स्थिति में हैं। राज्यों के स्तर पर देखें तो महाराष्ट्र में लगभग 6 लाख कुपोषित बच्चे दर्ज किए गए हैं, जिनमें 4.5 लाख से अधिक गंभीर रूप से प्रभावित हैं; बिहार में करीब 5 लाख, गुजरात में लगभग 3.5 लाख, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, असम और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में भी लाखों बच्चे कुपोषण की चपेट में हैं। यहां तक कि देश की राजधानी दिल्ली में भी करीब 2 लाख बच्चों का कुपोषित होना यह दर्शाता है कि समस्या केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि प्रबंधन और क्रियान्वयन की कमजोरी भी है। वैश्विक स्तर पर स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है, जब हम वैश्विक भूख सूचकांक की ओर देखते हैं, जहां 2021 में भारत 116 देशों में 101वें स्थान पर पहुंच गया, जबकि 2020 में यह 94वें स्थान पर था। इसका सीधा अर्थ है कि स्थिति में सुधार के बजाय गिरावट आई है, और भारत अपने पड़ोसी देशों जैसे बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और भूटान से भी पीछे खड़ा है इसके पीछे भारत की 141 करोड़ की जनसंख्या भी हो सकती है। कुपोषण का प्रभाव केवल तत्काल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह बच्चों के शारीरिक विकास, मानसिक क्षमता और भविष्य की उत्पादकता पर भी गहरा असर डालता है। आंकड़ों के अनुसार लगभग 34 प्रतिशत कुपोषित बच्चों का कद औसत से कम रह जाता है जबकि करीब 21 प्रतिशत बच्चों का वजन अत्यंत कम हो जाता है । ऐसे बच्चे बड़े होकर भी कई बीमारियों के प्रति संवेदनशील रहते हैं और उनकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है, जिससे देश की समग्र उत्पादकता और विकास दर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कोविड-19 महामारी ने इस समस्या को और गहरा कर दिया है, क्योंकि लॉकडाउन और आर्थिक संकट के कारण लाखों परिवारों की आय प्रभावित हुई, जिससे बच्चों के पोषण स्तर में गिरावट आई। आंगनबाड़ी सेवाओं, मिड-डे मील योजनाओं और अन्य पोषण कार्यक्रमों के बाधित होने से स्थिति और विकट हुई। यह समय है कि सरकारें और समाज दोनों मिलकर इस चुनौती का समाधान खोजें। केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन, निगरानी और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान देना होगा। आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाना, पोषण ट्रैकर जैसी तकनीकों का सही उपयोग करना, मातृ शिक्षा और जागरूकता बढ़ाना, स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना, और सबसे महत्वपूर्ण गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना,ये सभी कदम मिलकर ही कुपोषण के खिलाफ प्रभावी लड़ाई लड़ सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस दिशा में समन्वित प्रयासों पर जोर देता है, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और पोषण को एक साथ जोड़कर देखा जाए। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह इस दिशा में योगदान दे। यदि आज हम अपने बच्चों को स्वस्थ और पोषित नहीं बना पाए, तो आने वाला कल कमजोर और असंतुलित होगा। इसलिए आवश्यक है कि कुपोषण को एक राष्ट्रीय आपात समस्या के रूप में लिया जाए और मिशन मोड में ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि देश का भविष्य सुरक्षित, सशक्त और समृद्ध बन सके। संजीव ठाकुर

कविता

जैसे तू है कहीं आसपास
मेरे।

एहसास की नाजुकी पास
मेरे,
ऐसे कुछ लम्हे ही खास
मेरेद्य

नजरों की खुशबू,नम
एहसास,
जैसे तू है कहीं आसपास
मेरे।

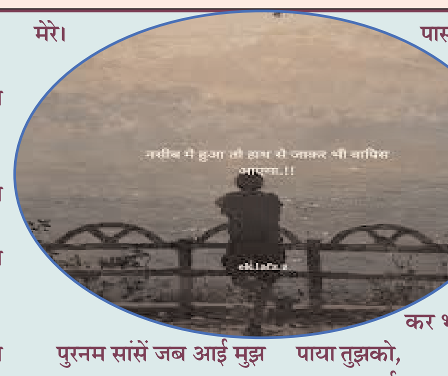

पुरनम सांसें जब आई मुझ
तक,
साथ नम ओंठों की नमी
पास मेरे।

जान
कर भी जान न
पाया तुझको,
न आई अधरों की
खामोशी रास मेरे।

जुल्फों में छुपकर सूरज
शर्मा गया,
आंखों की शराफत तेरी
पास मेरे।

तेरी ऐसी बेरुखी भी मुझसे
है गजब

झुठलानें आओ तो सही
पास मेरे।

संजीव ठाकुर

कविता

संजीव-नी।

कविता - दस्तावेज
और नियम..?

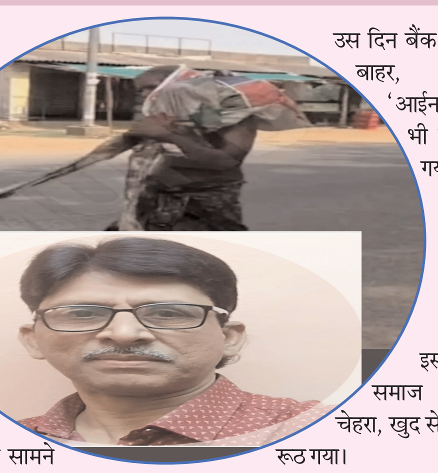

दस्तावेजों के
बिना, एक दिल
रोता खड़ा था,
रुपयों की
कीमत में रिश्ता
तोला जा रहा था।
बैंक दरवाज़े
सख्त, नियमों की
ऊँची दीवार,
सवाल 'सबूत' का और सामने
टूटा परिवार।

उस दिन बैंक के
बाहर,
'आईना'
भी टूट
गया,
इसमें
समाज का
चेहरा, खुद से ही
रूठ गया।

बहन की यादों का बोझ, भाई चला
अकेला,
कंधों पे सिर्फ़ 'ढांचा' नहीं, दर्द का पूरा
मेला।
कासे कहे अपनी मजबूरी, किसे सुनाए
हाल,
यूं इंसानियत हार गई जीत गया बस
सवाल।

क्या? कागज़ ही सच? दिल की क़ीमत
नहीं?
'रिश्ते' साबित करना पड़ें, इंसानियत हैं
कहीं?

चलो आज यह सोचें हम, 'नियम'
ज़रूरी सही,
पर इंसानियत से बढ़कर कोई भी सबूत
नहीं।
सख्त नियमों में शिथिलता की वकालत
करो,
आवश्यक है सबूत बस थोड़ा-सा धीरज
धरों।
(संदर्भ - बहन का कंकाल निकाल बैंक
पहुंचा भाई !)

संजय एम तराणेकर

संजीव ठाकुर

राजा रघुवंशी हत्याकांड प्रकरण और न्याय की चुनौतियां

राजा रघुवंशी का प्रकरण आधुनिक समय की उन सबसे हृदयविदारक घटनाओं में से एक है जिसने भारतीय समाज की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। यह मात्र एक आपराधिक घटना नहीं है बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं, अटूट विश्वास और विश्वासघात की पराकाष्ठा का एक ऐसा दस्तावेज है जो हमारी न्याय प्रणाली की सूक्ष्मताओं को भी कटघरे में खड़ा करता है। वर्ष 2025 में आरंभ हुई यह दुखद कथा 2026 में भी जनमानस के बीच गहन विमर्श का केंद्र बनी हुई है, विशेषकर उस समय जब इस संपूर्ण प्रकरण की मुख्य अभियुक्त को न्यायालय से सशर्त मुक्ति प्राप्त हुई है। इस घटना ने यह सिद्ध कर दिया है कि कभी-कभी वास्तविकता किसी भी काल्पनिक कथा से अधिक भयावह और विचलित करने वाली हो सकती है।

इस संपूर्ण घटनाक्रम की जड़ें इंदौर के एक सामान्य परिवार से जुड़ी हैं। इंदौर के निवासी राजा रघुवंशी का विवाह 11 मई 2025 को सोनम के साथ अत्यंत हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ था। परिवार के सदस्यों और मित्रों के अनुसार यह एक अत्यंत सुखी और सामान्य विवाह प्रतीत होता था, जिसमें किसी भी प्रकार के तनाव या विवाद की कोई सुगबुगाहट नहीं थी। विवाह के पश्चात के रीति-रिवाजों को पूर्ण करने के बाद, अपनी नई जीवन यात्रा को स्मरणीय बनाने के उद्देश्य से यह दंपति 20 मई 2025 के आसपास मेघालय की प्राकृतिक छटाओं का आनंद लेने के लिए प्रस्थान कर गया। उस समय किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि खुशियों की यह खोज एक भयानक त्रासदी में परिवर्तित होने वाली है।

मेघालय की वादियों में भ्रमण के दौरान 23 मई 2025 वह अंतिम तिथि थी जब राजा और सोनम को अंतिम बार एक साथ देखा गया था। इसके पश्चात अचानक उनका अपने परिवार से संपर्क विच्छेद हो गया। कई घंटों तक कोई सूचना न मिलने और संचार के सभी साधन बंद होने के कारण परिवार की चिंता बढ़ती गई। अंततः स्थानीय प्रशासन और पुलिस को इस संदर्भ में सूचित किया गया। इसके पश्चात एक व्यापक खोज अभियान का सूत्रपात हुआ जिसमें स्थानीय पुलिस बल के साथ-साथ आपदा प्रबंधन दल और अन्य जांच एजेंसियों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। कई दिनों की निरंतर खोज और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करने के पश्चात 2 जून 2025 को राजा का निष्प्राण शरीर एक अत्यंत गहरी खाई से बरामद किया गया। इस समाचार ने न केवल रघुवंशी परिवार को अपूर्णीय क्षति पहुँचाई बल्कि संपूर्ण देश में सनसनी फैला दी।

प्रारंभिक स्तर पर यह मामला एक रहस्यमय दुर्घटना प्रतीत हो रहा था क्योंकि राजा की पत्नी सोनम उस स्थान से लापता थी। पुलिस ने अपनी जांच की दिशा बदली और विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चलाया। अंततः 8 जून 2025 को पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली जब सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से बंदी बना लिया गया। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, वैसे-वैसे इस घटना के पीछे छिपे काले सत्यों की परतें खुलने लगीं। जांच अधिकारियों ने उद्भेदन किया कि राजा की मृत्यु कोई संयोग या दुर्घटना नहीं थी, अपितु यह एक अत्यंत सुव्यवस्थित और क्रूर षड्यंत्र का परिणाम थी। पुलिस के दावों के अनुसार, सोनम ने अपने कथित प्रेमी राज कुशवाहा और 3 अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इस जघन्य अपराध की रूपरेखा तैयार की थी।

जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि हत्या की इस वारदात को मेघालय के सोहरा क्षेत्र के अत्यंत दुर्गम और एकांत स्थान पर अंजाम दिया गया था। वहां अपराधी पूर्व से ही घात लगाकर बैठे थे। आरोप है कि सोनम सुनियोजित तरीके से राजा को उस एकांत स्थान पर ले गई, जहां पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार हमलावरों ने उस

पर प्रहार किया और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से उसके शरीर को खाई में फेंक दिया। यह विवरण किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित करने के लिए पर्याप्त था क्योंकि यह उस पवित्र बंधन के विरुद्ध था जिसमें दो व्यक्ति एक-दूसरे की सुरक्षा का वचन लेते हैं।

आरक्षी विभाग ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए साक्ष्यों का संकलन किया और सितंबर 2025 में न्यायालय के समक्ष लगभग 790 पृष्ठों का एक विशाल आरोप पत्र प्रस्तुत किया। इस दस्तावेज में सोनम, राज कुशवाहा और अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध वैज्ञानिक साक्ष्य, परिस्थितिजन्य प्रमाण और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों को विस्तृत रूप से सम्मिलित किया गया था। इस आरोप पत्र की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट था कि यह मामला कानूनी रूप से अत्यंत सुदृढ़ है। इस अवधि के दौरान अभियुक्तों की ओर से कई बार जमानत के लिए आवेदन किया गया, परंतु अपराध की प्रकृति और साक्ष्यों की प्रबलता को देखते हुए आरंभिक 3 प्रयासों में सोनम को कोई राहत नहीं मिली। वह लगभग 10 महीनों तक न्यायिक अभिरक्षा में जेल की सलाखों के पीछे रही।

वर्ष 2026 के अप्रैल माह में इस प्रकरण ने एक अप्रत्याशित मोड़ लिया। शिलांग की एक अदालत ने सोनम की जमानत याचिका पर विचार करते हुए उसे मुक्त करने का आदेश दिया। न्यायालय ने अपने निर्णय में जांच प्रक्रिया में व्याप्त कुछ गंभीर विसंगतियों और तकनीकी त्रुटियों को आधार बनाया। न्यायालय का यह प्रेक्षण था कि गिरफ्तारी के समय अभियुक्त को उसके अधिकारों और आरोपों की जानकारी उस प्रकार नहीं दी गई जैसा कि विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया में अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, दस्तावेजों के रख-रखाव में भी कुछ प्रक्रियात्मक कमियां पाई गईं। न्यायालय ने इस बात पर भी बल दिया कि बिना किसी अंतिम निर्णय के किसी व्यक्ति को अनिश्चितकाल तक कारावास में रखना मानवाधिकारों के दृष्टिकोण से उचित नहीं है, विशेषकर तब जब मुकदमे की कार्यवाही की गति धीमी हो।

यद्यपि न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि जमानत प्रदान करने का अर्थ अभियुक्त को निर्दोष घोषित करना नहीं है, फिर भी इस निर्णय ने एक नई बहस को जन्म दे दिया। राजा रघुवंशी के वृद्ध माता-पिता और परिजनों के लिए यह आदेश किसी वज्रपात से कम नहीं था। उनका तर्क है कि जिस महिला पर उनके पुत्र की हत्या का इतना गंभीर आरोप है और जिसके विरुद्ध पुलिस ने 790 पृष्ठों के साक्ष्य जुटाए हैं, उसे केवल तकनीकी त्रुटियों के आधार पर राहत मिलना न्याय की अवधारणा के विपरीत है। परिवार ने अब इस निर्णय को उच्च न्यायालय में चुनौती देने का संकल्प लिया है और वे न्याय के लिए निरंतर संघर्षरत हैं।

यह प्रकरण समाज के सम्मुख कई गंभीर प्रश्न प्रस्तुत करता है। यह व्यक्तिगत संबंधों में बढ़ती असुरक्षा और स्वार्थपरता को उजागर करता है। यह घटना दर्शाती है कि किस प्रकार आधुनिक जीवनशैली और अनैतिक आकांक्षाएं व्यक्ति को इतने बड़े अपराध की ओर धकेल सकती हैं। साथ ही, यह मामला हमारी जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी उंगली उठाता है। यदि पुलिस ने जांच और गिरफ्तारी के समय स्थापित नियमों का पूर्णतः पालन किया होता, तो शायद आज अभियुक्त को तकनीकी आधार पर जमानत न मिलती। यह प्रकरण यह भी सिखाता है कि न्याय केवल भावना से नहीं बल्कि ठोस तथ्यों और सही कानूनी प्रक्रिया से प्राप्त होता है।

इस मामले में संचार माध्यमों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। वर्ष 2025 से ही इस घटना को निरंतर प्रसारित किया गया जिससे यह एक राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन गया। किंतु कई बार अत्यधिक प्रचार के कारण वास्तविक विधिक तथ्य गौण हो जाते हैं और भावनात्मक पक्ष अधिक प्रभावी हो जाता है। सामाजिक स्तर पर यह घटना एक चेतावनी की भांति है जो यह बताती है कि विवाह जैसे निर्णय अत्यंत सोच-विचार कर लिए जाने चाहिए और समाज में बढ़ते अपराधों के प्रति सतर्कता अनिवार्य है।

वर्तमान में 2026 का समय इस प्रकरण के लिए अत्यंत निर्णायक है। यद्यपि मुख्य अभियुक्त कारागार से बाहर है, किंतु कानूनी संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। न्यायालय में गवाहों की गवाही और साक्ष्यों का परीक्षण निरंतर जारी रहेगा। समाज की दृष्टि अब उच्च न्यायालय और ट्रायल कोर्ट के अंतिम निर्णय पर टिकी है। राजा रघुवंशी के परिवार को अभी भी विश्वास है कि अंततः सत्य की विजय होगी और उनके पुत्र के हत्यारों को उनके कृत्य का दंड अवश्य मिलेगा। यह कहानी एक दुखद सत्य के साथ समाप्त नहीं होती, बल्कि यह न्याय की उस लंबी और कठिन डगर का प्रतीक बन गई है जिस पर आज भी भारत का एक साधारण परिवार न्याय की आस में चल रहा है।

- महेन्द्र तिवारी

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

6 मई को लगेगा दिव्यांगजन मोबाइल कोर्ट

देवरिया। दिव्यांगजनों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए 6 मई को जनपद में मोबाइल कोर्ट लगाया जाएगा। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रियंका चौधरी ने बताया कि राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन उत्तर प्रदेश के निर्देशन में यह आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के तहत ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों के दिव्यांगजनों को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यह पहल की जा रही है। मोबाइल कोर्ट 6 मई को सुबह 10 बजे से विकास भवन स्थित गांधी सभागार में आयोजित होगा, जहां दिव्यांगजन अपनी समस्याएं प्रस्तुत कर सकेंगे।

यातायात पुलिस का अभियान, 75 वाहनों का चालान

देवरिया। शहर में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए बुधवार को यातायात पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में यातायात प्रभारी गुलाब सिंह के नेतृत्व में बस स्टैंड, सुभाष चौक और गोरखपुर ओवरब्रिज समेत कई स्थानों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान सड़क किनारे खड़े होकर सवारी भरने वाले बस, ऑटो और ई-रिक्शा के साथ ही बिना ड्राइविंग लाइसेंस और फिटनेस के चल रहे वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान और सीज की कार्रवाई की गई। राघव नगर क्षेत्र में नो-पार्किंग में खड़े वाहनों पर भी सख्ती बरती गई। इस दौरान कुल 75 वाहनों का ई-चालान किया गया, जबकि छह वाहनों को सीज कर दिया गया। यातायात पुलिस ने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह अभियान जारी रहेगा, ताकि सड़क हादसों को रोका जा सके।

डीएम ने ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा जांची

देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का बाह्य निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और रखरखाव को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने फायर सेफ्टी, गार्ड व्यवस्था, डबल लॉक सिस्टम और सीलन आदि की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहे और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। उन्होंने यह भी कहा कि गार्ड हमेशा सतर्क रहें और अग्निशमन उपकरण पूरी तरह क्रियाशील अवस्था में हों। इस दौरान प्रशासनिक व निर्वाचन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अपर पुलिस महानिदेशक से ढाबा संचालक ने लगाई न्याय की गुहार

सहजनवा थाना क्षेत्र के वार्ड 14 लूचूई निवासी शिव जायसवाल पुत्र भगवानदास जायसवाल को जो गीडा सेक्टर 22 में जायसवाल नाम से ढाबा का संचालन करते है। 23 अप्रैल को शाम 4 बजे वह ढाबा पर बैठे हुई थे। उसी दौरान पड़ोस गांव का रहने वाला अजय साहनी उर्फ संजीत आया। उसके पास पीड़ित का 15 सौ रुपया बकाया था। जब ढाबा संचालक ने उधार का रुपया मांगा तो वह गाली गुप्ता देने लगा। और अपने सहयोगी अमित साहनी, अमर साहनी, समीर साहनी, सुनील साहनी को दुकान पर बुला लिया। और सभी मिलकर लाठी डंडे से मारपीट कर गंभीर कर दिए। जिससे बेहोश हो गया था। बचाव करने आए कृष्णा पटवा पुत्र स्व दिलीप पटवा को भी मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिए। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। शेष आरोपी खुले धूम रहे है। पीड़ित ने अपर पुलिस महानिदेशक को शिकायत कर सभी आरोपियों के खिलाफ कारवाई कराने की मांग किया है। इस संदर्भ में चौकी इंचार्ज संतोष सिंह ने कहा कि दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। शेष आरोपियों को वीडियो के आधार पर चिन्हित कर कारवाई की जायेगी।

गोरखपुरः 1239 नए आरक्षियों को मिली जिम्मेदारी की सीख, संवेदनशील पुलिसिंग पर जोर

● गोरखपुर में भव्य कार्यशाला, वरिष्ठ अधिकारियों ने दी कर्तव्यनिष्ठा और जनविश्वास की सीख

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जनपद पुलिस में हाल ही में शामिल हुए 1239 महिला एवं पुरुष आरक्षियों के लिए बाबा गम्भीर नाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यशाला ने पुलिसिंग के मूल मंत्र को स्पष्ट रूप से सामने रखा– 'वर्दी अधिकार नहीं, जिम्मेदारी है।' इस व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य नवआरक्षियों को एक सक्षम, सजग और संवेदनशील पुलिसकर्मी के रूप में तैयार करना रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक नॉर्थ ज्ञानेंद्र, पुलिस अधीक्षक सिटी निमिष पाटिल, सहायक पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार एस एवं सहायक पुलिस अधीक्षक दिनेश गोदारा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने अपने अनुभव साझा करते हुए नवआरक्षियों को व्यवहारिक पुलिसिंग के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया।

एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने आरक्षियों को संवेदनशीलता, धैर्य और निष्पक्षता के साथ कार्य करने की सीख दी। वहीं एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र ने कहा कि पुलिस व्यवस्था की मजबूती हर आरक्षी की भूमिका पर निर्भर करती है। उन्होंने बीट क्षेत्र की गहन जानकारी रखने और स्थानीय समस्याओं को समझने पर विशेष जोर दिया।

एसपी सिटी निमिष पाटिल ने व्यावहारिक पुलिसिंग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि छोटी घटनाएं भी समय रहते नहीं संभाली गई तो बड़े विवाद का रूप ले सकती हैं। उन्होंने मौके पर त्वरित निर्णय क्षमता को पुलिसकर्मी की सबसे बड़ी ताकत बताया। सहायक पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार एस ने फील्ड में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत रहने की सलाह दी, जबकि एएसपी दिनेश गोदारा

ने कानून की सटीक जानकारी को प्रभावी पुलिसिंग की आधारशिला बताया।

कार्यशाला के दौरान कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, बीट पुलिसिंग, आपातकालीन प्रतिक्रिया, साइबर अपराध की रोकथाम और तकनीकी संसाधनों के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने दोहराया कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज सेवा का सशक्त माध्यम है। विश्वास जताया गया कि सभी नए आरक्षी ईमानदारी, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे और जनपद में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाएंगे।

बाढ़ तैयारियों में लापरवाही पर होगी कार्रवाईः डीएम

देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन के गांधी सभागार में बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक आयोजित हुई। बैठक में बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते हुए डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने तटबंधों की निगरानी, रेनकट व कमजोर स्थानों की मरम्मत तथा बाढ़ परियोजनाओं को समय से पहले पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही बोल्डर, जियोबैग, नाव, गोताखोर व राहत सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने राहत शिविरों की पहचान कर उन्हें सक्रिय रखने, बाढ़ नियंत्रण कक्षों में कर्मियों की ड्यूटी लगाने तथा पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और पशुओं के चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने बाढ़ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों की जानकारी दी। बैठक में अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

खजनी में बेकाबू ट्रैक्टरों का आतंकः 15 वर्षीय किशोर को रौंदा

● हालत गंभीर ,अवैध खनन, अनट्रेंड चालक और प्रशासनिक लापरवाही से क्षेत्र में बढ़ रहे हादसे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी/गोरखपुर के खजनी क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉली और डंपरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। कृषि कार्य के लिए पंजीकृत ट्रैक्टरों का इस्तेमाल खुलेआम खनन में किया जा रहा है, और इन्हें अनट्रेंड व नाबालिग चालकों से चलवाकर मालिक अपनी जेब गर्म कर रहे हैं। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि आम लोगों का सड़कों पर चलना तक मुश्किल हो गया है। ताजा मामला बुधवार सुबह करीब 8 बजे डोडो-सहिदाबाद मार्ग का है, जहां एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने 15 वर्षीय किशोर दक्ष विजय नाथ (पुत्र चन्द्र विजय, निवासी सहिदाबाद) को कुचल दिया। हादसे में किशोर के सिर में गंभीर चोट आई है। परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां वह जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है।

हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली मौके पर छोड़कर फरार हो गया। आरोप है कि पुलिस के समय पर न पहुंचने का फायदा उठाकर ट्रैक्टर मालिक वाहन को मौके से हटाकर अपने घर ले गया। इससे कार्रवाई पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के

अनुसार, खजनी क्षेत्र के कटघर-बिगही मार्ग, डोडो-सहिदाबाद मार्ग और सतुआभार-नैपुरा मार्ग पर दिन-रात अवैध मिट्टी खनन का खेल चल रहा है। तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली और डंपर न सिर्फ नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, बल्कि तेज ध्वनि में अश्लील गीत बजाकर सड़क पर दहशत फैलाते हैं। कई चालक नशे की हालत में वाहन चलाते देखे गए हैं, जो हादसों की बड़ी वजह बन रहा है। सड़क किनारे रहने वाले लोग धूल और प्रदूषण से त्रस्त हैं। बच्चों और बुजुर्गों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी आंखों पर पट्टी बांधे बैठा है। क्षेत्रीय जनता की मांग है कि अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए, अनट्रेंड चालकों पर सख्त कार्रवाई हो और दोषी ट्रैक्टर मालिकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों को रोका जा सके।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर, देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में विकास भवन के गांधी सभागार में बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बाढ़ पूर्व तैयारियों के एक-एक बिंदुओं की गहन समीक्षा की गयी तथा तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूर्व में ही सुनिश्चित किये जाने के कड़े निर्देश दिए गए। साथ ही उन्होंने इस कार्य में किसी भी लापरवाही के लिए चेताते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर कोई कमी पायी जायेगी तो जिम्मेदारी तय करते हुए कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ तटबंधों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने के साथ ही रेनकट व बंधों में शाही होल आदि को चिन्हित कर प्राथमिकता के साथ उसे ठीक कर लिये जाये। बाढ़ नियंत्रण से जुड़े नई कार्य परियोजनाओं का कार्य प्रत्येक दशा में निर्धारित समय के पूर्व ही उसे पूर्ण कर लिया जाये। आवश्यकता अनुरूप बोल्डर, जियोबैग एवं अन्य आवश्यक जरूरी सामानों की उपलब्धता भी रखे जाने का निर्देश अधिशासी अभियंता बाढ़ को उन्होंने दिए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि उप जिलाधिकारी अपने क्षेत्र के तटबंधों व संवेदनशील स्थलों का भी निरीक्षण कर लें। आपदा राहत से जुड़े आवश्यक सामानों की टेंडर प्रक्रिया भी

समयपूर्व ही पूर्ण कर लिये जाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि राहत शिविरों को भी चिन्हित कर लिये जाये तथा बाढ़ नियंत्रण कक्षों को अभी से ही सक्रिय रखा जाये तथा कर्मियों की ड्यूटी लगा दी जाये। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने बाढ़ के समय तटबंधों की सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक पहलुओं पर पुलिस विभाग से संबंधित तैयारियों से अवगत कराया।

अधिशासी अभियंता बाढ़ राधे श्याम प्रसाद ने बताया कि जनपद में 12 नई बाढ़ निरोधी कार्य परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है, जिसे 15 जून 2026 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। जनपद में कुल 40 तटबंध हैं, जिनकी लंबाई 241.048 किलोमीटर है। इसके अलावा 56 ड्रेन लंबाई 734.78 किलोमीटर, 27 रेगुलेटर हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सहित बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप से जुड़े अन्य अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

आंधी के साथ झमाझम बारिश, सुहावना हुआ मौसम

रूद्रपुर, देवरिया। बुधवार को जनपद के अनेक क्षेत्रों में सायंकाल आंधी के साथ झमाझम बरसात हुई। जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम सुहाना हो गया। धूल भरी आंधी के बाद हुई बरसात से मिट्टी बैठ गई और बरसात होते ही मिट्टी की सोंधी खुशबू से पूरा वातावरण महक उठा। हालांकि शादी ब्याह के मौसम में लोगों को दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा। लोगों के घरों पर लगे टेन्ट उखड़ गए जिससे समारोह की व्यवस्था में खलल पड़ा। बुधवार को सुबह से ही मौसम में तब्दीली महसूस की गई। शाम 5 बजे आंधी और बारिश से मौसम सुहावना हुआ। हालांकि तेज हवा के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली बाधित रही किंतु लोगों को धूल धक्कड़ व गर्मी से राहत महसूस हुई। आंधी के साथ काले बादलों व धूल की गर्द के कारण शाम 5 बजे ही अंधेरा छा गया। लोग घरों में दुबक गए और सड़कें सूनी हो गईं।

ग़ोलाः-दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप लूट का खुलासा

● पुलिस मुठभेड़ में दोनों आरोपी गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुरः जिले में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में हुई सनसनीखेज लूट की वारदात का पुलिस ने महज कुछ ही दिनों में खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। बुधवार सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दोनों आरोपी घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिए गए। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सहारनपुर के देवबंद निवासी मेहदी और रहमान के रूप में हुई है। मुठभेड़ के दौरान दोनों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से लूटे गए सोने के जेवरात भी बरामद कर लिए गए हैं। यह कार्रवाई उस वक्त हुई जब पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली और घेराबंदी के दौरान बदमाशों ने भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

दरअसल, यह पूरी घटना गोला थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 स्थित 'देवांश स्वर्णकला केंद्र' की है, जहां सोमवार को दिनदहाड़े लूट की वारदात हुई थी। दुकान मालिक राकेश वर्मा अपनी बड़ी बेटी की 29 अप्रैल को होने वाली सगाई का निमंत्रण देने बाहर गए थे। दुकान पर उनकी छोटी बेटी अमृता वर्मा मौजूद थीं। दोपहर करीब 2:20 बजे दो युवक ग्राहक बनकर दुकान में दाखिल हुए और गहने दिखाने के बहाने मौका तलाशने लगे। इसी दौरान एक बदमाश ने अचानक करीब 20 ग्राम के 4-5 जोड़ी सोने के कान के झाले झपट्टा मारकर उठा लिए और बाहर की ओर भागने लगा।

अमृता वर्मा ने बहादुरी का परिचय देते हुए तुरंत शोर मचाया और बदमाश के पीछे दौड़ पड़ीं। उन्होंने एक आरोपी को पकड़कर गिरा भी दिया, लेकिन वह किसी तरह छूटकर फरार हो गया। इस दौरान अमृता के

हाथ में चोट भी आई। घटना का पूरा दृश्य दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जांच में सामने आया कि दूसरा आरोपी पास ही सराया सब्जी मंडी के पास बाइक लेकर खड़ा था, जिससे दोनों फरार हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुकदमा दर्ज कर टीमों का गठन किया और लगातार दबिश दी। आखिरकार बुधवार सुबह पुलिस की मुस्तैदी रंग लाई और मुठभेड़ के बाद दोनों आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए। इस सफलता से जहां व्यापारियों ने राहत की सांस ली है, वहीं पुलिस की सक्रियता की सराहना भी हो रही है।

उनवल मण्डल में महिला जन आक्रोश पदयात्रा, आंधी-पानी में भी डटी रहीं महिलाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ख़जनी गोरखपुर के उनवल क्षेत्र में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) के उनवल मण्डल द्वारा महिला जन आक्रोश पदयात्रा का आयोजन किया गया। मण्डल मंत्री विजय कांति शर्मा और कुमारी प्रियंका साहनी के नेतृत्व में निकली इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला अधिकारों और महिला आरक्षण के समर्थन में आयोजित इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि तेज आंधी और बारिश के बावजूद महिलाएं पूरे जोश के साथ पदयात्रा में डटी रहीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहजनवा विधायक प्रदीप शुक्ला उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के उद्देश्य से महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किया है।

उन्होंने विपक्ष, विशेषकर Indian National Congress, पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने हमेशा महिलाओं के अधिकारों में बाधा डालने का काम किया है। वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद उन्होंने महिला आरक्षण को केवल राजनीतिक मुद्दा बनाकर रखा।

कार्यक्रम के संयोजक महेश कुमार दुबे ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, जबकि मण्डल अध्यक्ष इन्द्र कुमार निगम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अंत में आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष गीतांजलि श्रीवास्तव, जिला महामंत्री उमाशंकर निषाद, जिला मंत्री मनोज सिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा प्रेम बालिका प्रजापति, कुन्ती देवी, मीना साहनी, अनीता प्रजापति, पूनम, सुमित्रा यादव, इंद्रावती, रेखा देवी, शीला, शांति शर्मा समेत सैकड़ों महिलाओं की भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल बनाया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की उपस्थिति ने इस पदयात्रा को एक प्रभावशाली जनसंदेश के रूप में स्थापित किया।

बदहाली का आंसू रो रहा पिपरहिया का सामुदायिक शौचालय

● बंद दरवाजे देख ग्रामीणों में भारी आक्रोश, सफाई व्यवस्था भी हुआ बलहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को ओडीएफ बनाने के दावे जमीनी स्तर पर खोखले साबित हो रहे हैं। नौतनवां ब्लॉक के ग्राम पंचायत पिपरहिया में लाखों रुपये की लागत से बना सामुदायिक शौचालय विभागीय उदासीनता और जिम्मेदारों की लापरवाही की भेंट चढ़ गया है। शौचालय में ताला बंद रहने के कारण ग्रामीणों को आज भी शौच के लिए खेतों की राह पकड़नी पड़ रही है, जिससे शासन की महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत मिशन योजना विफल नजर आ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि शौचालय परिसर में गंदगी का अंबार लगा रहता है, जिससे निकलने वाली दुर्गंध ने आस-पास के लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। भवन की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि दीवारों से प्लास्टर गिर रहा है और देख-रेख के अभाव में पेंट भी पूरी तरह उतर चुका है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस शौचालय के रखरखाव के लिए मां समय माता महिला स्वयं सहायता समूह को शासन द्वारा प्रति माह छह हजार रुपये मानदेय और तीन हजार रुपये मरम्मत कार्य के लिए दिए जाते हैं। लेकिन धरातल पर सफाई व्यवस्था शून्य है। ग्रामीणों ने इस अव्यवस्था के खिलाफ गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए उच्चाधिकारियों से जांच की मांग की है। इस प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए एडीओ पंचायत रामकृष्ण प्रसाद ने बताया कि सामुदायिक शौचालय का बंद रहना और वहां व्याप्त गंदगी गंभीर लापरवाही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कर संबंधित समूह और जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

महरौनी में महाराणा प्रताप जयंती पर होगा प्रतिमा अनावरण

महरौनी। वीरता और स्वाभिमान के प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती के पावन अवसर पर महरौनी नगर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। नगर पंचायत महरौनी के तत्वाधान में आगामी 9 मई को बानपुर चौराहे पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा का विधि-विधान से अनावरण किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्षा नीलम दुष्यंत बड़ोनिया, अधिशाषी अभियंता साक्षी साहू, समस्त नगर पंचायत पार्षदगण, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं नगर के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। नगर पंचायत द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम न केवल वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के अदम्य साहस और त्याग को नमन करेगा, बल्कि नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश भी देगा।

ट्रेलर के ठोकर से वाइक सवार पिता-पुत्री घायल,वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के लक्ष्मनपुर की घटना

बस्ती। बस्ती जिले के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बस्ती डुमरियागंज मार्ग के लक्ष्मनपुर में ट्रेलर के ठोकर से बाइक सवार पिता पुत्री घायल हो गयेथाना क्षेत्र के घोड़ा रेहरा गॉव निवासी अरविन्द दुबे पुत्र शिव पूजन दुबे 60 वर्ष, पुत्री 'योति 25 व अनुष्का 20 वर्ष के साथ बैड़वा समय माता मंदिर से दर्शन कर वापस घर लौट रहें थे। अभी ये लक्ष्मनपुर के पास पहुँचे ही थे कि एक ट्रेलर ने पीछे से ठोकर मार दिया। जिसमें अरविन्द दुबे को गंभीर चोटे आई है, वहीं बेटियों में 'योति व अनुष्का को हल्की चोटे आई है। सभी घायलों को 108 की मदद से जिला अस्पताल बस्ती भिंजवाया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। एक की हालत गंभीर बनी हुई है डुमरियागंज मार्ग पर टेलर की स्पीड से आए दिन हो रही है दुर्घटनाएं इस पर कंट्रोल नहीं किया जाएगा तो आने वाले दिन में बहुत खतरनाक हो जाए इस रोड से 50 गाड़ियां रोज निकलती है भारी वाहन के चलते रोड की स्थिति दयनीय हो गई लेकिन कोई पुलिस प्रशासन या परिणाम विभाग जय जनप्रतिनिधि नहीं ध्यान दे रहे आएदिन दुर्घटनाएं हो रही है।

भालू कोनी घाट पर प्रस्तावित पुल निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम हुआ संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर गोण्डाः विधानसभा गौरा अंतर्गत कुआनो नदी पर भालू कोनी घाट पर प्रस्तावित पुल निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक प्रभात कुमार वर्मा , सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल तथा पूर्व विधायक राघवेंद्र सिंह उपस्थित रहे।सभी अतिथियों ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। यह पुल जनपद सिद्धार्थनगर एवं जनपद गोंडा को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण पुल होगा। पुल के निर्माण से क्षेत्र के लगभग 30,000 लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा प्राप्त होगी।उल्लेखनीय है कि इस पुल के निर्माण की मांग क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे समय से की जा रही थी। लगभग 17 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह पुल क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि कमलेश पांडेय, उपपरियोजना प्रबंधक सेतु निगम बस्ती कमलेश त्रिपाठी, सहायक अभियंता सेतु अशोक तिवारी, मंडल अध्यक्ष राज कुमार वर्मा, इंद्र बहादुर वर्मा, प्रधान गोमती यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष धर्मराज वर्मा, मंडल अध्यक्ष राम चन्दर वर्मा, संतोष पासवान, कप्तान श्रीवास्तव, राजू पाल, राम शब्द यादव, शेषधर यादव, केदार वर्मा जी, चंदू चौधरी नगर पंचायत अध्यक्ष, पुजारी वर्मा, अरविंद मौर्या, शिव पूजन प्रजापति भीखू निषाद, विजय पाल सिंह मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के खड़ंजा निर्माण में दोयम दर्जे की ईंटों का प्रयोग

● भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही योजना को लेकर ग्रामीणों ने की उच्चाधिकारियों से जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। सरकार द्वारा हर घर शुद्ध जल पहुंचाने के लिए संचालित जल जीवन मिशन योजना को स्थानीय स्तर पर ठेकेदार और कार्यदायी संस्था द्वारा चूना लगाया जा रहा है। नौतनवां ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत विषखोप में पानी की टंकी के लिए बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं परिसर के भीतर कराए जा रहे खड़ंजा कार्य में भारी धांधली देखने को मिल रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्माण स्थल पर मानक को ताक पर रखकर पीले और दोयम दर्जे के ईंटों का धड़ल्ले से प्रयोग किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण सरकारी परियोजना में उच्च श्रेणी की ईंटों और गुणवत्तापूर्ण सीमेंट का

इस्तेमाल होना चाहिए ताकि संरचना टिकाऊ रहे।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा लगाए जा रहे ईंट इतने कमजोर हैं कि वे हाथों से छूते ही टूट जा रहे हैं। खड़ंजा बिछाने में अपनाई जा रही इस लापरवाही से स्पष्ट है कि भविष्य में यह निर्माण बहुत जल्द ही धंस जाएगा।

ग्रामीणों ने कई बार मौके पर मौजूद कर्मियों से इस बाबत शिकायत की परंतु उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगी और निर्माण कार्य को आनन-फानन में निपटाने की कोशिश की जा रही है। विषखोप के ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदारों की मौन सहमति के कारण ही ठेकेदार की मनमानी बढ़ गई है और सरकारी बजट की बंदरबांट की जा रही है। भ्रष्टाचार की यह भेंट चढ़ रही योजना को लेकर क्षेत्र में काफी नाराजगी व्याप्त है। आक्रोशित ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और संबंधित विभाग के अधिशासी अभियंता से इस मामले की मौके पर जांच करने और घटिया सामग्री को तत्काल हटवाकर मानक के अनुरूप कार्य कराने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

महिलाओ के साथ अश्लील हरकत करने बाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ खीरी, थानाध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में थाना हैदराबाद पुलिस टीम द्वारा दिनांक 28.04.2026 रोशननगर नहर बडी पुलिया बहद ग्राम ममरी थानगोकर्णनाथ हैदराबाद जिला खीरी आने जाने वाली महिलाओ पर टिप्पणी करने वाले 03 अभियुक्तगण 1. अंकित पुत्र रमाकान्त उम्र करीब 21 वर्ष निवासी ग्राम बसखेडा थाना मोहम्मदी जनपद खीरी 2. धीरू पुत्र मनोज कुमार उम्र करीब 21 वर्ष निवासी ग्राम बसखेडा थाना मोहम्मदी जनपद खीरी 3. पिंकू पुत्र श्री कान्त उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम बसखेडा थाना मोहम्मदी जनपद खीरी को गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 123/2026 धारा 296 बीएनएस पंजीकृत कर यक्ष एप पर अभियुक्तगणो की आईडी0 जनरेट कर अन्तर्गत धारा 170/ 126/135 बीएनएसएस में वास्ते विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय गोला के समक्ष भेजा गया, अभियुक्त की गिरफ्तारी करने बाली टीम मे एस एस आई सन्तपाल सिह राठौर, आरक्षी शैलेन्द्र सिह, आरक्षी नीरज कुमार व महिला अरक्षी कशिश, जूही कश्यप थाना हैदराबाद जनपद खीरी प्रमुख रूप से सामिल रही।

बरामदे में खड़ी बाइक चोरी, खोजबीन की मांग

रतनपुर/ महराजगंज। नौतनवा नगरपालिका के वार्ड नंबर 14 गौतम बुद्ध नगर में किराए के मकान में रह रहे एक शिक्षक की मोटरसाइकिल मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने पार कर दी। काफी खोजबीन के बाद वाहन का पता न चलने पर पीड़ित ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के मुताबिक पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम डोगरा टोला बरदिहवा निवासी राममिलन पुत्र गोमती उच्च प्राथमिक विद्यालय हथिअहवा में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। वह नौतनवां के गौतम बुद्ध नगर निवासी रामलाल मद्धेशिया के मकान में किराए पर रहते हैं। मंगलवार रात उन्होंने अपनी होंडा शाइन गाड़ी यूपी 56 पी 5735 मकान के बरामदे में खड़ी की थी। सुबह जागने पर गाड़ी मौके से गायब मिली। इस मामले में नौतनवां थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम राव ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है और मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

सुहेली नदी पर 24.35 करोड़ की लागत से बनेगा पुल, विधायक रोमी साहनी ने किया भूमि पूजन

पलिया-खीरी। विधानसभा क्षेत्र पलिया के विकास में आज एक नया अध्याय जुड़ गया। क्षेत्र के चंबरबोझ (मकनपुर) में सुहेली नदी पर लंबे समय से प्रतीक्षित पुल के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। लोकप्रिय विधायक रोमी साहनी ने बुधवार को 24.35 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस भव्य सेतु का विधिवत भूमि पूजन और शिलान्यास किया।

आवागमन की बाधा होगी दूर, विकास को मिलेगी गति

सुहेली नदी पर पुल न होने के कारण चंबरबोझ और आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों को दशकों से भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। विधायक रोमी साहनी ने इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए कहाः 'यह पुल केवल ईंट और सीमेंट का ढांचा नहीं, बल्कि क्षेत्र की खुशहाली का द्वार है। मेरा संकल्प है कि पलिया के हर गांव को मुख्य धारा से जोड़ा जाए ताकि विकास की किरण अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। ' किसानों और छात्रों के लिए 'वरदान' इस पुल के निर्माण से सबसे बड़ी राहत छात्रों और किसानों को मिलने वाली हैः

शिक्षा की सुगमताः बरसात के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो जाती थी। अब छात्र बिना किसी डर के स्कूल-कॉलेज जा सकेंगे। किसानों को लाभः किसानों को अपनी उपज मंडी तक ले जाने के लिए अब लंबा चक्कर नहीं काटना पड़ेगा, जिससे उनके समय और परिवहन लागत में बड़ी बचत होगी।

स्वास्थ्य सेवाएंः आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस और अन्य वाहन सीधे गांव तक पहुंच सकेंगे। **ग्रामीणों में हर्ष की लहर** भूमि पूजन के दौरान भारी संख्या में मौजूद ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सुहेली नदी पर पुल की मांग वर्षों पुरानी थी, जिसे विधायक रोमी साहनी के प्रयासों से अब पंख लग गए हैं।विधायक ने निर्माणदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य की गुणवत्ता में कोई समझौता न किया जाए और इसे समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। इस अवसर पर क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

वन रेंज भीरा में गिद्धों की मौत का कारण का पता लगाने में नाकाम विभाग

● फॉरेस्ट गार्ड और वन दरोगा की लापरवाही आ रहीसामने, घटना की सूचना दिए जाने के कई घंटे बाद जागे जनाब-ग्रामीण

बकरी का मांस खाकर कुत्तों की मौत और कुत्तों और बकरी का मांस खाकर हुई गिद्धों की मौत तो बकरी आखिर थी किसकी?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांकेगंज खीरी वन रेंज भीरा के अंतर्गत ग्राम सिमरिया में गत दिनों पूर्व हुई पचासों गिद्धों की मौत का रहस्य आज भी बरकरार है। विभागीय जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते मौत के रहस्य का खुलासा आज तक नहीं हो सका है ।सूत्रों की माने तो वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड की बड़ी लापरवाही से बड़ी संख्या में गिद्धों की मौत होने की वजह बताया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि विभागीय जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते आज तक मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। सूत्रों की माने तो ग्राम सिमरिया में घटना से एक दिन पूर्व खेतों को चरने जा रही बकरियों को कुत्तों ने दौड़ा और एक बकरी को तोड़ डाला जिससे उसकी मौत हो गई। बकरी की मौत से आक्रोशित बकरी स्वामी ने कुत्तों को सबक सिखाने की ठान ली और बकरी पर जहरीला पदार्थ डालकर बकरी को खेतों में खुली जगह फेंक देने की जानकारी दी गई। नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया गया उक्त बकरी का मांस खाकर जहां आधा दर्जन कुत्तों की मौत हो गई ,वहीं पचासों गिद्धों की इलाज के अभाव में अगले दिन मौत हो गई। लोगों का आरोप है कि जिसमें वन रेंज के कर्मियों को सूचना दी गई उस समय कई गिद्ध अचेत अवस्था में पड़े थे ।यदि विभाग द्वारा जरा सा भी सक्रियता दिखाई गई होती और मौके पर आकर गिद्धों को दिया गया होता आवश्यक उपचार तो शायद कई गिद्धों की जान बचाई जा सकती थी। लेकिन जिम्मेदारों की नींद ही नहीं खुली काफी समय बाद वाचरो को भेजा गया ।लेकिन फॉरेस्ट गार्ड लतीफ साहब ने मौके पर तुरंत आना उचित नहीं समझा। यहां पर प्रश्न है कि आखिर बकरी किसकी थी? जिसका पता लगाने में फॉरेस्ट गार्ड और वन दरोगा नाकाम साबित हो रहे हैं।

बड़ा सवाल यह है कि आखिर क्यों इसका पर्दापास करने से बच रहे हैं भीरा रेंज के बनकर्मी ?लोगों की जुबान सत्य माने तो इसकी जानकारी जनाब को है लेकिन सेटिंग गेटिंग के चलते मामले का खुलासा करने से बचते नजर आ रहे हैं। हालांकि मैं उक्त आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं करता हूं खबर सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी पर आधारित है। मामला जांच का विषय है जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

मामले पर जब प्रभागीय वनाधिकारी दक्षिणी से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बताया कि जांच चल रही हैं फिर भी मैं दिखवाती हूँ। वहीं फॉरेस्ट गार्ड लतीफ खां का फोन ही नहीं उठा ।वन दरोगा साहब को कुछ पता ही नहीं होता है साहब का एक ही जवाब हम नये है जानकारी नहीं है।

भीषण गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने को संकल्प संस्था का सराहनीय अभियान, मिट्टी के बर्तन किए वितरित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- भीषण गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों को राहत पहुंचाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से संकल्प संस्था द्वारा पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था कराने हेतु मिट्टी के बर्तनों के वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था के संस्थापक इंजी. आर. पी. शर्मा ने किया। इस अवसर पर इंजी. आर. पी. शर्मा ने कहा कि गर्मी के मौसम में तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण पशु-पक्षियों को पानी और भोजन की भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व बनता है कि वह अपने घरों, छतों और आसपास खुले स्थानों पर पक्षियों के लिए दाना और पानी की व्यवस्था करे। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से हम असंख्य जीवों का जीवन बचा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान लोगों को मिट्टी के बर्तन वितरित किए गए, ताकि वे उनमें पानी भरकर पक्षियों के लिए सुरक्षित स्थानों पर रख सकें। संस्था के पदाधिकारियों ने लोगों से अपील की कि गर्मी के मौसम में मानव सेवा के साथ-साथ पशु-पक्षियों की सेवा भी करें और जीवों के प्रति संवेदनशील बनें।

कार्यक्रम का संचालन एन. पी. सक्सेना ने किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के संरक्षण के लिए समाज को आगे आना होगा। इस प्रकार के कार्यक्रम सामाजिक चेतना बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर एन पी सक्सेना, अशोक सारस्वत,विनोद गुप्ता, राजाराम वर्मा, गोपाल शर्मा, महेन्द्र झा,राजू उपाध्याय, दयाशंकर, विनय भटनागर, ए के दुबे, राजेश नोबार, महिपाल नोबार, योगेश नोहवार, विस्वनाथ, खजानसिंह भारद्वाज, महेन्द्र झा, राकेश कटियार, आर पी सिंह तोमर, रतन सिंह, सीताराम गौतम सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने संकल्प लिया कि गर्मी के पूरे मौसम में पक्षियों और पशुओं के लिए दाना-पानी की व्यवस्था निरंतर जारी रखेंगे।

ग्राम पंचायत पलहनापुर में स्ट्रीट लाइट घोटाला के आरोप

● बन टांगिया में काग़ज़ों पर लाइट लगवा कर 30 लाइटों की धनराशि का बंदर बाट के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी मामला विकासखंड विजुआ की ग्राम पंचायत पलहनापुर का है जहां पर ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव की मिली भगत से ग्राम सभा के विकास को आई सरकारी धनराशि का बंदर बांट कर लिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है ।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव ने आपस में साठगांठ करके ग्राम पंचायत पलहनापुर के मजरा वन टांगिया में कागजों पर स्ट्रीट लाइट लगवा कर लाखों का बजट निकाल कर बंदर बांट कर लिए जाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इतना ही नहीं ग्राम पलहनापुर में एक रास्ता को भी पटवाए बगैर ही कागजो काम दिखा कर भुगतान निकाल लिए जाने का मामला जांच का विषय बना है ।लोगों का आरोप है कि हैंडपंप मरम्मत एवं रिबोर व स्ट्रीट लाइट खरीद में भी भारी घोटाला किया गया है ।लोगों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि मामले की कराई गई उच्च स्तरीय जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच तो लाखों रुपए के सरकारी धन गबन के मामले का खुलासा होना तय है।

प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि मुझे जानकारी नहीं है और न ही मैंने कोई लाइट लगवाई ही है रही बात मिट्टी कार्य की तो वह भी मुझे पता नहीं है पंचायत सचिव जाने क्या घोटाला किया गया है।

धौरहरा ब्लॉक में मनरेगा साइट पर नाबालिग बच्चों से कराई जा रहीं मजदूरी

बाल श्रम कानून की उड़ी धज्जियां, जिम्मेदार मौन

लखीमपुर खीरी विकासखंड धौरहरा क्षेत्र की ग्राम पंचायत समदहा में मनरेगा योजना के तहत चल रहे खड़ंजा निर्माण में नाबालिग बच्चों से मजदूरी कराने का मामला सामने आया है। सूत्रों की माने तो जिन हाथों में कापी कलम होना चाहिए उनको मनरेगा में फावड़ा या ईट पकड़ाई जा रही हैं।यह प्रदेश की विडंबना नहीं तो क्या है।जो पढ़ने-लिखने की उम्र में बच्चों को फावड़ा-कुदाल चलाने को मजबूर किया जा रहा हैं।मनरेगा में फर्जीवाड़ा मनरेगा में जॉब कार्ड सिर्फ 18 साल से ऊपर के वयस्क का बनता है। नाबालिगों के नाम मस्टर रोल में नहीं चढ़ सकते। अगर बच्चों से काम कराकर किसी वयस्क के नाम से भुगतान लिया जा रहा है तो ये फर्जी मस्टर रोल और सरकारी पैसे का गबन किया जा रहा है। रोजगार सेवक बच्चों को काम पर लगाकर पैसे बचाने में लगे हुए हैं मनरेगा जेई अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं।बहुत जल्द जिले के उच्च अधिकारियों से की जाएगी शिकायत और हो सकती है बड़ी कार्रवाई। अब देखना है कि नवागत जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह इस मामले का लेते हैं स्वतः संज्ञान और की जाएगी जांच और कार्रवाई।

शैक्षिक संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद बरेली में आयोजित शैक्षिक संगोष्ठी व सम्मान समारोह कार्यक्रम आज मनोहर भूषण इंटर कॉलेज बरेली के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्ज्वलित कर सबसे पहले उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद बरेली की पत्रिका उपायन का विमोचन किया तथा उसके उपरांत सेवानिवृत्त प्रधानाचार्यों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। जनपद में गत वर्ष व इस वर्ष कुल पांच प्रधानाचार्य सेवानिवृत्त हुए सभी को सम्मानित किया गया जिसमें सरिता सक्सेना, आशा शुक्ला , डाक्टर शरद कांत शर्मा, डाक्टर अशोक कुमार गंगवार व डाक्टर श्याम स्वरूप सेवानिवृत्त हुए। इसके साथ ही सात नवनियुक्त प्रधानाचार्यों को भी सम्मानित किया गया। इसमें केसर इंटर कॉलेज बहेड़ी के डाक्टर रवि प्रकाश शर्मा, के0 पी0 आर0 सी0 कला केंद्र की दीपा शर्मा, कस्तूरबा कन्या इंटर कालेज की प्रधानाचार्या मनोरमा देवी, स्त्री सुधार कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या माया आर्या।

कुंवर रनजीत सिंह इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य ओमपाल सिंह, पटेल इंटर कॉलेज धौरा के प्रधानाचार्य विनोद कुमार सिंह, एम0 जी0 एम0, इंटर कॉलेज बहेड़ी के प्रधानाचार्य राकेश कुमार को सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर राजेश कुमार अग्निहोत्री, प्रदेश महामंत्री के रूप में डाक्टर संदीप चतुर्वेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष डा संदीप इंदवार, प्रदेश संगठन मंत्री डा एस0 पी0 पांडेय, प्रांतीय संयोजक डा सुरेश रस्तोगी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डाक्टर लाखन सिंह ने की कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में प्रदेश महामंत्री डाक्टर मनोज कुमार ने सभी प्रधानाचार्यों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश प्रवक्ता सुनील मिश्र ने शिक्षा जगत से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री डा अजीत सक्सेना, सह जिला मंत्री डाक्टर संतोष कुमार गुप्त ने किया। कार्यक्रम में पीलीभीत से डाक्टर आर. पी. द्विवेदी, शोभा वर्मा ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में जिले भर से साठ प्रधानाचार्यों ने प्रतिभाग किया।

टूण्डला में भव्य घटयात्रा एवं कलश यात्रा के साथ पंचकल्याणक महोत्सव का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- नगर के हाईवे रीजेंसी स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर पंचकल्याणक महोत्सव समिति के तत्वावधान में परम पूज्य वैज्ञानिक संत आचार्य श्री 108 निर्भय सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में भव्य घटयात्रा एवं कलश यात्रा बड़े श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक वातावरण के बीच निकाली गई। इस आयोजन में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। दीपा चौराहे स्टेशन रोड से प्रारंभ हुई यह भव्य यात्रा हाईवे रीजेंसी स्थित मंदिर परिसर तक पहुंची। यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर पवित्र कलश धारण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों और जयकारों के साथ आगे बढ़ते रहे, जिससे पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में रंग गया। जैन समाज के लोगों का उत्साह और श्रद्धा देखते ही बन रही थी। यात्रा के पंचकल्याणक महोत्सव स्थल पर पहुंचने के बाद मुख्य अतिथि के रूप में एच एल कोल्ड स्टोरेज के स्वामी बलवीर सिंह जैन द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात मुकेश कुमार जैन ने मंडप उद्घाटन किया। इसके बाद धार्मिक विधानों के अंतर्गत मंडप शुद्धि, बिंब स्थापना सहित विभिन्न अनुष्ठान सम्पन्न हुए। इस अवसर पर आचार्य श्री 108 निर्भय सागर महाराज ने अपने मंगल प्रवचनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि पंचकल्याणक महोत्सव धर्म प्रभावना का महान अवसर है, जिसमें चारों ओर धर्म का प्रचार-प्रसार होता है और सभी को धर्म लाभ प्राप्त होता है।

कार्यक्रम में इंद्र प्रतिष्ठा, नांदी विधान, जाप सकलीकरण, मंडप प्रतिष्ठा, श्री याग महामंडल विधान, महाआरती तथा शास्त्र प्रवचन जैसे अनेक धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इस अवसर पर संरक्षण मंडल से बलबीर सिंह जैन, वीरेंद्र कुमार जैन, जसवीर प्रसाद जैन, ओम प्रकाश जैन, कमलेश जैन, बसंत जैन, संदीप जैन, महेंद्र कुमार जैन, सुरेंद्र जैन भैया जी, राजू जैन, सुभाष चंद्र जैन ठेकेदार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पंचकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष सर्वेश कुमार जैन, महामंत्री पाण्डेय जयंत कुमार जैन, कोषाध्यक्ष विशाल जैन, भाजपा जिला सह संयोजक सोशल मीडिया सचिन जैन, उपाध्यक्ष दीपक जैन एडवोकेट, अरविंद जैन, निशांत जैन, मंत्री दीपक जैन, अंकित जैन, सोनू जैन, शशांक जैन, सह कोषाध्यक्ष ऋषभ जैन, क्षितिज जैन, गोपाल जैन, पंकज जैन सहित समस्त जैन समाज की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह आयोजन टूण्डला नगर में धार्मिक एकता, श्रद्धा और समाज की सक्रिय भागीदारी का अद्भुत उदाहरण बन गया।

बेहजम में जन आक्रोश महिला पदयात्रा कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मितौली खीरी बुधवार को ब्लॉक सभागार बेहजम में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिकार अधिनियम कानून बिल विपक्ष के द्वारा संसद में इस कानून का विरोध किया गया। जिसके तहत जन आक्रोश महिला पदयात्रा, कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक लोक सभागार में जन अधिकार आक्रोश रैली की मुख्य अतिथि बेहजम ब्लाक प्रमुख बीना राज व विशिष्ट उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग सदस्या सुजीता कुमारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमारी रही।

इस कार्यक्रम में *महिलाओं के अधिकारों पर वार सपा कांग्रेस है जिम्मेदार का स्लोगन लिखे विपक्ष के राष्ट्रीय नेताओं का विरोध जताया महिलाओं के इस अपमान से भारतीय जनता पार्टी पूरे देश, प्रदेश, ललितजिला, ब्लाक ग्राम पंचायत स्तर पर महिलाओं को अपने अधिकार के प्रति जागरूकता कार्यक्रम अभियान चलाया जा रहा।

बेहजम ब्लॉक प्रमुख बीना राज ने सभा में अपनी बात में महिलाओं के अधिकार 33% आरक्षण की बात कह कर हम नारी है कमजोर नहीं हर जगह सबसे पहले मां का नाम लिया जाता है कहकर महिलाओं को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष महेश्वरी देवी सहित सैकड़ो संख्या में महिलाएं उपस्थित रहकर अपनी आवाज बुलंद की वही ब्लॉक परिसर से बेहजम कस्बे तक रैली निकाल कर अपनी हक की लड़ाई के लिए विपक्ष के नेताओं को जिम्मेदार ठहराया।

स्कूल की रसोई का ताला तोड़कर दो गैस सिलेंडर चोरी

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बभनी स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय को चोरों ने अपना निशाना बनाया है। मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने स्कूल की रसोई का ताला तोड़कर वहां रखे दो गैस सिलेंडर चोरी कर लिए। प्रधानाध्यापक ने पुलिस को पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामसुमेर ने बताया कि बच्चों के मध्यान्ह भोजन के लिए गैस सिलेंडर रसोईघर में रखे हुए थे। बुधवार सुबह चोरी की जानकारी होने पर तत्काल पुलिस को सूचित किया गया। परसामलिक थानाध्यक्ष अभय नारायण सिंह ने बताया कि सिलेंडर चोरी के मामले में शिकायती पत्र मिला है, जल्द ही जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ध्वस्तीकरण आदेश के बाद भी नहीं हटवाया जा रहा अवैध अतिक्रमण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला खीरी मामला परगना भूड के ग्राम पलहनापुर का है यहां पर भी खलिहान की जमीन पर प्रधान के परिवार के लोगों का कब्जा बताया जाता है।जबकि कुछ जमीन पर कई लोगों ने आलीशान मकान दुकान खड़ी कर ली है यहां पर लगभग 38 एकड़ भूमि पर दबंगों का अवैध कब्जा होना बताया जा रहा है। आलम यह है कि कुछ लोगों पर कारवाई की जाती है तो कुछ को अभयदान दे दिया जाता है। जिसका जीता जागता सबूत है कि खलिहान और कुछ अन्य जमीन पर प्रधान और उनके लोगों का कब्जा है लकिन उन पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।लोग बताते हैं कि लेखपाल सिर्फ 04 लोगों के खिलाफ़ धारा 67 की कार्रवाई की जिसमें बेदखली/ध्वस्तीकरण का आदेश भी पारित किया जा चुका है। और आज तक अवैध निर्माण को ध्वस्त नहीं कराया गया।और अब पैसा लेकर कानूनगो भूड लेखपाल पर पूर्व लेखपाल की रिपोर्ट को गलत साबित करने के लिए जिरह करने का दबाब बनाया जा रहा है ग्राम पलहनापुर के एक कब्जे दार ने बताया कि नाम का खुलासा मत करना इस बेदखली कार्रवाई को खत्म करने के लिए विधायक जी का फोन कराने के साथ ही 50,000 रुपये का नजराना भी पेश किया गया जो इन्हीं कानूनगो सहाब के हाथों साहब तक पहुंचाये जाने की चर्चा जोरों पर है।हालांकि मैं इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं करता हु। मामला जांच का विषय है।

किन किन लोगों पर हुआ बेदखली आदेश- सूत्रों बताते हैं सिर्फ चार लोगों पर बेदखली आदेश हुआ जिनमें से प्रमुख नाम राजेंद्र सिंह, बृजेंद्र सिंह, शिव बालक सिंह, गजेंद्र सिंह आदि है। जिसमें पैसा और सत्ताधारी सफेदपोश संरक्षण मिलने के बाद अब लीपा पोती का खेल शुरु किया गया है। सवाल यह उठता है कि क्या आपने ही आदेश को अपास्त कर देंगे तहसील दार/न्यायिक उप जिलाधिकारी गोला ? कैसे साबित करेंगे पूर्व के लेखपाल की पैमाइश और रिपोर्ट को गलत/झूठी यह भी समय बतायेगा।

महज अवैध कब्जा धारकों को संरक्षण देने की मंशा से जिरह करवाये जाने का लेखपाल पर बनाया जा रहा दबाब- विभागीय सूत्रों की माने तो लेखपाल पर दबाब बनाकर जिरह करवाने का खेल खेला जा रहा है।इस खेल के नायक अरुणेश मिश्रा बताए जाते हैं शायद इन्होंने ही मामले को सुल्ताने का जिम्मा ले रखा है। क्या तहसील दार अपने आदेश को निरस्त कर पाएंगे?क्या लेखपाल मोहन कश्यप पूर्व लेखपाल की रिपोर्ट को गलत साबित कर सकते हैं? यदि रिपोर्ट गलत साबित होती है तो क्या पूर्व लेखपाल पर होगी कार्रवाई? जब रिपोर्ट गलत थी तो कैसे पास हो गया बेदखली आदेश?इसकी जवाबदेही भी तो तहसील दार और न्यायिक उप जिलाधिकारी गोला की होगी और क्या इनके विरुद्ध की जाएगी कार्रवाई?ऐसे कई सबाल पैदा होते हैं जिनके सटीक जवाब किसी के पास भी नहीं मिल पा रहे हैं। जांच के बाद ही होगा दुध का दुध और पानी का पानी। ऐसे कई और मामले है।

वर्जन- लेखपाल मोहन कश्यप ने बताया कि मैं अभी आया हूं मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है हा कुछ जमीनों पर अवैध कब्जा होने की जानकारी मिली है। जिसमें कुछ लोगों पर धारा 67 की कार्रवाई और उसमें बेदखली आदेश भी पारित किए गए हैं।

तहसीलदार गोला का फोन न उठने के चलते उनके पक्ष की जानकारी नहीं मिल सकीं।

सैकड़ों एकड़ सरकारी भूमि पर दबंगों का अवैध अतिक्रमण जारी, जिम्मेदार मौन

● तहसील प्रशासन गोला पर लग रहे अवैध कब्जे धारकों को संरक्षण देने तथा रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी तहसील गोला के परगना भूड के गाव पलहनापुर में 38 एकड़ और मुड़ा बुजुर्ग में दो खलिहान, खेल मैदान, मरघट, कि जमीन के साथ- साथ 78 एकड़ जमीन पर कानूनगो के चहेते सजातीय लोगों का अवैध कब्जा होने की बात जन चर्चा का विषय बनी हुई है।लोगों का आरोप है कि तहसील दार और कानूनगो मिलकर ठेके पर सरकारी जमीन को जूत्वाकर अनुचित लाभ ले रहे हैं। मामला जांच का विषय बना है लकिन इतने बड़े मामले पर कार्रवाई न होना आरोपों की सत्यता की पुष्टि करने को काफी है। सूत्र बताते हैं कि नियम कानून को ताक पर रखकर सरकारी जमीनों पर अपने चहेते लोगों को अवैध तरीके से कब्जा कराकर अपनी-अपनी तिजोरिया भरी जा रही है। यह गंभीर आरोप ग्राम प्रधान द्वारा कानूनगो अरुणेश मिश्रा और तहसीलदार गोला पर लगाये जा रहे हैं। भले ही योगी सरकार सरकारी जमीनों को अवैध कब्जा मुक्त कराने के सख्त निर्देश अपने मातहतों को दे रहे हो पर गोला तहसील में शासन के आदेशों का कोई असर पड़ता दिखाई नहीं दे रहा है।सूत्र बताते हैं कि यह अवैध कब्जे कानूनगो साहब की कमाई का जरिया बनकर रह गए है। इसकी बानगी मुड़ा बुजुर्ग में देखी जा सकती है। जहां पर खेल मैदान पर पूर्व प्रधान, तो मरघट की 4 बीघा जमीन पर अर्जुन और दोनों खलिहानों पर राम स्नेही, रामेश्वर, धीरेश, और देसराज का अवैध कब्जा बताया जाता है। मजेदार बात तो यह है कि भूमि प्रबंध समिति के अध्यक्ष ग्राम प्रधान ने बताया कि आप लेखपाल का नंबर ले लो उनसे ही पूछ लो। मुझे कोई जानकारी नहीं है।

लेखापाल शैलेन्द्र साहब ने भी बताया कि उन्हें 78 एकड सरकारी जमीन पर कब्जा की जानकारी ही नहीं है, आप तहसील से जानकारी हासिल करें। बड़ा सवाल यह है कि लेखपाल को अपनी सर्किल की सरकारी जमीन की जानकारी न होना और मीडिया द्वारा जानकारी देने से बचना और फोन काट देना यह साबित करता हैं कि कुछ तो गडबड है। और लेखपाल की अवैध कब्ज़े दारो से मिली भगत होने की पुष्टि करती है। अपनी करतूतों का खुलासा होने के डर से जानकारी देने सेबचरहेहैं शायद।विभागीय सूत्र द्वारा नाम का खुलासा न करने की शर्त पर दी गई जानकारी अनुसार 78 एकड़ भूमि पर मोहित दीक्षित छुट भैया भा.ज.पा नेता व अन्य लोगों का अवैध कब्जा बताया गया है।

रामसनेही के खिलाफ धारा 67 की कार्रवाई के बाद भी नहीं हटा कब्जा

ग्रामीणों के अनुसार कार्रवाई के नाम पर भी दोहरी नीति चलाई जाती है। पैसे के बल पर पक्षपात पूर्ण कार्रवाई की जाती हैं इस सारे खेल के नायक कानूनगो सहाब बताये जाते हैं। कार्रवाई के बाद सुविधा शुल्क मिल जाती है तो फिर कोई आदेश नहीं होता है।राम स्नेही का मामला इसका उदाहरण है। कि आज तक कोई आदेश पारित नहीं किया गया और न ही कब्जा ही हटवाये जाने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों के आरोपों है कि इस जमीन से कमाई का हिस्सा ऊपरतकपहुंचनेकेचलते कार्रवाईनहींहोपा रहींहैं। आई जी आर एस पर की गई शिकायतों में फर्जी रिपोर्ट लगाकर निस्तारण कर दिया जाता है जबकि कुछ जमीनों पर खड़ी फसले और कुछ पर बने मकान तहसील प्रशासन के भ्रस्टाचार/फर्जीवाड़ा की पोल खोल रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

संदिग्ध हालात में आम के पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, इलाके में मचा

हलिया (मीरजापुर) लालगंज थाना क्षेत्र के विशेश्वरपुर गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव आम के पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान विशेश्वरपुर गांव निवासी संतोष कोरी (42) पुत्र विश्वनाथ कोरी के रूप में की गई है। ग्रामीणों के मुताबिक शिकरार नदी के किनारे स्थित आम के पेड़ पर शव लटका हुआ पाया गया। सबसे पहले चरवाहों की नजर शव पर पड़ी।जिसके बाद उन्होंने शोर मचाया और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। वहीं घटना की सूचना मिलते ही लालगंज इंस्पेक्टर अभय कुमार सिंह भी मौके पर पहुंच गए और मामले की गहन जांच में जुट गए हैं। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं।

लू के प्रकोप से बचाव को श्रमिक रहें सतर्क सहायक श्रमायुक्त की अपील

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

मीरजापुर- जनपद में बढ़ते तापमान और लू (हीट वेव) के प्रकोप को देखते हुये सहायक श्रमायुक्त सतीश कुमार ने श्रमिकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंनें कहा कि तेज धूप में काम करने वाले श्रमिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है, ऐसे में बचाव जरूरी है। उन्होंनें कारखानों, ईट भट्ठों, दिहाड़ी मजदूरों, डिलीवरी कर्मियों सहित खुले में कार्य करने वाले सभी श्रमिकों सलाह दी कि वे अपने शरीर को पूरी तरह ढंककर रखें। काम पर जाते समय गमछा, टोपी, हल्के सूती कपड़े, चश्मा और जूते का उपयोग अवश्य करें। कार्य के दौरान सिर पर गमछा बांधकर रखें और खुद को धूप से बचायें। श्रमिकों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह देते हुये उन्होंनें कहा कि अपने पास पानी की बोतल और नींबू रखें तथा समय समय पर शीतल जल, नींबू पानी, शिकंजी और नारियल पानी का सेवन करते रहें। इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होगी और लू से बचाव संभव होगा।

दो अलग अलग बाइक दुर्घटना में छह लोग घायल

हलिया, मीरजापुर। क्षेत्र में दो अलग अलग स्थानों पर बुधवार को बाइक दुर्घटना में में छह लोग घायल हो गये जिसमें प्रमोद कुमार 28 अपनी पत्नी को बैठा कर हलिया आ रहे थे कि दिघिया बंधी के पास कसिअहवा मुहल्ले में सामने से बकरी आने पर बाइक से असंतुलित हो कर सडक पर गिर कर पति पत्नी घायल हो गये । दूसरी घटना में हलिया-लालगंज मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में महिला समेत चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों का उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में चल रहा है। जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। पूजा देवी (26) अपने भाई संदीप के साथ लालगंज थाना क्षेत्र के रजई कटाई गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गई थीं। अपने दो बच्चों श्रेया (4) और प्राची (3)के साथ वापस घर लौट रही थीं।इसी दौरान पंचशील डिग्री कालेज और पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही एक अन्य बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में पूजा देवी और संदीप घायल हो गए। वहीं दूसरी बाइक पर सवार मुरारी 22 निवासी मगरदा थाना हलिया अपने ममेरे भाई राजन निवासी गजरिया थाना हलिया के साथ गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर जुटे स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। इस संम्बंध में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अवधेश कुमार ने बताया कि बाइक से घायल है।

भीषण गर्मी के बीच बदला मौसम, बारिश व ओलावृष्टि से उर्द की फसलें मटियामेट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया, मीरजापुर। क्षेत्र के नदना व सगरा गाँव में ओला बृष्टि व बारिश से किसानों के उर्द व सब्जी की फसल चौपट हुई है वही सुबह से ही आसमान से बरसती तेज धूप और लू के थपेड़ों से लोग हलकान थे, वहीं बुधवार दोपहर बाद दो बजे अचानक बदले मौसम के मिजाज ने गर्मी से बड़ी राहत दी।बादलों की गड़गड़ाहट के बीच हुई मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि से क्षेत्र के कई गांवों में उर्द की फसलें नष्ट हो गई।दोपहर बाद अचानक आसमान में काली घटाएं छा गई और देखते ही देखते धूलभरी आंधी व बादलों की गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई।बारिश के बाद मौसम धुंध हो गया, जिससे भीषण गर्मी से स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली। हालांकि, ओला की बौछार ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। विकास खंड के सगरा गांव में ओलावृष्टि इतनी तेज रही कि धरती सफेद चादर से ढक गई और खेतों में लगी फसलें जमींदोज हो गई।

बेमौसम की इस मार ने उन किसानों को गहरे सदमे में डाल दिया है, जिन्होंने लागत और मेहनत से उर्द की बुवाई की थी। सगरा गांव निवासी किसान शिवशंकर ने बताया कि उन्होंने कुछ दिन पहले ही डेढ़ बीघा खेत में उर्द की बुवाई की थी, लेकिन ओला बृष्टि ने अंकुरित हो रही फसल को खेत में ही नष्ट कर दिया। वहीं किसान दूधनाथ ने बताया कि उन्होंने एक बीघा खेत में उर्द की खेती की थी, लेकिन फसल ठीक से जम भी नहीं पाई थी कि अचानक हुई बारिश

और ओलावृष्टि ने सब कुछ मटियामेट कर दिया।

प्रभावित किसानों ने जिला प्रशासन से फसल क्षति का आकलन कराने और उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

जयमाल के बाद बारात में बवाल, मारपीट व लूट के बाद बिना शादी लौटे बराती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया (मीरजापुर) ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बरबसा गहरवार गांव में सोमवार की रात आयोजित विवाह समारोह उस समय बवाल में बदल गया, जब जयमाला के बाद कन्या पक्ष और बरात पक्ष के लोगों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट होने लगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रयागराज जनपद के कोरांव थाना क्षेत्र के गिरगोंठा निवासी राजेश कुमार केसरी के पुत्र महेश कुमार केसरी की बारात 27 अप्रैल को बरबसा गहरवार गांव गई थी। द्वारचार, जलपान एवं जयमाला की रस्में शांतिपूर्वक संपन्न हो चुकी थीं। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि कन्या पक्ष के छोटेलाल केसरी एवं लक्ष्मण केसरी के उकसाने पर तिलक व रोहितद पुत्र छोटेलाल, राहुल केसरी पुत्र लक्ष्मण सुंदरम पुत्र संगम अंशू पुत्र राज कुमार दिलीप पुत्र संगम महेश पुत्र बिहारी समेत दर्जनों लोग लाठी-डंडा एवं धारदार हथियार लेकर बरातियों पर टूट पड़े और उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटना शुरू कर दिए। घटना में बारात पक्ष से आकाश केसरी, नारायण केसरी, अरविंद केसरी, विजय केसरी सहित कई लोग घायल हो गए। बीच-बचाव करने पहुंचे दूल्हे के बड़े भाई को भी गंभीर रूप से पीटा गया। प्रार्थना पत्र में कहा है कि मारपीट के दौरान हमलावरों ने सोने की चेन भी छीन ली और बरातियों को जान से मारने की नीयत से दौड़ाया। भयभीत होकर बराती अपनी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। घटना की सूचना डायल 100 पुलिस को दी गई, जिसके पहुंचने पर स्थिति किसी तरह नियंत्रित हुई।

हंगामे के चलते विवाह की शेष रस्में पूरी नहीं हो सकीं और बारात बिना दुल्हन के ही वापस लौट गई। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घटना के दौरान लगभग 2.30 लाख रुपये के आभूषण, 70 हजार रुपये नकद तथा करीब 50 हजार रुपये के कपड़े भी छीन लिए गए। पीड़ित पक्ष ने थाना ड्रमण्डगंज में तहरीर देकर आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। वहीं क्षेत्र में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं बनी हुई हैं।

गन्ना जूस विक्रेता पर हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

भदोही। जनपद के गोपीगंज थाना क्षेत्र में गन्ना जूस विक्रेता और उसके परिजनों पर हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में जातिसूचक गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी तथा धारदार हथियार से मारपीट का आरोप है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवपुरी कॉलोनी निवासी रमन सोनकर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी जूस की दुकान पर ठेला हटाने को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपियों ने हमला कर दिया। इस हमले में नीरज सोनकर, प्रिंस सोनकर, रमन सोनकर व धीरज सोनकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें नीरज की नाक की हड्डी टूट गई।

मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं व एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देश पर गोपीगंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए हैदर अली उर्फ हैदर व मोहम्मद सकलैन अली को झीरिया पुल जीटी रोड से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

हलिया थाने में 24 नए आरक्षियों की आमद

थाना अध्यक्ष ने सिखाया गुन, मिठाई से किया गया स्वागत

हलिया, मीरजापुर। उत्तर प्रदेश पुलिस में प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके नवचयनित 3 महिला व 21 पुरूष आरक्षियों ने बुधवार को हलिया थाने में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। थाना अध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने मिठाई खिलाकर स्वागत करते हुए प्रशिक्षुओं को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि शांति ब्यवस्था के साथ ब्यवहार कुशलता व लोगों कि मदद करना प्राथमिकता रखना है। कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और आमजन के प्रति सौम्य व्यवहार बनाए रखने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने और समय का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया।मौके पर सभी नए आरक्षी उत्साह और खुशी के साथ अपने दायित्व निभाने को तत्पर दिखाई दिए, जिससे पूरे थाने का माहौल सकारात्मक बना रहा।

उद्योग बंधु बैठक में व्यापारियों की समस्याओं के निस्तारण के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु एवं जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न हुई, जिसमें उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी, व्यापारी व उद्यमी शामिल हुए। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि व्यापारियों व उद्यमियों से जुड़े सभी मामलों का समयबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के प्रति सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए लंबित प्रकरणों को शीघ्र हल किया जाए, जिससे जनपद में रोजगार के अवसर बढ़ सकें। बैठक के दौरान बिजली, सड़क, आवास नीति, बुनकरों के लाइसेंस, औद्योगिक निवेश, लैंड बैंक, प्लग एंड प्ले पार्क, सिटी ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस व डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना व सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा करते हुए बैंकों व संबंधित अधिकारियों को प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए निवेशकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, निर्यातक व व्यापारी उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने टीबी मरीजों को वितरित किया पोषण पोटली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़ मीरजापुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सी एल वर्मा ने शासन द्वारा निर्धारित टीबी रोगियों के मदत में संचालित गोद कार्यक्रम के लक्ष्य पूर्ति के अभाव को देखते हुए स्वयं कमान संभाल कर शुरू किया गोद दिलाने का सराहनीय पहल।मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पहल से जिले में इलाज पर चल रहे 501 टीबी मरीजों को रेड क्रॉस सोसाइटी से पोषण पोटली उपलब्ध हुई जिसे सीएमओ द्वारा जिले के हर विकासखंड में निर्धारित मात्रा में वितरण कार्य को अंजाम दिलाना शुरू कर दिया है। उपरोक्त पहल के तहत 29 अप्रैल को सीएचसी पर 25 टीबी मरीजों को पोषण पोटली देते हुए उन्हें टीबी के प्रति जागरुक किया कार्यक्रम में क्षय विभाग के जिला कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव द्वारा लोगों को टीबी के समस्त लक्षणों एवं सरकारी स्तर से दी जा रही सभी निः शुल्क सुविधाओं से परिचित कराते हुए नियमित दवा एवं खान पर विशेष ध्यान देने को बताया गया।

और आए सभी मरीजों को बताया कि आप सभी स्वस्थ होने के पश्चात टीबी चैंपियन बनकर समाज में इस रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने का नेक कार्य करें जिससे की हमारा जनपद जल्द से जल्द टीबी मुक्त जनपद बन सके। यादव द्वारा लोगों को जिले में संचालित दूरस्थ एरिया हेतु 100 दिवसीय कार्यक्रम से भी परिचित कराते हुए अपेक्षा जताई कि आप सभी ज्यादा से ज्यादा लोगों को उनके घर के नजदीक दी जाने वाली इस मदद योजना में सहयोग करें।

वही सीएचसी प्रभारी डॉ भरत यादव द्वारा टीबी रोग से बचाव पर प्रकाश डालते हुए

कहा कि यह रोग असाध्याय नहीं है बस आप सभी अपनी दवा नियमित रूप से सेवन करें साथ ही अपने खान-पान पर विशेष ध्यान दें साथ ही किसी भी प्रकार के नशा के सेवन से बचे। आयोजित कार्यक्रम मे डाक्टर विजय प्रकाश, डॉक्टर दिपाली, डी.सी धनंजय श्रीवास्तव, आषुतोष तिवारी, राजेश गुप्ता, आकांक्षा सिंह सहित अस्पताल के कर्मचारी उपस्थित रहे।

'युवाओ को स्वालंबी बनाएगी सीएम ग्रामोद्योग रोजगार योजना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही: जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यू0 पी0 सिंह ने बताया कि उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना' हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 में ग्रामीण क्षेत्रों में नये उद्योग स्थापित कर रोजगार के अवसर सृजित किया जाता है, उक्त योजना में अधिकतम धनराशि 10 लाख तक के ऋण बैंको के माध्यम से उपलब्ध कराने का प्राविधान है, जिसमें बैंको से प्राप्त ऋण पर एवं उद्योग स्थापित करने पर सामान्य जाति के पुरूष वर्ग को बैंक द्वारा वितरित ऋण पर 'पूँजीगत मद' में 4% ब्याज उद्यमी द्वारा वहन किया जायेगा, उससे ऊपर का ब्याज, ब्याज उपादान के रूप में दिया जायेगा एवं आरक्षित वर्ग (पिछडी जाति, अल्पसंख्यक वर्ग, अनु0जाति, अनु0जन जाति, दिव्यांगजन एवं समस्त वर्ग की महिलाओं) को बैंक द्वारा वितरित ऋण पर 'पूँजीगत मद' में समस्त ब्याज, ब्याज उपादान के रूप में दिया जायेगा। उक्त योजना में सामान्य वर्ग के पुरूष को कुल परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं का अंशदान लगाना होगा एवं समस्त आरक्षित वर्ग को कुल परियोजना लागत का 5 प्रतिशत स्वयं का अशंदान लगाना होगा इच्छुक लाभार्थी जिनकी आयु 18 वर्ष से 50 वर्ष के मध्य हो 'मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना' की बेवसाइट upkvib.gov.in पर ऑनलाईन आवेदन दिनांक 31 मई 2026 तक कर सकते है। ऑनलाईन आवेदन करते समय अपना फोटो, शैक्षिक योग्यता, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, स्थापित कार्यस्थल के ग्राम

प्रधान द्वारा प्रमाणित प्रमाण पत्र (चौहद्दी), प्रोजेक्ट रिपोर्ट की प्रति वेबसाइट पर अपलोड कर पूर्ण आवेदन की छायाप्रति जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय में जमा करना होगा। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, रमनगरा सिंहपुर ज्ञानपुर, भदोही में किसी भी कार्य दिवस पर सम्पर्क किया जा सकता है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने टेका मां विंध्यवासिनी देवी जी के चरणों में मत्था

● भाजपा पश्चिम बंगाल में प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

विंध्याचल। बुधवार को सुबह 8 : 30 बजे मां विंध्यवासिनी देवी धाम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी प्रोटोकॉल के तय समय पर पहुंचकर विधि विधान पूर्वक दर्शन पूजन किया। दर्शन पूजन का कार्य उनके कुल पुरोहित आचार्य अगस्त्य कुमार द्विवेदी ने कराया। इस दौरान नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र जी मौजूद रहे।

दर्शन पूजन के दौरान उन्होंने पत्रकारों से वार्ता कर बताया कि बड़े सौभाग्य से मां विंध्यवासिनी देवी जी का दर्शन पूजन करने का अवसर प्राप्त हुआ हर बार मां के दर्शन करने से मुझे ऊर्जा प्राप्त होती है । समस्त उत्तर प्रदेश तथा समस्त भारतवासियों पर मां की असीम कृपा बनी रहे तथा पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर उन्होंने बोला कि आज पश्चिम बंगाल का विशेष दिन है, आज पश्चिम बंगाल की जनता अपने सेकेंड फेज के चुनाव में मतदान कर रही है, मैं पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों से कहूंगा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में अधिक से अधिक संख्या में भाग लीजिए तथा अधिक संख्या में मतदान कीजिए और आने वाले समय में अपने पश्चिम बंगाल को सुरक्षित और सुव्यवस्थित पश्चिम बंगाल बनाइए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा प्रचंड बहुमत से आ रही है और पूर्ण बहुमत से अपनी सरकार बनाने जा रही है। इस दौरान मीरजापुर के भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज, नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र, मझवां विधायक सुचिस्मिता मौर्य, मड़िहान विधायक रमा शंकर सिंह पटेल, मीडिया प्रभारी भावेश शर्मा आदि भाजपा के पदाधिकारियों व सदस्यगण उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

भदोही। जनपद में 'मिशन शक्ति फेज-5.0' द्वितीय चरण के तहत महिला सशक्तिकरण अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में ग्राम चौपाल, कस्बों व शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, आत्मरक्षा के उपाय, गुड टच-बैड टच की जानकारी तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही छेड़खानी या किसी भी आपात स्थिति में तुरंत 1090, 112 सहित अन्य सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग व यातायात नियमों के पालन के प्रति भी जागरूक किया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं में सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास का वातावरण मजबूत करना है।

मेधावी छात्र सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। नगर के उस्मानपुर स्थित श्री हीरालाल वर्मा इंटर कॉलेज में बुधवार को यू.पी. बोर्ड हाई स्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा 2025-26 में हाई स्कूल की छात्रा संजना कुमारी 92.1%, शिवांगी मौर्या 87.3%, अनन्या 86% एवं इंटरमीडियेट की छात्रा दीपा प्रजापति 85.6%, रिया श्रीवास्तव 83%, एवं गरिमा श्रीवास्तव 80% को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रभारी निरीक्षक विजय शंकर सिंह, विशिष्ट अतिथि रमाशंकर यादव प्रभारी जी.आर.पी. चुनार ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित किया। मुख्य अतिथि ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का मतलब केवल किताबी ज्ञान से नहीं है बल्कि उसे अपने जीवन में अनुपालन करना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों से बड़ों का आदर एवं सम्मान करने तथा खेल के प्रति भी ध्यान देने को कहा। अतिथियों का स्वागत प्रबन्धक अवधेश कुमार वर्मा ने किया।

प्रधानाचार्य सौरभ कुमार श्रीवास्तव ने विद्यालय की उपलब्धियों को विस्तार से बताया। इस अवसर पर नयन वर्मा, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी शाखा प्रभारी बीके बीनू दीदी, सह प्रभारी बीके तारा दीदी, अनामिका सिंह, मोनी वर्मा, दीपक सिंह, अंबिका श्रीवास्तव, निधि सिंह, शिखा गुप्ता, आयुषी सिंह, आंचल मौर्य, रवि चौरसिया, राम आसरे, अमन सोनकर, श्वेता कुशवाहा, सुनीता शर्मा, मीरा देवी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनामिका ने किया।

साइबर हेल्प डेस्क की कार्रवाई: 92 हजार से अधिक रुपये वापस

भदोही। जनपद में साइबर अपराध के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर हेल्प डेस्क थाना चौरी व औराई की टीम ने पीड़ितों के खातों में कुल 92,625 रुपये की धनराशि वापस कराई। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई के तहत अलग-अलग मामलों में धोखाधड़ी के शिकार लोगों की शिकायतों का निस्तारण करते हुए धनराशि रिकवर की गई। पीड़ितों ने पैसे वापस मिलने पर भदोही पुलिस का आभार जताया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं और किसी अज्ञात लिंक या कॉल से सतर्क रहें।

पंचायत चुनाव में देरी के बीच कार्यकाल बढ़ाने की मांग

● प्रधान संगठन ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

● ग्रामीण सत्ता पंचायती राज संगठन का ज्ञापन, पंचायत प्रतिनिधियों के कार्यकाल विस्तार की उठी मांग

● पंचायत प्रतिनिधियों के कार्यकाल विस्तार को लेकर संगठन सक्रिय, राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। त्रिस्तरीय पंचायतों के सामान्य निर्वाचन समय से न होने और जनगणना कार्य प्रगति पर होने के बीच ग्राम पंचायतों में प्रशासनिक निरंतरता बनाए रखने की मांग तेज हो गई है। इसी क्रम में ग्रामीण सत्ता पंचायती राज संगठन की भदोही इकाई ने राष्ट्रीय महासचिव राजमणि पांडेय के नेतृत्व में जिलाधिकारी भदोही के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में कहा गया कि ग्राम पंचायतें ग्रामीण प्रशासन की आधारशिला हैं और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान में पंचायत चुनाव को लेकर अनिश्चितता और जनगणना जैसे राष्ट्रीय कार्य के चलते यदि पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त होता है तो प्रशासनिक शून्यता उत्पन्न हो सकती है, जिससे विकास कार्य और जनगणना प्रभावित होंगे।

संगठन ने मांग की है कि वर्तमान ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्यों का कार्यकाल तब तक बढ़ाया जाए, जब तक नए प्रतिनिधि निर्वाचित होकर कार्यभार ग्रहण न कर लें। साथ ही कार्यकाल विस्तार अवधि में प्रतिनिधियों को प्रशासनिक व वित्तीय अधिकार देने का सुझाव भी दिया गया है, ताकि नियमित कार्य, जनगणना समन्वय और पूर्व स्वीकृत योजनाएं सुचारु रूप से चलती रहें।संगठन के राष्ट्रीय महासचिव राजमणि पांडेय ने बताया कि ग्रामीण सत्ता पंचायती

राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी व प्रदेश अध्यक्ष मनु यादव के निर्देश पर सभी जनपदों से ज्ञापन भेजा जा रहा हैं। संगठन को आशा हैं कि सरकार द्वारा जनप्रतिनिधियों के सम्मान का ध्यान रखा जाएगा। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, स्वच्छ भारत मिशन, पोषण अभियान, जल जीवन मिशन, पेंशन और राशन वितरण जैसी योजनाओं की निरंतरता बनाए रखना आवश्यक है, जिससे जनहित प्रभावित न हो। इस दौरान ग्राम प्रधान अमित मिश्रा, विमलेश चंद यादव, अनिल सिंह, सीताराम बिन्द, अर्जुन तिवारी, राकेश मौर्य, अमरनाथ गौतम, संतलाल बिन्द, विनय यादव, वतन दुबे, विपिन सिंह, मिंटू सिंह, धीरेंद्र सिंह,लालमणि यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जनगणना-2027: अब हर नागरिक बनेगा भागीदार!

जनगणना-2027 हमारे जनपद के समग्र विकास की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यह केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और संसाधनों के समुचित वितरण का आधार है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के नियमित अनुश्रवण एवं मार्गदर्शन मे जनपद में जनगणना-2027 का कार्य सुचारु एवं प्रभावी ढंग से संपन्न करने हेतु आवश्यक तैयारी की जा रही है। उत्तर प्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के अंतर्गत स्व-गणना (Self Enumeration) की प्रक्रिया 7 मई 2026 से 21 मई 2026 तक संचालित की जाएगी। अब आप स्वयं अपने घर की जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं – सरल, सुरक्षित और समय की बचत के साथ। सभी जनपदवासियों भदोही से अपील साथ ही आप सभी से अपील है कि 7 मई से 21 मई 2026 के बीच स्व-गणना (Self Enumeration) में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपने परिवार की सही एवं पूर्ण जानकारी स्वयं दर्ज करें।आपकी सहभागिता से न केवल यह अभियान सफल होगा, बल्कि जनपद भदोही के विकास को नई गति मिलेगी। जब जनगणना अधिकारी/प्रगणक आपके घर आएं, तो उनका सम्मान करें एवं पूर्ण सहयोग प्रदान करें। आइए, हम सभी मिलकर 'हर घर गणना' को सफल बनाएं और अपने जनपद को सशक्त बनाएं।

आकाशीय बिजली से महिला घायल, दो मकानों को नुकसान

भदोही।जनपद के अभोली विकासखंड अंतर्गत ग्राम शेरपुर गोपलहा में बुधवार को आंधी-तूफान के बीच गिरी आकाशीय बिजली ने कहर बरपा दिया। अचानक हुई इस घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से हृदय नारायण शुक्ला के मकान की दीवार क्षतिग्रस्त होकर भरभराकर गिर गई। दीवार गिरने से मकान को भारी नुकसान पहुंचा। वहीं दीवार का मलबा पास में स्थित हसन अली के मकान की छत पर जा गिरा, जिससे उनकी छत भी क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान छत के नीचे मौजूद एक महिला मलबे की चपेट में आ गई, जिससे वह घायल हो गई। हालांकि ग्रामीणों की तत्परता से उसे तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों के अनुसार, आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली के चलते क्षेत्र में अन्य स्थानों पर भी नुकसान की खबरें हैं। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से राहत एवं आर्थिक सहायता की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

यूपी बोर्ड रिजल्ट: परीक्षा परिणाम पर आपत्ति हो तो शिकायत एवं निवारण प्रकोष्ठ में करें शिकायत

यूपी बोर्ड

प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम घोषित करने के बाद परिणाम से संबंधित किसी भी समस्या के त्वरित निस्तारण के लिए शिकायत एवं निवारण प्रकोष्ठ (ग्रीवांस सेल) का गठन किया है। यह प्रकोष्ठ 29 अप्रैल से 29 मई तक कार्य करेगा। शिकायत दर्ज कराने के लिए परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखकर सभी पांच क्षेत्रीय कार्यालयों की ई-मेल आइडी एवं दूरभाष नंबर जारी किए गए हैं। यूपी बोर्ड के अपर सचिव (प्रशासन) सत्येंद्र कुमार सिंह के अनुसार यह व्यवस्था क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर लागू की गई है, ताकि छात्र-छात्राएं नेट अंकपत्र की प्रति एवं आवश्यक दस्तावेज-जैसे प्रधानाचार्य की आख्या सहित अन्य पत्रजात संलग्न कर शिकायत आसानी से दर्ज करा सकें। यह भी स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर ही शिकायतें स्वीकार की जाएंगी। यह पहल पारदर्शिता बढ़ाने और परीक्षार्थियों को त्वरित राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। कहा गया है कि सही तथ्यों एवं दस्तावेजों के साथ ही शिकायत प्रस्तुत करें, जिससे निस्तारण में अनावश्यक विलंब न हो।

सहमति से लंबे समय तक शारीरिक संबंध दुष्कर्म नहीं, इलाहाबाद हाई कोर्ट का अहम फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि सहमति से लंबे समय तक शारीरिक संबंध को दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला की पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए आजमगढ़ के सिधारी थाने में दर्ज मामले में आरोपित बनसराज यादव की अग्रिम जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। कोर्ट ने कहा- पीड़िता और आरोपित याची के बीच के संबंध प्रथम दृष्टया आपसी सहमति पर आधारित प्रतीत होते हैं। पीड़िता जो 35 वर्षीय विधवा है, ने अपने बयान में स्वीकार किया था कि वह वर्ष 2022 से आरोपित के साथ फोन पर बातचीत कर रही थी और उनके बीच शारीरिक संबंध थे। कोर्ट ने टिप्पणी की कि एफआइआर में आरोपित पर डरा-धमकाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया था, लेकिन पीड़िता का मजिस्ट्रेट के समक्ष दिया गया बयान और मेडिकल जांच के दौरान डाक्टर को दी गई जानकारी अलग ही कहानी बयां करती हैं, जिसमें दोनों के बीच प्रेम संबंध होने का संकेत मिलता है। अदालत ने कहा कि एफआइआर और धारा 183 के बयानों में भारी विरोधाभास अभियोजन की कहानी पर संदेह पैदा करता है। जमानत की शर्तों के तहत आरोपित को पुलिस जांच में सहयोग करने और गवाहों को न डराने के निर्देश दिए गए हैं।

रेलवे में बायोमीट्रिक उपस्थिति अनिवार्य, अधिकारी-कर्मचारी नहीं कर पाएंगे मनमानी

प्रयागराज। रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर रेलवे प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। किसने पूरे महीने कितने घंटे ड्यूटी की है, इसकी रिपोर्ट हर महीने की 10 तारीख को रेलवे बोर्ड के सचिव को ईमेल के जरिये भेजना अनिवार्य होगा। रेलकर्मी या अधिकारी बायोमेट्रिक से अब जी नहीं चुरा पाएंगे कि वे किसी दौरे पर बाहर थे अथवा देरी हो गई।

बायोमीट्रिक से जी नहीं चुरा पाएंगे अधिकारी-कर्मचारी

उदाहरण के तौर पर डीआरएम के दौरे पर जाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को भी अपनी आधार आधारित बायोमीट्रिक अटेंडेंस लगानी होगी, बिना इसके यह माना जाएगा कि कर्मचारी-अधिकारी अनुपस्थिति थे।रेलवे ने अपने कामकाज में अनुशासन और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए आधार आधारित बायोमीट्रिक अटेंडेंस के माध्यम से रोजाना समय पर उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य कर दिया है।

हर महीने रेलवे बोर्ड के सचिव को ईमेल के जरिये भेजी जाएगी रिपोर्ट

रेलवे कार्यालयों में अगर कर्मचारी-अधिकारी समय पर ऑफिस नहीं पहुंचे तो उनकी अनुपस्थिति मानी जाएगी। रेलवे बोर्ड के संयुक्त सचिव टी. श्रीनिवास द्वारा 27 अप्रैल को जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। बोर्ड ने संज्ञान लिया है कि पूर्व में आदेश जारी होने बार-बार के निर्देशों के बावजूद कार्यालयों में समय की पाबंदी को लेकर ढिलाई बरती जा रही है। इस पर अंकुश लगाने के लिए पोर्टल के जरिये दैनिक निगरानी होगी। सुस्त कर्मचारियों के खिलाफ रिपोर्ट के आधार पर कड़ी सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि बोर्ड द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का पालन कराया जाएगा।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने अवमानना केस की तारीख़ लगा दी साल 2046 की

● हाईकोर्ट ने खीझ कर 90 साल के बुजुर्ग के केस की तारीख़ लगा दी साल 2046 की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बॉम्बे कोर्ट ने 90 साल के एक बुजुर्ग को अगली तारीख़ साल 2046 की लगा दी है। यानी 20 साल बाद की। अगली तारीख़ आने तक क्या बुजुर्ग अदालत जाने की स्थिति में होंगी? दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह फ़ैसला खीझकर दिया है। एक बुजुर्ग महिला द्वारा दायर 9 साल पुराने मानहानि के केस में यह बेहद असामान्य और सख्त फैसला सुनाया गया। कोर्ट ने इस मामले को 2046 तक के लिए इसलिए टाल दिया क्योंकि कोर्ट को लगा कि यह केस दो बुजुर्गों के बीच अहंकार की लड़ाई है, जिसकी वजह से कोर्ट का बहुमूल्य समय बर्बाद हो रहा है। इसलिए इस मामले को अगले 20 साल तक नहीं सुना जाएगा। न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन ने 28 अप्रैल 2026 को दिए गए आदेश में साफ़ लिखा, 'यह उन मामलों में से एक है जिसमें अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर पार्टियों के बीच अहंकार की लड़ाई कोर्ट सिस्टम को जाम कर रही है। इससे उन अहम मामलों को सुनने का मौका नहीं मिल पाता जो वाकई प्राथमिकता के हैं।' कोर्ट ने आगे कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता सीनियर सिटीजन या सुपर सीनियर सिटीजन हैं, इसलिए भी इस मामले को कोई प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। आदेश में साफ़ तौर पर लिखा गया, 'इस मामले को 2046 के बाद सूचीबद्ध किया जाए। किसी भी स्थिति में इसे सीनियर सिटीजन होने के आधार पर प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। यह साफ़ तौर पर कहा जाता है कि 2046 से पहले इस मामले को कभी भी सुनवाई के लिए नहीं लिया जाएगा।' यह विवाद श्याम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी में 2015 के वार्षिक आम बैठक से शुरू हुआ। सोसाइटी ने दो महिलाओं- लगभग 90 वर्षीय तारिणीबेन देसाई और दूसरी महिला- को सोसाइटी से निकालने का प्रस्ताव पास किया था। इन महिलाओं ने सोसाइटी के नोटिस, पत्र और प्रस्ताव को मानहानिकारक बताते हुए 2017 में कोर्ट में मुक़दमा दायर किया और 20 करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा। उनका आरोप था कि इन पत्रों की वजह से उन्हें मानसिक परेशानी हुई है। कोर्ट ने पहले कई बार समझौता कराने की कोशिश की। एक बार तो कहा गया कि अगर सोसाइटी बिना शर्त माफी मांग ले तो मामला सुलझ सकता है, लेकिन 90 वर्षीय तारिणीबेन देसाई माफी स्वीकार करने को तैयार नहीं हुई और केस आगे बढ़ाने पर अड़ी रहीं। 27 मार्च 2025 को जब मामला सुनवाई के लिए आया तो न तो महिलाएं कोर्ट में आई और न ही उनके वकील। कोर्ट ने सख्त चेतावनी दी थी।

अब 28 अप्रैल 2026 को न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन ने पूरे मामले को 20 साल के लिए फ्रीज कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा, 'मैं इस मामले पर और कुछ नहीं कहना चाहता, बस अगले 20 साल तक इसे न उठाया जाए।' कोर्ट का मानना है कि छोटे-छोटे अहंकार और व्यक्तिगत झगड़ों के कारण कोर्ट का समय उन गंभीर मामलों से छीन लिया जाता है, जिनमें आम लोगों की जान-माल, संपत्ति या अधिकारों से जुड़े बड़े मुद्दे होते हैं। यह फैसला कोर्ट की बढ़ती खीझ का नतीजा बताया जा रहा है, जहां छोटे-मोटे झगड़ों में सालों-साल तक समय बर्बाद होता रहता है। यह ख़बर पूरे देश में चर्चा का विषय बन गई है। कई लोग कोर्ट के इस फैसले की तारीफ़ कर रहे हैं, तो कुछ इसे बहुत सख्त बता रहे हैं।

निरंजन रेलवे ब्रिज के नीचे गड्ढों से राहगीर परेशान

● स्कूली बच्चों की सुरक्षा दांव पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। शहर के निरंजन सिनेमा के पास स्थित रेलवे ब्रिज के नीचे सड़क की बदहाल स्थिति अब आम लोगों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों ने राहगीरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं और हर दिन दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मार्ग आसपास के कई मोहल्लों को जोड़ता है और रोजाना बड़ी संख्या में लोग, खासकर स्कूली बच्चे, इसी रास्ते से गुजरते हैं। लेकिन सड़क की जर्जर हालत के कारण बच्चों का सुरक्षित आवागमन मुश्किल हो गया है। साइकिल या स्कूल वैन से जाने वाले बच्चे अक्सर असंतुलित हो जाते हैं, जिससे गिरने और चोट लगने का खतरा बना रहता है। अभिभावकों ने चिंता जताते हुए बताया कि कई बार वाहन इन गड्ढों में फंस जाते हैं, जिससे न सिर्फ जाम की स्थिति बनती है बल्कि बड़े हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है। बारिश के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते हैं, जब गड्ढे पानी से भर जाते हैं और उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय निवासियों ने नगर निगम प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। इसी मुद्दे को लेकर इलाहाबाद जन कल्याण समिति के अध्यक्ष हंजला उर्फ सद्दाम हुसैन ने नगर निगम और संबंधित अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी स्कूली बच्चे के साथ कोई दुर्घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम की होगी।

भीषण गर्मी के बीच कई इलाकों में गिरे बर्फ के छोटे-छोटे ओले, मौसम हुआ सुहाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। भीषण गर्मी से जूझ रहे शहरवासियों को बुधवार को अचानक बड़ी राहत मिली, जब मौसम ने करवट लेते हुए कई इलाकों में हल्की बारिश के साथ बर्फ के छोटे-छोटे ओले गिराए। दोपहर तक तेज धूप और उमस से परेशान लोग अचानक बदले मौसम से राहत महसूस करने लगे। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आसमान पर काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। इस दौरान कई स्थानों पर मटर के दाने जितने छोटे ओले भी गिरे, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और वातावरण सुहाना हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी और लू के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। ऐसे में अचानक हुई बारिश और ओलावृष्टि ने न केवल तापमान कम किया बल्कि लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी। बच्चे और युवा इस मौसम का आनंद लेते नजर आए, जबकि किसानों ने भी इसे फसलों के लिए लाभदायक बताया। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। तेज हवाओं और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे तापमान में और गिरावट हो सकती है। फिलहाल, अचानक बदले इस मौसम ने प्रयागराज के लोगों को तपती गर्मी से राहत देने का काम किया है और लोगों के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है।

हेट स्पीच को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दिशा-निर्देश जारी करने से इनकार

●सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हेट स्पीच से निपटने के लिए देश में पहले से मौजूद कानून पर्याप्त हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हेट स्पीच से निपटने के लिए देश में पहले से मौजूद कानून पर्याप्त हैं और किसी विधायी खालीपन की स्थिति नहीं है, जिसके चलते न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत पड़े। अदालत ने कहा कि संविधान के तहत शक्तियों के विभाजन के सिद्धांत के अनुसार न्यायपालिका अपनी सीमा में रहकर ही काम कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने एक साफ किया है कि किसी भी अपराध के लिए सजा का निर्धारण करना पूरी तरह से विधायिका का अधिकार क्षेत्र है। अदालत ने दोहराया कि यह अधिकार संसद और राज्य विधानसभाओं के पास सुरक्षित है।शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत पर आधारित संवैधानिक व्यवस्था न्यायपालिका को नए अपराध बनाने या न्यायिक निर्देशों के ज़रिए आपराधिक दायित्व का दायरा बढ़ाने की इजाज़त नहीं देती।' ज़्यादा-से-ज़्यादा कोर्ट सिर्फ़ सुधारों की ज़रूरत के बारे में विधायिका और कार्यपालिका का ध्यान खींच सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा 'यह दलील कि हेट स्पीच का क्षेत्र कानूनी तौर पर खाली है, गलत है। मौजूदा आपराधिक कानून का ढांचा–जिसमें IPC के प्रावधान और उससे जुड़े कानून शामिल हैं–उन कामों से निपटने के लिए पर्याप्त है, जो दुश्मनी को बढ़ावा देते हैं, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाते हैं, या सार्वजनिक शांति भंग करते हैं। इसलिए यह क्षेत्र खाली नहीं है।' कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की शिकायत कानून की कमी से नहीं, बल्कि उसके लागू होने में कमी से है। हालांकि, ऐसी चिंताओं के आधार पर न्यायपालिका द्वारा कानून बनाना सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' संज्ञेय अपराधों में स्वठ्रक्र दर्ज करने का प्रावधान करती है, और पुलिस की लापरवाही के मामले में मजिस्ट्रेट के सामने शिकायत करने का उपाय भी देती है। पीठ ने कहा कि मौजूदा आपराधिक कानून हेट स्पीच जैसे मामलों से निपटने में सक्षम हैं। इसलिए इस मुद्दे पर अलग से कोई न्यायिक दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता नहीं है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक अदालतें कानून की व्याख्या और मौलिक अधिकारों के संरक्षण के लिए निर्देश दे सकती हैं, लेकिन वे कानून नहीं बना सकतीं और न ही विधायिका को ऐसा करने के लिए बाध्य कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि यदि भविष्य में किसी तरह की नई नीति या कानून की आवश्यकता महसूस होती है, तो इस पर निर्णय लेना पूरी तरह विधायी प्राधिकरणों का काम है। अदालत इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। कोर्ट ने दोहराया कि भारतीय संविधान शक्ति विभाजन के सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की अलग-अलग भूमिकाएं निर्धारित हैं। इन्हीं सीमाओं के भीतर सभी संस्थाओं को कार्य करना होता है। अदालत ने लॉ कमीशन की 267वीं रिपोर्ट का भी उल्लेख किया, जिसमें संभावित सुधारों का सुझाव दिया गया था। कोर्ट ने यह भी कहा: 'हालांकि, हम मांगी गई गाइडलाइंस जारी करने से इनकार करते हैं, लेकिन हम यह कहना उचित समझते हैं कि हेट स्पीच और अफ़वाह फैलाने से जुड़े मुद्दे सीधे तौर पर भाईचारे, गरिमा और संवैधानिक व्यवस्था को बनाए रखने से जुड़े हैं। केंद्र और राज्यों के लिए यह खुला है कि वे अपनी समझ से विचार करें कि बदलते सामाजिक बदलावों और चुनौतियों को देखते हुए क्या और कानूनी कदम उठाने की ज़रूरत है, या 23 मार्च 2017 की विधि आयोग की रिपोर्ट 267 में सुझाए गए अनुसार उचित संशोधन किए जाएं।'

गंगा एक्सप्रेस-वे: 12 शहर, 36 हजार करोड़ का खर्च

● गंगा एक्सप्रेस-वे का विचार पहली बार 2007 में तत्कालीन मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती की तरफ से प्रस्तावित किया गया था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

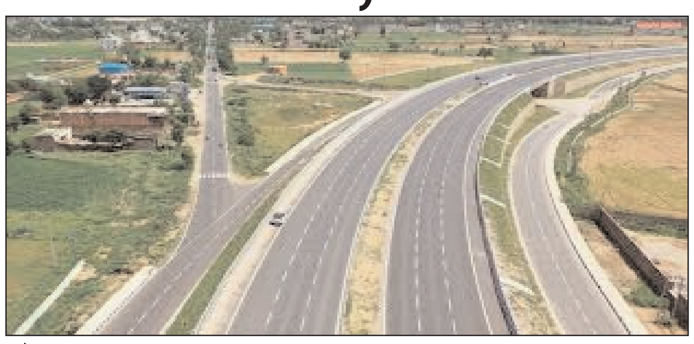

उत्तर प्रदेश ने बीते कुछ वर्षों में हाईवे और एक्सप्रेस-वे का जाल तेजी से बिछा है। नोएडा और आगरा के बीच बने एक्सप्रेस-वे के बाद से राज्य में अब तक पांच एक्सप्रेस-वे अस्तित्व में आ चुके हैं। अब 29 अप्रैल यानी आज (बुधवार) उत्तर प्रदेश में छठवें एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी के नए-नवेले गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन कर दिया। 594 किलोमीटर लंबे इस ई-वे को यूपी में अगले साल होने वाले चुनाव में भाजपा के लिए सत्ता के रास्ते के तौर पर भी देखा जा रहा है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर गंगा एक्सप्रेस-वे की जरूरत और इसके निर्माण से जुड़ा इतिहास क्या है? इस एक्सप्रेस-वे की क्या-क्या खासियतें हैं? इसका आर्थिक और राजनीतिक महत्व कितना ज्यादा है?

गंगा एक्सप्रेस-वे की नींव योगी सरकार के कार्यकाल में 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से रखी गई थी। हालांकि, इसकी परिकल्पना और जरूरत को लेकर पहली बार चर्चाएं 2000 के दशक में ही शुरू हो गई थीं। गंगा एक्सप्रेस-वे का विचार पहली बार 2007 में तत्कालीन मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती की तरफ से प्रस्तावित किया गया था। इसे शुरुआत में 'ग्रेटर नोएडा-बलिया एक्सप्रेस-वे' के तौर पर पहचान मिली। हालांकि, गंगा नदी के किनारे इसकी निर्माण योजना होने की वजह से इसे पर्यावरण से जुड़ी मंजूरियां नहीं मिल पाई और यह परियोजना ठंडे बस्ते में डाल दी गई। अगले करीब 12 साल तक इस प्रोजेक्ट पर कोई चर्चा तक नहीं हुई। इस बीच राज्य में अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी सरकार ने नोएडा-आगरा एक्सप्रेस-वे को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया। 29 जनवरी 2019 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस परियोजना को पुनर्जीवित किया। पर्यावरण के मानकों को पूरा करने के लिए, नए एक्सप्रेस-वे को गंगा नदी से 10 किलोमीटर की दूरी पर लगभग समानांतर बनाने की योजना तैयार की गई। इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईआईडीए) को दी गई। साल 2020 में चरण-1 (मेरठ से प्रयागराज) के निर्माण के लिए दो हजार करोड़ रुपये का पहला बजट आवंटित किया गया। इसके साथ ही भूमि अधिग्रहण का काम भी शुरू हो गया। अगस्त 2021 तक 90% से अधिक भूमि अधिग्रहण पूरा हो गया। नवंबर 2021 में इस परियोजना को पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी मिल गई और यूपी कैबिनेट ने इसके लिए 36,230 करोड़ का बजट स्वीकृत किया। 18 दिसंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शाहजहांपुर में इस महत्वाकांक्षी परियोजना की आधारशिला रखी। एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य अप्रैल 2022 में शुरू हुआ। इस प्रोजेक्ट को डिजाइन-बिल्ड-फाइनेंस-ऑपरेट-ट्रांसफर (DBFOT) मॉडल पर 12 पैकेजों में बांटा गया, जिसका ठेका अदाणी एंटरप्राइजेज और आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर नाम की कंपनियों को दिया गया। जनवरी 2025 में, एक्सप्रेस-वे के दूसरे चरण को भी मंजूरी दे दी गई, जिसके तहत मेरठ से हरिद्वार (अपर गंगा कैनाल एक्सप्रेस-वे) और प्रयागराज से बलिया तक इसका विस्तार किया जाना है। मार्च 2026 तक पहले चरण में 594 किमी लंबे मुख्य एक्सप्रेस-वे का लगभग 96% काम पूरा हो गया। इसमें मुख्य कैरिजवे का पूरा काम और सभी 1,498 संरचनाओं (पुलों आदि) का निर्माण शामिल रहा। अप्रैल आते-आते इसके सफल ट्रायल रन (परीक्षण) भी पूरे कर लिए गए। अब यह छह लेन एक्सप्रेस-वे पूरी तरह तैयार है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल 2026 को हरदोई के सलेमपुर में इसका भव्य उद्घाटन करेंगे। इंजीनियरों के मुताबिक, यह एक्सप्रेस-वे भविष्य की जरूरतों को देखते हुए आठ लेन तक विस्तार करने लायक बनाया गया है। लगभग 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बने इस एक्सप्रेस-वे में 14 लंबे पुल, जिसमें हापुड़ में गंगा नदी पर 900 मीटर और बदायूं में रामगंगा पर 720 मीटर लंबा पुल शामिल हैं। इसके अलावा सात रेलवे ओवरब्रिज, 32 फ्लाईओवर और 453 अंडरपास शामिल हैं। वाहन चालकों की नींद और थकान दूर करने के लिए किनारे पर रंबल स्ट्रिप्स लगाई गई हैं, जो कंपन पैदा कर चालकों को सचेत करेंगी और हादसों का खतरा कम करेंगी। वाहनों के लिए अधिकतम गति सीमा 120 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है। निगरानी-सुरक्षा के लिए पूरे एक्सप्रेस-वे पर सीसीटीवी और स्पीड मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए गए हैं। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इस एक्सप्रेस-वे पर दोपहिया वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित किया गया है। रास्ते में यात्रियों के लिए विश्राम स्थल, भोजनालय, पेट्रोल पंप और आपात स्थिति के लिए ट्रॉमा सेंटर जैसी सार्वजनिक सुविधाएं मौजूद हैं। इसके दोनों ओर गंगा औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है, जिसमें आईटी पार्क, फार्मा पार्क और टेक्सटाइल पार्क बनेंगे, जिससे रोजगार और व्यापार को भारी बढ़ावा मिलेगा। दावा किया जा रहा है कि इसके शुरू होने से देश के कुल एक्सप्रेस-वे नेटवर्क में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 55% से बढ़कर करीब 60 प्रतिशत हो जाएगी।

गंगा एक्सप्रेस-वे का शुभारंभ: प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन लाइव देख उत्साहित हुए जनप्रतिनिधि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी की रिपोर्ट

ब्यूरो प्रयागराज। देश की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल गंगा एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सामूहिक रूप से देखा। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्या, जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, पूर्व विधायक प्रभाशंकर पांडेय समेत कई जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में मौजूद रहे। वहीं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा और सीडीओ हर्शिका सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में गंगा एक्सप्रेस-वे को उत्तर प्रदेश के विकास की रीढ़ बताते हुए कहा कि यह परियोजना न केवल राज्य के विभिन्न जिलों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, बल्कि व्यापार, उद्योग और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी।

उन्होंने कहा कि इस एक्सप्रेस-वे से पूर्वांचल सहित पूरे प्रदेश को आर्थिक मजबूती मिलेगी। लाइव प्रसारण के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री के विचारों का स्वागत करते हुए कहा कि गंगा एक्सप्रेस-वे क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा।

अधिवक्ता संघ के चुनाव में उम्मीदवारों के नामांकन हुए वैध, सभी पदों पर होगा रोमांचक मुकाबला

लालगंज, प्रतापगढ़। संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव में बुधवार को सभी चालीस प्रत्याशियों के नामांकन पत्र जांचोपरान्त वैध पाए गए। चुनाव समिति के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न पदों के प्रत्याशियो के नामांकन पत्रों की विधिवत जांच हुई। नाम वापसी के दिन किसी भी प्रत्याशी द्वारा नामांकन वापस न लेने से इस बार संघ के चुनाव में सभी पदों पर चुनावी घमासान बढ़ गया है। अध्यक्ष पद पर पांच उम्मीदवार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर छः, उपाध्यक्ष पद पर भी छः तथा महामंत्री पद पर भी छः, सह मंत्री पद पर तीन, कोषाध्यक्ष पद पर दो तथा प्रचार मंत्री पद पर तीन एवं आय व्यय निरीक्षक पद पर तीन व सदस्य कार्यकारिणी के पद पर भी आधा दर्जन उम्मीदवार मैदान में हैं। कोषाध्यक्ष पद पर जरूर सीधा मुकाबला दिखेगा। वहीं सदस्य कार्यकारिणी के पांच पद पर छठें उम्मीदवार के नामांकन से इस पद पर भी इस बार मतदान की स्थिति बन गयी है। समिति के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने बताया कि बारह मई को मतदान कराया जाएगा। नामांकन पत्रो की जांच को लेकर हुई बैठक में एल्डर कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, शिवाकांत उपाध्याय, बेनीलाल शुक्ल, वीरेन्द्र सिंह अगई, संतोष पाण्डेय, शैलेन्द्र चतुर्वेदी शामिल रहे।

आधुनिक सुविधाओं से लैस द्वितीय विद्युत शवदाह गृह का लोकार्पण

फाफामऊ/प्रयागराज। नगर निगम द्वारा फाफामऊ गंगा घाट पर 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत निर्मित द्वितीय विद्युत शवदाह गृह का भव्य लोकार्पण वर्ष 2026 में महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी के द्वारा संपन्न हुआ। यह परियोजना फाफामऊ सहित पूरे प्रयागराज क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इस आधुनिक विद्युत शवदाह गृह के शुरू होने से अंतिम संस्कार की प्रक्रिया अब अधिक सरल, सुविधाजनक और समयबद्ध हो जाएगी। इससे लोगों को लंबी प्रतीक्षा से राहत मिलेगी और कम समय में सम्मानजनक अंतिम संस्कार संभव हो सकेगा। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, यह सुविधा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। विद्युत शवदाह गृह के उपयोग से लकड़ी की खपत में कमी आएगी, जिससे पेड़ों की कटाई पर रोक लगेगी और गंगा नदी को प्रदूषण से बचाने में मदद मिलेगी। यह पहल गंगा स्वच्छता अभियान को भी मजबूती प्रदान करेगी। कार्यक्रम के दौरान अपर नगर आयुक्त अरविंद राय, मुख्य अभियंता संजय कटियार, अधिशासी अभियंता आर. के. लाल और जेई दीपक कुमार सहित नगर निगम के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा क्षेत्रीय पार्षद निशा गुप्ता, पार्षद पति श्याम जी गुप्ता, पार्षद सुरेंद्र यादव, मंसू केसरवानी, सचिन जायसवाल, श्रीधर मिश्रा सहित सैकड़ों स्थानीय नागरिकों ने कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग प्रेस क्लब में स्व टीपी सिंह और शाद्वल कुमार को दी गई श्रद्धांजलि

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग प्रेस क्लब में बुधवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर कोरोना काल में दुनिया को अलविदा कहने वाले पत्रकारिता क्षेत्र के दो हस्ती स्व टीपी सिंह और स्व शाद्वल कुमार को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह और संचालन सचिव दीपक सिंह ने किया। इस दौरान जिले के पत्रकार, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी समेत कई अन्य लोगों ने बारी बारी से दोनों के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि आज स्व टीपी सिंह और स्व शाद्वल कुमार की कमी पूरे पत्रकारिता जगत के साथ हर एक व्यक्ति को खलती है। वे दोनों निर्भीक होकर जनता की समस्याओं को उठाते थे। करोना ने भले दोनों को हमलोग से छीन लिया मगर उनकी कृति और समाज के लिए किया काम सदियों तक याद किया जाएगा। अध्यक्ष मुरारी सिंह ने कहा कि दोनों ने हजारीबाग के पत्रकारिता को नया आयाम दिया था। आज उनकी कमी हर किसी को खलती है। सचिव दीपक सिंह ने कहा कि स्व टीपी सिंह और स्व शाद्वल कुमार आजीवन पत्रकारों के लिए खड़ा रहते थे। आज पत्रकारों को उनके बताए मार्ग पर चलने की जरूरत है। इस दौरान ट्रस्टर कृष्णा गुप्ता, समाजसेवी भैया अभिमन्यु प्रसाद, बटेश्वर प्रसाद मेहता, उपाध्यक्ष सीतेश तिवारी, कोषाध्यक्ष सागर कुमार, सह सचिव भास्कर उपाध्याय, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, बलराम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार अजय मिश्रा, कौशल ओझा, उमेश पांडेय, अनुज सिंहा, अनिल कुमार, सुमंत शाहा, विकास रंजन, अशोक कुमार बंटी, मानसवी पाठक, कलाम खान, भावेश मिश्रा, उमेश चौबे, रवि सिंह, कुणाल सिंह, फैज अनवर, पुरुषोत्तम उपाध्याय, आशीष यादव, रूपेश सोनी, संजय विश्वकर्मा, प्रदीप सिंहा, रवि शर्मा समेत कई उपस्थित थे।

डीएवी बरही में उत्साहपूर्वक मनाया गया जल पखवाड़ा

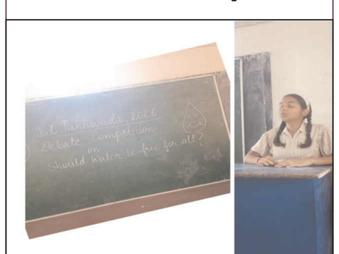

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जल पखवाड़ा बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें जल शपथ, निबंध लेखन,पेंटिंग और डिबेट प्रमुख रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य महोदय द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को जल के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि जल ही जीवन है, और इसके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने विद्यार्थियों से जल की बर्बादी रोकने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। विद्यार्थियों ने जल संरक्षण से संबंधित आकर्षक पोस्टर बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। साथ ही, विद्यालय विद्यालय में बच्चों के बीच जल संरक्षण पर सबको सावधान किया गया और उन्हें जल संचयन के उपाय बताए गए। जिसमें विद्यार्थियों ने जल बचाओ, जीवन बचाओ जैसे नारों के माध्यम से लोगों को संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। डिबेट प्रतियोगिता में सिंकु और अनीश एनडी ग्रोवर हाउस, निबंध लेखन प्रतियोगिता में अमृत राज एन डी ग्रोवर, प्रतिक राज हंसराज हाउस विजेता रहे। इस प्रकार जल पखवाड़ा का आयोजन विद्यार्थियों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने कहा कि जल ही जीवन है इसे व्यर्थ ना गवाएं।साथ ही साथ हमें जल संचयन के विभिन्न माध्यमों पर विचार करना होगा। वर्षा का जल संरक्षित कर, अपने रसोई घर से निकलने वाले पानी का उपयोग बागवानी में कर हम जल का संचयन कर सकते हैं। इस तरह से हम सतर्क होकर अपने लिए और आने वाले पीढ़ियों के लिए जल का संचयन कर सकते हैं।

एलपीजी संकट से निपटने को जिला प्रशासन सक्रिय

● कोयला आपूर्ति व वैकल्पिक व्यवस्था शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल। जिले में रसोई गैस (एलपीजी) की कमी को दूर करने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक कदम उठाए हैं। आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित लाभुकों को जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों के माध्यम से कुकिंग कोयले की आपूर्ति की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इस संबंध में सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पदाधिकारियों को आवश्यकता का आकलन कर आवंटन की मांग करने का निर्देश दिया गया है। वहीं, बिहार राज्य खनन लिमिटेड द्वारा जिले में दो कोयला विक्रेताओं के चयन हेतु राज्य स्तर पर आम सूचना जारी की गई है। जिला प्रशासन द्वारा वैवाहिक कार्यक्रमों में उपयोग के लिए वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति पहले से सुनिश्चित कराई जा रही थी, जिसे अब श्राद्ध, मुंडन, उपनयन एवं अन्य सामाजिक-धार्मिक कार्यक्रमों तक विस्तारित कर दिया गया है। इसके लिए संबंधित रसोइयों एवं कैटरर्स को तेल कंपनियों के पास पंजीकरण कराना होगा, जो 5 से 7 दिनों के भीतर पूरा किया जाएगा।

कार्यक्रम आयोजित करने वाले व्यक्तियों को आवश्यक सिलेंडरों की संख्या और अनुमानित लोगों की जानकारी के साथ अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देना होगा, जिसके आधार पर गैस उपलब्ध कराई जाएगी। सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गैस एजेंसियों एवं पेट्रोल पंपों पर लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि ईंधन की कालाबाजारी या अवैध आपूर्ति पर रोक लगाई जा सके। छात्रों, युवा पेशेवरों और प्रवासी श्रमिकों के लिए 5 किलो के गैस सिलेंडर बिना पते के प्रमाण के उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिले में कुल 51 गैस एजेंसियों के पास लगभग 12,845 गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं, जबकि 6,213 अतिरिक्त सिलेंडर प्राप्त होने की संभावना है। बीते 28 अप्रैल को करीब 5,158 उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए गए। वर्तमान में 23,815 उपभोक्ताओं को बुकिंग के अनुसार गैस की आपूर्ति की जानी है। प्रतिदिन औसतन 5,960 उपभोक्ताओं को घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं। 51 में से 48 एजेंसियों पर गैस उपलब्ध है, जबकि शेष एजेंसियों पर शीघ्र आपूर्ति की उम्मीद है। जिला प्रशासन द्वारा निगरानी अभियान भी तेज किया गया है। अब तक 14 गैस एजेंसियों एवं 23 होटलों/प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर एलपीजी के उपयोग की जांच की गई है। कालाबाजारी और घरेलू गैस के वाणिज्यिक उपयोग के आरोप में तीन प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। अस्पतालों एवं सरकारी संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर वाणिज्यिक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं।किसी भी समस्या के समाधान के लिए उपभोक्ता 24म7 कॉमन इमरजेंसी नंबर 1906, इंडियन ऑयल (IOCL) के 1800-2333-555, भारत पेट्रोलियम (BPCL) के 1800-224344 तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) के 1800-2333-555 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा समाहरणालय परिसर स्थित जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष संख्या 06473-224005 है। यहां प्राप्त सभी शिकायतों का त्वरित निष्पादन किया जा रहा है। पेट्रोल पंपों का भी औचक निरीक्षण जारी है और तेल कंपनियों के समन्वय से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हजारीबाग में पत्रकारों पर हमले के विरोध में प्रेस क्लब बरही ने सौंपा ज्ञापन

● हमले के विरोध में प्रेस क्लब बरही के पत्रकारों एवं बुद्धिजीवियों ने कड़ा आक्रोश व्यक्त किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग सदर अस्पताल परिसर में 28 अप्रैल को पत्रकारों पर हुए हमले के विरोध में प्रेस क्लब बरही के पत्रकारों एवं बुद्धिजीवियों ने कड़ा आक्रोश व्यक्त किया। इस संबंध में महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन बरही के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) को सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 28 अप्रैल को सदर अस्पताल परिसर में पत्रकार सुशांत सोनी और आशीष साव पर असामाजिक तत्वों द्वारा हमला किया गया, जो अत्यंत निंदनीय एवं चिंताजनक है। घटना उस समय हुई जब राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी अस्पताल परिसर में मौजूद थे और पत्रकार उनसे विभिन्न मुद्दों पर सवाल कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उन पर हमला कर दिया गया। इस घटना को पत्रकारों ने प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा आघात बताया। प्रेस क्लब बरही के अध्यक्ष अनुज यादव ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध हैं और किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकतीं। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि घटना के बाद अब तक कोई ठोस कार्रवाई या स्पष्ट आश्वासन सामने नहीं आया है, जिससे पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन के समक्ष चार प्रमुख मांगें रखी गईं—दोषियों की शीघ्र पहचान कर सख्त कानूनी कार्रवाई, पीड़ित पत्रकारों को सुरक्षा एवं न्याय, पत्रकारों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम, तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु जवाबदेही तय करना। अंत में प्रशासन से इस मामले में शीघ्र संज्ञान लेकर न्याय सुनिश्चित करने की अपील की गई, ताकि पत्रकार निर्भीक होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रेस क्लब बरही के अध्यक्ष अनुज यादव, जिला कमिटी के वरिष्ठ पत्रकार जयदीप सिन्हा, प्रेस क्लब सचिव अनुज सिंह, कोषाध्यक्ष राकेश रोशन के साथ रितेश कुमार, पंकज कुमार और अमित सोनी शामिल रहे।

चंदवा में अवैध कोयला परिवहन पर उठे सवाल

ओवरलोड हाईवा से सड़क पर गिरा कोयला—प्रशासनिक कार्रवाई की जरूरत

चंदवा, झारखंडः- चंदवा क्षेत्र में अवैध कोयले के परिवहन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, रात के अंधेरे और सुनसान सड़कों का फायदा उठाकर कोयला कारोबारियों द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध ढुलाई की जा रही है। इस दौरान 12 चक्का हाईवा और बड़े ट्रकों का उपयोग किया जा रहा है, जो तेज गति से गुजरते हैं और दुर्घटना की आशंका को बढ़ाते हैं। मंगलवार देर रात एक ऐसा ही मामला सामने आया, जब एक ओवरलोड हाईवा चंदवा से लातेहार की ओर जा रहा था। इसी दौरान चंदवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बाउंड्री के समीप सड़क पर लगभग दो टन कोयला गिर गया। घटना के कारण रात में गुजरने वाले वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। बताया जाता है कि सुबह होते ही स्थानीय लोगों ने सड़क पर गिरे कोयले को उठा लिया। हालांकि इस घटना ने अवैध परिवहन और सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाता है।

गौरियाकरमा के निचितपुर में आयुष्मान आरोग्य शिविर का हुआ आयोजन

● 49 मरीजों की हुई जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही प्रखण्ड अंतर्गत गौरियाकरमा पंचायत के निचितपुर में बुधवार को आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया, जहां स्थानीय लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर अपनी स्वास्थ्य जांच कराई और चिकित्सकीय परामर्श लिया। शिविर के दौरान सामान्य रोगों की जांच के साथ-साथ टीबी की पहचान और जागरूकता पर विशेष जोर दिया गया। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने लोगों को समय पर जांच कराने और उपचार लेने के लिए प्रेरित किया। इस संबंध में डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि शिविर में कुल 49 मरीजों की ओपीडी में जांच की गई। साथ ही 49 मरीजों का एक्स-रे भी किया गया।

जिसमें 08 लोगों का सपुटम लिए गए। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। शिविर में लोगों को टीबी सहित अन्य बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया और आवश्यक परामर्श दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल से क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ मिला। मौके पर अस्पताल कर्मी बिजेंद्र कुमार, राहुल कुमार, संगीता देवी, रीना कुमारी, महेश साव सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

सांसद ने निभाया भाई का धर्म, पूरे लगन कन्याओं के विवाह के लिए भेजी सौगात

● बरही में सांसद मनीष जायसवाल व विधायक मनोज यादव के सौजन्य से लहंगे का हुआ वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल व बरही विधायक मनोज यादव ने सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की है। सांसद द्वारा कन्यादान के निमित्त चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बरही प्रखंड में पूरे लगन में जरूरतमंद बहनों के विवाह के लिए उपहार स्वरूप लहंगा भेंट किया गया। सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि और कार्यकर्ताओं ने प्रखंड के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर चयनित परिवारों को यह उपहार सौंपा।

लाभान्वित होने वाली कन्याओं में मल्लाह टोली निवासी पारुल कुमारी, बाराटांड़ निवासी प्रीति कुमारी, रसोईया धमना निवासी ललिता कुमारी, खुर्दज्वार निवासी करिश्मा कुमारी, निचितपुर निवासी प्रियंका कुमारी, देवचंदा निवासी मुस्कान, पडरिमा ज्योति कुमारी, धोबियाडीह खुशबू कुमारी, धमना निवासी काजल कुमारी सहित प्रखण्ड के दर्जनों बेटियां शामिल हैं। सांसद की ओर से भेजे गए इन वैवाहिक परिधानों को विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, बरही विधानसभा सांसद सह प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, मण्डल प्रतिनिधि मोतीलाल चौधरी, भगवान केशरी, मंडल अध्यक्ष विजय यादव, नागेश्वर रजक व पंचायत प्रतिनिधि समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे। विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने कहा कि सांसद व विधायक महोदय का लक्ष्य है कि क्षेत्र की किसी भी बेटी की शादी में संसाधनों की कमी आड़े न आए। सांसद प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी ने कहा कि यह पहल समाज के वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं के सम्मान और सहायता के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल हमेशा से जनसेवा और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित रहे हैं। रंजीत चंद्रवंशी ने आगे कहा कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल समाज में आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का भी कार्य करते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे। उपहार पाकर भावुक हुए अभिभावकों ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल ने एक बड़े भाई की भूमिका निभाते हुए हमारे परिवारों की सुध ली है। उनकी इस संवेदनशीलता और परोपकारी कार्य के लिए उनका आभारी है।

हजारीबाग यूथ विंग की एसपी अमन कुमार से शिष्टाचार भेंट

● नशा मुक्ति अभियान को लेकर बनी रणनीति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग यूथ विंग के प्रतिनिधिमंडल ने जिले के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक अमन कुमार से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन एवं अध्यक्ष करण जायसवाल के निर्देश पर हुए इस मुलाकात में सचिव रितेश खंडेलवाल, सह सचिव अभिषेक पांडे, कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद ताजुद्दीन, सत्यनारायण सिंह तथा उदित तिवारी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर उनका स्वागत किया तथा हजारीबाग में उनके पदस्थापन पर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संस्था द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों की जानकारी साझा की गई। हाल ही में हजारीबाग पुलिस के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में 326 यूनिट रक्त संग्रह किए जाने का उल्लेख करते हुए संस्था ने पुलिस विभाग के प्रति आभार प्रकट किया। बैठक के दौरान छठ पूजा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों के साथ-साथ आगामी नशा मुक्ति जागरूकता अभियान पर भी विस्तृत चर्चा हुई। संस्था ने बताया कि जल्द ही नशा मुक्ति जागरूकता रथ का शुभारंभ किया जाएगा और विद्यालयों के माध्यम से युवाओं को जागरूक किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनहित से जुड़े हर कार्य में पुलिस विभाग पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि यूथ विंग समाज सेवा के कार्यों को और व्यापक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं अध्यक्ष करण जायसवाल ने बताया कि संस्था का लक्ष्य सेवा के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है तथा नशा मुक्ति, रक्तदान और शिक्षा जागरूकता अभियानों को और सशक्त किया जाएगा।

आंगनबाड़ी केन्द्रों का औचक निरीक्षण

● सेविकाओं को दिए गए सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आईसीडीएस, सुपौल द्वारा बाल विकास पिपरा परियोजना अंतर्गत कुल 6 आंगनबाड़ी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केन्द्र संख्या 59, 60, 63, 66, 80 एवं 173 का जायजा लिया गया, जहां सभी केन्द्रों पर सेविका एवं सहायिका उपस्थित पाई गई। निरीक्षण के क्रम में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने सेविकाओं एवं सहायिकाओं को निर्देश दिया कि बच्चों को समय पर नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा 'पोषण भी, पढ़ाई भी' गतिविधियों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से संचालित किया जाए। साथ ही बच्चों की साफ-सफाई, स्वच्छता और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। उन्होंने निर्देशित किया कि पोषक क्षेत्र के सभी पात्र लाभुकों को एफआरएस के माध्यम से टेक होम राशन का नियमित वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्रत्येक केन्द्र पर 8 लाभुकों तथा मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत 3 पात्र लाभुकों का पंजीकरण करने का भी निर्देश दिया गया।जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने सभी संबंधित महिला पर्यवेक्षिकाओं को निर्देश दिया कि केन्द्रों का संचालन विभागीय मार्गदर्शिका के अनुरूप हो तथा नियमित रूप से निरीक्षण एवं अनुश्रवण किया जाए। साथ ही सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं को आंगन ऐप के माध्यम से निरीक्षण के दौरान ईसीसीई गतिविधियों से संबंधित प्रतिवेदन पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने का निर्देश दिया गया।

बरही में आज फैमिलराइजेशन एक्सरसाइज कार्यक्रम

जनप्रतिनिधियों व आमजन से भागीदारी की अपील

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- अंचल कार्यालय बरही की ओर से आज गुरुवार को बरही नगर भवन में फैमिलराइजेशन एक्सरसाइज कार्यक्रम किया जाएगा। कार्यक्रम पूर्वाह्न 11:30 बजे शुरू होगा। इस संबंध में बरही सीओ चंद्रशेखर कुणाल ने पत्र जारी कर जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों व मीडिया सहित सभी संबंधित लोगों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि डीसी एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के निर्देश के आलोक में कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आपदा प्रबंधन के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा आपात स्थिति में बेहतर समन्वय स्थापित करना है। सीओ ने जिप उपाध्यक्ष, प्रमुख, जिप सदस्य, उप प्रमुख, सांसद व विधायक प्रतिनिधि, मुखिया, उपमुखिया, पंसस व वार्ड सदस्यों से अपने-अपने क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया है। साथ ही उन्होंने सभी से निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

पाकुड़िया में तालीमी बेदारी कॉन्फ्रेंस हुआ आयोजित

● विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी हुए शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्डः- पाकुड़िया की सरज़मीं पर मदरसा इस्लामिया अरबिया तजवीदुल कुरआन के तत्वावधान में बीते मंगलवार को एक रोज़ा अज़ीमुश्शान इस्लाह-ए-मुआशरा और तालीमी बेदारी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महेशपुर विधानसभा के विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में जलसा कमेटी के सदस्यों–मुफ़्ती नूर अहमद कासमी, मो. मुस्ताक अहमद एवं परवेज आलम–द्वारा विधायक का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। अपने संबोधन में विधायक प्रो. मरांडी ने कहा कि सभी धर्म सत्य और सदाचार का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए अभिभावकों से बच्चों को दीनी एवं नैतिक शिक्षा देने की अपील की। उन्होंने युवाओं को नशा और असत्य से दूर रहकर सही मार्ग अपनाने का संदेश दिया तथा कहा कि ऐसा करने से जीवन में सफलता अवश्य प्राप्त होगी। साथ ही उन्होंने लोगों से झारखण्ड राज्य की उन्नति, अमन-चैन, आपसी सद्भाव और भाईचारे के लिए दुआ करने की अपील की। कार्यक्रम में कोलकाता सहित विभिन्न स्थानों से आए मौलानाओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो, एएसआई मो. नैमुल, प्रखंड सचिव मैनुद्दीन अंसारी, खुर्शीद आलम, झामुमो युवा सचिव नेगार अंसारी सहित जलसा कमेटी के कई सदस्य एवं हजारों की संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे।

हजारीबाग सिविल कोर्ट परिसर का एसपी ने किया औचक निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

हज़ारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने सिविल कोर्ट परिसर हजारीबाग का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और वहां प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने परिसर में तैनात जवानों को सतर्कता बरतने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा न्यायालय परिसर की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कोर्ट परिसर संवेदनशील स्थान होता है, इसलिए यहां सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा सिविल कोर्ट परिसर में स्थित कार्यालयों का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान वहां पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को कार्यालय कार्यों के निष्पादन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने अनुशासन, समयबद्धता और जिम्मेदारी के साथ कर्तव्यों के निर्वहन पर जोर दिया।

स्कूल में तालिबानी सजा, शिक्षक ने छात्र को वायर से पीटकर किया जख्मी

● छात्र का चल रहा है ईलाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल- सुपौल जिले के नगर परिषद त्रिबेनीगंज सेएक बड़ी खबर सामने आ रही हैं। मालूम हो कि पिछले दिनों शहर के एक निजी विद्यालय हँसबहिनी स्कूल में चौथी कक्षा के 13 वर्षीय छात्र की बेल्ट से पिटाई किए जाने के मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि एक बार फिर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 25के खट्टर चौक के नजदीक आवासीय प्रगति पब्लिक स्कूल नाम से चल रहे एक निजी स्कूल के एक शिक्षक का क्रूर तालिवानी चेहरा सामने आया है।मिली जानकारी के अनुसार ,इस स्कूल के दूसरी कक्षा के एक छात्र की एक शिक्षक ने कथित रूप से स्कूल प्रांगण में वायर से बुरी तरह पिटाई कर दी । घटना मंगलवार की शाम की बताई जा रही है। पिटाई में छात्र जख्मी हो गया, जिसे परिजनों द्वारा अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां जख्मी छात्र इलाज चल रहा हैं। इलाजरत छात्र के जांघ एवं हाथ पर पिटाई के कई गहरे निशान शिक्षक के बर्बरता की कहानी बयां कर रही हैं। शिक्षक की पिटाई से जख्मी छात्र थाना क्षेत्र के औरलाहा निवासी अशोक यादव के 12 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार है। सत्यम उक्त विद्यालय के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा है।पीड़ित छात्र सत्यम कुमार ने बताया कि घटना के समय कुछ बच्चों के अभिभावक भी स्कूल में थे और जबकि पहले से मौजूद कई बच्चे शोरगुल कर रहे थे, हमने अन्य छात्रों दोस्तो से कहा कि सब शांत हो जाओ नहीं तो सर मारेंगे, इतने में स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक कर रहे शिक्षक चन्दन कुमार आए और बेरहमी से मारपीट करने लगे।छात्र ने बताया कि उसने उक्त सर से छोड़ देने की गुहार लगाते रहे लेकिन इसके बावजूद उसे जांघ, हाथ सहित

शरीर के अन्य हिस्सों पर बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसे काफी चोटें आई हैं।इस संबंध में ईलाज करा रहे परिजनों ने बताया कि बच्चे के पिताजी बाहर है, वे आ रहे हैं।वही जब आरोपी शिक्षक चंदन कुमार से घटना के संबंध में जानकारी लेने गए तो स्कूल के दूसरे कर्मी ने बताया कि चंदन सर बाहर है।इस संबंध में पूछने पर थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि अभी तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में युवक घायल

कोंच(जालौन)- बुधवार की दोपहर हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया। हादसा बख्शेश्वर मंदिर के पास हुआ, जहां अचानक अनियंत्रित हुई बाइक सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से जा टकराई। हादसे में घायल युवक को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, रेहान पुत्र अमजद निवासी पटेल नगर मंडी क्षेत्र में स्थित अपनी दुकान से काशीराम कॉलोनी स्थित अपने कमरे पर जा रहा था। चंदकुआं पर बख्शेश्वर मंदिर के नजदीक उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से जा भिड़ी। टक्कर इतनी तेज थी कि रेहान बाइक समेत सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे उपचार के लिए सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार किया गया।

जनगणना कार्य में दूसरे ब्लॉकों में ड्यूटी लगने से शिक्षिकाएं परेशान, एसडीएम को दिया ज्ञापन

कोंच (जालौन)- जनगणना जैसे सरकारी कार्य में लगाई गई परिषदीय शिक्षिकाओं ने नौकरी तैनाती वाले ब्लॉक के बजाए अन्य दूसरे ब्लॉकों के गांवों में ड्यूटी लगाए जाने पर गुस्सा जाहिर करते हुए एसडीएम से ड्यूटी परिवर्तित किए जाने की मांग की है। ब्लॉक कोंच एवं नदीगांव के अलग-अलग गांवों में स्थित परिषदीय स्कूलों में पदस्थ तमाम शिक्षिकाओं ने बुधवार को एसडीएम ज्योति सिंह को दिए ज्ञापन में कहा कि जनगणना कार्य में उनकी ड्यूटी अन्य दूसरे ब्लॉकों के गांवों में लगा दी गई है जिससे उन्हें भारी परेशानी उठानी पड़ेगी। इन शिक्षिकाओं ने मांग की है कि उनकी ड्यूटी उनके तैनाती वाले गांवों अथवा ब्लॉक के ही आसपास के गांवों में लगाई जाए, साथ ही जिन शिक्षिकाओं के बच्चों की आयु अभी सिर्फ एक वर्ष है ऐसी शिक्षिकाओं को जनगणना कार्य से मुक्त रखा जाए। ज्ञापन देने वाली शिक्षिकाओं में ब्लॉक अध्यक्ष नदीगांव उपमा निरंजन, प्रिया अग्रवाल, निधि गुप्ता, अंजना बादल, शशिप्रभा, पारुल गुप्ता, संतोषी यादव आदि शामिल रही।

रेणुका नदी का जर्जर पुल बड़े हादसे को दे रहा न्योता, सयूस प्रदेश सचिव ने ज़िलाधिकारी को सौपा ज्ञापन

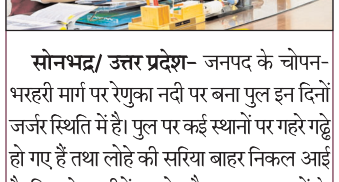

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- जनपद के चोपन-भरहरी मार्ग पर रेणुका नदी पर बना पुल इन दिनों जर्जर स्थिति में है। पुल पर कई स्थानों पर गहरे गढ्ढे हो गए हैं तथा लोहे की सरिया बाहर निकल आई है, जिससे राहगीरों, छात्रो और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। जिसके क्रम में समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश सचिव प्रदीप यादव ने इस समस्या को लेकर जिलाधिकारी को पत्र देकर अवगत कराया है और शीघ्र मरम्मत की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग क्षेत्र का प्रमुख संपर्क मार्ग है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं, लेकिन पुल की खराब स्थिति के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते पुल की मरम्मत नहीं कराई गई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल संज्ञान लेकर पुल की मरम्मत कराने की मांग की है। इसमे प्रदीप यादव, रोहन, वीरेंद्र, मदन, जितेंद्र, लल्लू, दिनेश, गोलू आदि उपस्थित रहे।

निःशुल्क योग कक्षा में सम्मान समारोह, मुकेश साहू बने को-चेयरमैन

ललितपुर। पतंजलि युवा भारत योग समिति, ललितपुर द्वारा संचालित निःशुल्क योग कक्षा में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योगाचार्य मुकेश साहू एडवोकेट को कर अधिवक्ता संगठन लखनऊ-झांसी जोन (झांसी, महोबा, ललितपुर, उरई, चित्रकूट, हमीरपुर, बांदा) का को-चेयरमैन नियुक्त होने पर योग साधकों द्वारा तिलक लगाकर एवं फूल मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर योगाचार्य मुकेश साहू एडवोकेट ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें प्रदेश नेतृत्व द्वारा जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे सदैव अधिवक्ताओं के हितों के लिए कार्य करते रहेंगे। साथ ही उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष श्री राजपाल यादव एडवोकेट, कर अधिवक्ता संघ ललितपुर के अध्यक्ष रूपनारायण विश्वकर्मा, पूर्व अध्यक्ष अभय जैन एडवोकेट सहित सभी अधिवक्ता साथियों का आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने राजकीय मेडिकल कॉलेज लोढ़ी का किया औचक निरीक्षण, दिये व्यवस्थाओं को सुधारने के निर्देश

● मेडिकल कॉलेज में विद्युत आपूर्ति निर्बाध रूप से की जाये सुनिश्चित-जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बुधवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज लोढ़ी का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एल0-1 एवं एल0-2 अस्पतालों में भर्ती मरीजों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं तथा उपचार व्यवस्था के संबंध में संबंधित चिकित्सकों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी द्वारा मेडिकल कॉलेज परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था को और बेहतर बनाने हेतु निर्देशित किया गया, उन्होंने कहा कि स्वच्छता में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने अधिशासी अभियंता (विद्युत) को निर्देशित करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज परिसर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाये व मेडिकल कालेज में विद्युत आपूर्ति से सम्बन्धित किसी प्रकार की समस्या होने पर उसका तत्काल निराकरण किया जाये।उन्होंने चेतावनी दी कि विद्युत आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा आने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान अधिशासी अभियन्ता विद्युत द्वारा बताया गया कि मेडिकल कॉलेज हेतु एक नया फीडर तैयार किया गया है, जो शीघ्र ही संचालन में आ जाएगा। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों द्वारा नर्सिंग स्टाफ एवं डॉक्टरों की कमी की समस्या से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया, इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि इस संबंध में उच्च स्तर पर पत्राचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि स्टाफ की कमी को शीघ्र दूर किया जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि मेडिकल कॉलेज में आने वाले सभी मरीजों को शासन की मंशा के अनुरूप निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए।आगे उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज को इलाज में अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पूजा यादव नामक मरीज के परिजन से मोबाइल पर वार्ता कर ब्लड जॉच की रिपोर्ट समय से प्राप्त होने के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की, जिस पर सम्बन्धित मरीज द्वारा समय से रिपोर्ट मिलने की पुष्टि की गयी। इस दौरान जिलाधिकारी ऑक्सीजन प्लान्ट का जायजा लिया और सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 पंकज राय, डॉ0 सुधीर प्रभारी प्रधानाचार्य मेडिकल कालेज, डॉ0 डी0 के0 सिंह सी0एम0एस0, डॉ0 अमृत राय, डॉ0 अवनीश शाह, डॉ0 प्रशान्त शुक्ला, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केन्द्र पर एक्सपायर्ड पोषाहार का वायरल दावा निकला निराधार

● जांच में नहीं मिली कोई गड़बड़ी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करते डीपीओ

ललितपुर। जिले के आंगनबाड़ी केन्द्र बंट पर एक्सपायर्ड पोषाहार वितरण के सोशल मीडिया पर वायरल हुए दावे विभागीय जांच में पूरी तरह निराधार साबित हुए हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा की गई औचक जांच में केन्द्र पर कहीं भी एक्सपायर्ड पोषाहार नहीं पाया गया। बताया गया कि 27 अप्रैल 2026 को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए थे, जिनमें केन्द्र पर एक्सपायर्ड पोषाहार बांटे जाने का आरोप लगाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी ने 28 अप्रैल को स्वयं मौके पर पहुंचकर जांच की।

जांच में सामने आया कि केन्द्र पर मार्च 2026 का टीएचआर स्टॉक शेष था। मार्च माह में कुल 117 लाभार्थियों के लिए पोषाहार आपूर्ति की गई थी, जिसमें से 40 लाभार्थियों को उसी माह एफआरएस के माध्यम से वितरण कर दिया गया था। वहीं 28 अप्रैल तक 57 लाभार्थियों को पोषाहार दिया जा चुका था।

निरीक्षण के दौरान ही बाल विकास परियोजना कार्यालय, बिरधा की दो मुख्य सेविकाओं की निगरानी में 28 और 29 अप्रैल को शेष लाभार्थियों को भी पोषाहार का वितरण पूरा करा दिया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में आंगनबाड़ी केन्द्रों पर केवल रेसिपी बेस्ड अनुपूरक पोषाहार जैसे आटा-बेसन हलवा, आटा-बेसन बर्फी प्रीमिक्स, दलिया-मूंग दाल खिचड़ी एवं एनर्जी डेंस हलवा की ही आपूर्ति की जा रही है।

गेहूं की दलिया, चने की दाल या रिफाइंड खाद्य तेल की आपूर्ति फिलहाल नहीं की जा रही है। विभाग ने सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि पोषाहार प्राप्त होते ही एक सप्ताह के भीतर एफआरएस के माध्यम से सभी पंजीकृत लाभार्थियों को वितरण सुनिश्चित करें। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कार्यकत्री के साथ-साथ मुख्य सेविका और परियोजना अधिकारियों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विद्युत विजिलेंस टीम ने चलाया चेकिंग अभियान, एक घर में बिजली चोरी पकड़ी

कोंच(जालौन)- प्रचंड गर्मी के बीच विद्युत विजिलेंस टीम खासी सक्रिय नजर आ रही है। लगातार नगर में छापा मार रही विजिलेंस टीम ने बुधवार की सुबह भी मोहल्ला आजाद नगर में छापेमारी की जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, विद्युत विजिलेंस प्रभारी जेई प्रमोद कुमार एवं इंस्पेक्टर मुहम्मद आसिफ के नेतृत्व में टीम के सदस्यों ने मोहल्ले के कई घरों में विद्युत कनेक्शनों की जांच की और मीटरों की स्थिति का निरीक्षण किया। जांच के दौरान एक उपभोक्ता के घर में बिजली चोरी का मामला पकड़ में आया। टीम ने उक्त घर में बिजली केबल बाईपास कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग होना पकड़ा जिसके बाद टीम ने उक्त घर का बिजली कनेक्शन काट दिया और संबंधित उपभोक्ता के खिलाफ जरूरी कार्रवाई शुरू कर दी। जेई ने कहा है कि बिजली चोरी रोकने और राजस्व हानि कम करने के उद्देश्य से चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग कर निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए समय से बिल की अदायगी करें।

जनगणना 2027 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

महराजगंज। जिले में नगर पंचायत पनियरा, परतावल एवं चौक बाजार, जनपद महराजगंज मे जनगणना 2027 के अंतर्गत संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण नगर पंचायत पनियरा, परतावल एवं चौक बाजार में किया गया। निरीक्षण के समय प्रशिक्षण कार्य सुचारू रूप से संचालित पाया गया। फील्ड ट्रेनर द्वारा प्रगणकों एवं सुपरवाइजर्स को डिजिटल जनगणना से संबंधित समस्त प्रक्रियाओं की जानकारी दी जा रही थी तथा प्रतिभागियों को मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा प्रविष्टि, स्व-गणना एवं मकान गणना की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला ने लगाई फांसी, दो मासूमों पर टूटा दुखों का पहाड़

कोन/सोनभद्र- स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुड़वा के टोला घनकीकहुवा गांव में सोमवार सुबह उस समय मातम पसर गया, जब एक विवाहिता ने कथित रूप से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की खबर फैलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई और लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार आरती देवी (27) पत्नी प्रदीप ने सुबह लगभग 6 बजे अपने घर में अज्ञात कारणों से फांसी लगा ली। चीख पुकार सुनकर प्रदीप के बड़े भाई की लड़की पहुंची और गाँव वालों की इसकी सूचना दी तब तक उसके प्राण पखेरू हो गए। बतादें कि घटना के समय मृतिका के दो बच्चे अंशू वर्ष लगभग -3 वर्ष, बालिका उम्र लगभग 6 माह साथ में थे और दूसरे कमरे में मृतक पति के भाई की लड़की मौजूद थी और सास बाहर गाँव में गई थी। मृतिका का पति और उनका भाई दोनों बाहर मजदूरी करने गये हुए हैं। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना कोन पुलिस की दी। बताया जाता है कि मृतका के पति प्रदीप की यह तीसरी शादी थी और आरती देवी की दूसरी शादी है। मृतिका अपने पीछे दो छोटे-छोटे मासूम बच्चों को छोड़ गई हैं, जिनके सिर से मां का साया उठ गया है। घटना के बाद बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही मृतका के पिता रामकेश निवासी रन्नु, दुद्धी मौके पर पहुँच कर घटना की जानकारी लिया।वहीं गांव में शोक और संवेदना का माहौल बना हुआ है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके। इस दर्दनाक घटना ने न सिर्फ एक परिवार को झकझोर दिया है, बल्कि पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता दिलाने की मांग की है।

जुआ के बड़े फड़ पर छापा मारकर पुलिस ने दबोचे 10 जुआरी, 1.68 लाख बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कोतवाली पुलिस ने जुए के एक बड़े फड़ पर छापा मारकर 10 जुआरियों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मालफड़ सहित जुआरियों की जामातलाशी में 1 लाख 68 हजार रुपए बरामद किए हैं। मौके से 11 बाइक और 6 मोबाइल फोन भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिए हैं। गिरफ्तार सभी जुआरियों के विरुद्ध दफा 13 जुआ अधिनियम में मामला दर्ज कर पुलिस ने इनका चालान कर दिया है। एक जुआरी मौके से भागने में कामयाब हो गया है।

जानकारी के अनुसार, नगर क्षेत्र में लंबे समय से जुए का बड़ा फड़ सजने और आसपास के तमाम नामचीन एवं बड़े जुआरियों के फड़ पर आकर लाखों रूपये की बाजी लगाने की सूचना पुलिस को मिल रही थी। संगठित अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध एसपी के निर्देश और सीओ परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार की शाम कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह ने उप निरीक्षक शुभम सिंह परिहार, शिवनारायण, सुमित पांडेय, हे.का. अवनीश कुमार, अभिषेक भदौरिया, कांस्टेबल दीपक कुमार, धर्मराज, नितीश कुमार, राहुल सिंह, हरवंत सिंह के साथ मिलकर कोतवाली क्षेत्र के नगेपुरा मौजे में एक स्थान पर सजाए गए जुए के फड़ पर छापा मारा। पुलिस को देख मौके पर जुआरियों में हड़कंप मच गया और जुआरी भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस ने जुआ खेल रहे दंगल सिंह गोखले नगर, छोटू पटैरया गोखले नगर, अनुराग गांधीनगर, देवेश ग्राम साकिन, रामराजा नया पटेल नगर, अजय ग्राम खरुसा, मोहित गांधीनगर, गजेंद्र जयप्रकाश नगर, नृपेंद्र गांधीनगर,

अहमद खां आजाद नगर को पकड़ लिया। पुलिस ने मालफड़ से 1 लाख 49 हजार 700 और जुआरियों की जामातलाशी में 18 हजार रुपए बरामद किए हैं। मौके से 11 बाइक और 6 मोबाइल फोन भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिए हैं। पुलिस ने उपरोक्त सभी जुआरियों के विरुद्ध दफा 13 जुआ अधिनियम में मामला दर्ज कर चालान कर दिया है। वहीं मौके से फरार हुए जुआरी राहुल तिलक नगर को पकड़ने में पुलिस जुटी है।

डीएम ने किया निपुण भारत और जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

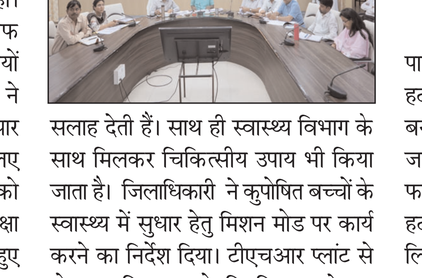

महराजगंज। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा द्वारा समीक्षा बैठक में कायाकल्प द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में किये जाने वाले सुधार, बच्चों की उपस्थिति, पठन पाठन की गुणवत्ता, सैम मैम बच्चों के पोषण स्तर, मातृ वंदन योजना सहित अन्य विषयों की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी द्वारा कायाकल्प अभियान के तहत भवनों की मरम्मत व निर्माण में देरी पर असंतोष व्यक्त करते हुए जल्द से जल्द असंतृप्त मानकों पर कार्यों को पूर्ण कराने का निर्देश दिया। बीएसए ने बताया कि गत माह में 291 दिव्यांग शौचालय असंतृप्त थे, जिसमें 226 अनारंभ हैं। इसी प्रकार 33 चहारदीवारी में सभी अनारंभ हैं। क्लास रूम टाईलीकरण के 59 मामलों में 43 अनारंभ हैं। इसी प्रकार अन्य मानकों में भी अपेक्षित प्रगति न होने पर जिलाधिकारी महोदय ने कड़ा निर्देश देते हुए कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के असंतृप्त बिंदुओं पर विद्यालयों को जल्द से जल्द संतृप्त करें। आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका का उपयोग बेहद कम होने पर बीईओ लक्ष्मीपुर, सिसवा, नौतनवा और परतावल को स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया। लक्ष्मीपुर में संदर्शिका का उपयोग मात्र 23% रहा, सिसवा का 38% और नौतनवा व परतावल का 43% रहा। जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि डीटीफ और बीटीफ द्वारा नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण किया जाए। जिलाधिकारी ने बच्चों के लर्निंग आउटकम में प्रभावी सुधार हेतु निर्देशित किया। कहा कि इसके लिए जिम्मेदारी तय करते हुए सुधार को सुनिश्चित कराएं। उन्होंने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को प्रभावी पर्यवेक्षण करते हुए विद्यालयों के शिक्षण परिवेश में गुणात्मक सुधार का निर्देश दिया।

जिला पोषण समिति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने सैम व मैम बच्चों के पोषण की जानकारी ली। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अवगत कराया कि जनपद में 478 बच्चे सैम और 2638 बच्चे मैम के रूप में चिन्हित हैं। जिनके पोषण में सुधार के लिए एनआरसी के लिए संदर्भित किया जाता है। इसके अलावा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां गृह भ्रमण कर उचित पोषण हेतु सलाह देती हैं। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर चिकित्सीय उपाय भी किया जाता है। जिलाधिकारी ने कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु मिशन मोड पर कार्य करने का निर्देश दिया। टीएचआर प्लांट से पोषाहार वितरण को नियमित करने का निर्देश दिया। पीएम मातृवंदन योजना में अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं का रजिस्ट्रेशन कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य और शिक्षा शासन की शीर्ष प्राथमिकता है। इसीलिए सभी विभाग समन्वित रूप से प्रयास करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी महेंद्र कुमार सिंह, डीडीओ बी. एन. कन्नौजिया, डी.सी. एनआरएलएम,डीपीआरओ, जिला कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाओ अभियान पर उठे सवाल

● छोटे दुकानदारों पर सख्ती, बड़े पर मेहरबानी के आरोप

अतिक्रमण हटाती नपा टीम और सड़क पर दुकानदारों का अतिक्रमण

ललितपुर। शहर में बुधवार को नगर पालिका परिषद द्वारा चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान में गहमा-गहमी का माहौल बना रहा। दुकानदारों ने आरोप लगाया कि जहां एक ओर अभियान के तहत सब्जी, फल, चाय की गुमटियों और छोटे ठेलों को हटाकर उनका सामान ट्रैक्टर-ट्रॉली में भर लिया गया, वहीं दूसरी ओर बड़े दुकानदारों द्वारा नालियों पर किए गए पक्के अतिक्रमण पर कार्रवाई न होने से भेदभाव के आरोप तेज हो गए हैं। अभियान के दौरान सावरकर चौक से कटरा बाजार मार्ग पर रोजाना 10 से 15 फीट तक फैले अतिक्रमण पर किसी भी अधिकारी-कर्मचारी की नजर न पडना स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। छोटे दुकानदारों का आरोप है कि प्रशासन केवल कमजोर वर्ग पर ही कार्रवाई कर रहा है, जबकि प्रभावशाली लोगों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

सदर कांटा क्षेत्र में दिखा विरोध

सदर कांटा इलाके में अवैध रूप से लगाई गई सब्जी दुकानों पर जब कार्रवाई हुई, तो वहां मौजूद महिला दुकानदार ने नाराजगी जताते हुए नपा कर्मियों को चेतावनी तक दे डाली। इस दौरान कई छोटे दुकानदारों ने खुद ही अपना सामान हटाना शुरू किया, लेकिन टीम ने मौके पर पहुंचकर जब्तीकरण की कार्रवाई तेज कर दी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई जगह दुकानदार अपने सामान को बचाने के लिए छीना-झपटी करते नजर आए।

निरीक्षण के बाद शुरू हुई कार्रवाई

जानकारी के अनुसार, मंगलवार देर शाम प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर में पैदल निरीक्षण कर सड़क चौड़ीकरण की योजना तैयार की थी। उसी के तहत बुधवार को अभियान को अमलीजामा पहनाया गया।

निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

स्थानीय व्यापारियों और गुमटी संचालकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान बिना किसी भेदभाव के चलाया जाए। उनका कहना है कि यदि कार्रवाई हो तो सभी पर समान रूप से हो, ताकि न्यायसंगत व्यवस्था बनी रहे।

वूमेन्स खेलो इंडिया वॉलीबॉल लीग का आयोजन आज

ललितपुर। नारी शक्ति के सम्मान एवं महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में एवं उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के सहयोग से वूमेन्स खेलो इंडिया वॉलीबॉल लीग का आयोजन 30 अप्रैल 2026 को जीजीआईसी में किया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में शकुंतला कुशवाहा उपस्थित रहेंगी, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जीजीआईसी प्रधानाचार्या अंजना वर्मा करेंगी।

आयोजन समिति के अनुसार इस प्रतियोगिता में जनपद के सभी स्कूल, कॉलेज, खेल अकादमियों एवं इच्छुक टीमों को आमंत्रित किया गया है। प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। आयोजकों ने सभी टीमों से समय रहते अपनी प्रविष्टि सुनिश्चित कर अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारी सुखसाहब यादव, माधव सेन, अनुज गौतम सहित समस्त सदस्य सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष शुभांशु अवस्थी एवं सचिव कपिल दुबे ने बताया कि यह आयोजन जनपद में महिला खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सुम्मेरा तालाब पर म्यूजिकल फाउंटेन का भव्य उद्घाटन, शहर को मिला नया आकर्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नगर पालिका परिषद द्वारा शहर की सुंदरता और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सुम्मेरा तालाब पर स्थापित म्यूजिकल फाउंटेन और मंदिर के पास घाट पर श्रद्धालुओं के लिए टीन शेड का भव्य उद्घाटन सदर विधायक रामरतन कुशवाहा द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूरा क्षेत्र उत्सव जैसा माहौल लिए हुए नजर आया और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्य अतिथि सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने फीता काटकर इसे जनता को समर्पित किया। मौके पर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश, जिलाध्यक्ष हरीशचंद्र रावत, नपाध्यक्ष सोनाली जैन, प्रदीप चौबे, श्रीकांत सहित कई गणमान्य व्यक्ति, पार्षदगण और शहर के वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। विधायक ने कहा कि सुम्मेरा तालाब पर म्यूजिकल फाउंटेन का निर्माण शहर के विकास की दिशा में एक सराहनीय कदम है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने नगर पालिका की इस पहल की प्रशंसा की। नपाध्यक्ष ने बताया कि सुम्मेरा तालाब लंबे समय से शहर की पहचान रहा है और अब यहां म्यूजिकल फाउंटेन स्थापित होने से इसकी महत्ता और भी बढ़ गई है। उपस्थित अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए नगर पालिका के प्रयासों की सराहना की। जिला अध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार के विकास कार्य शहर को नई पहचान देते हैं और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। स्थानीय नागरिकों ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सुम्मेरा तालाब पर इस प्रकार की सुविधा पहले कभी नहीं थी। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

ललितपुर पुलिस की कार्रवाई

ललितपुर। जिले में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मदनपुर और थाना तालबेहट पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह के पर्यवेक्षण में चल रहे अभियान के क्रम में थाना मदनपुर पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इनमें मुलायम सिंह पुत्र सन्तू निवासी ग्राम मदनपुर तथा कपूर सिंह पुत्र नवल सिंह निवासी ग्राम पहाड़ी कला शामिल हैं। दोनों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम से संबंधित मामलों में वारंट जारी थे। वहीं थाना तालबेहट पुलिस ने एक अन्य वारंटी अभियुक्त भागीरथ निवासी ग्राम खांदी मजरा दरदरी को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ भादवि की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज था। गिरफ्तार किए गए सभी अभियुक्तों को नियमानुसार संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक थाना तालबेहट मनोज मिश्रा एवं थानाध्यक्ष मदनपुर राजपाल सिंह अपनी टीम के साथ शामिल रहे। पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

नौ मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

● 18 पीठों का गठन, प्री-ट्रायल सिटिंग के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आगामी 9 मई 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में इस लोक अदालत को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक वादों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से कुल 18 पीठों (बेंच) का गठन किया गया है। प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश अशोक कुमार सिंह-सप्तम द्वारा 22 अप्रैल 2026 को जारी आदेश में सभी पीठों को निर्देशित किया गया है कि वह लोक अदालत से पूर्व कम से कम पांच प्री-ट्रायल सिटिंग आयोजित करें, जिससे अधिकाधिक मामलों का निस्तारण सुनिश्चित हो सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी संबंधित अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं आमजन से अपील की है कि वह राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराकर इस पहल को सफल बनाएं। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक रिकवरी, एन.आई. एक्ट, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद, उत्तराधिकार, आपराधिक शमनीय वाद एवं अन्य दीवानी मामलों का निपटारा किया जाएगा।

18 पीठों का गठन इस प्रकार किया गया

पीठ 1 में अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह-सप्तम, सदस्य विजय नारायण गोस्वामी, पीठ 2 में अध्यक्ष नन्द प्रताप ओझा, सदस्य प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, पीठ 3 में अध्यक्ष राकेश वर्मा, सदस्य अनिल यादव, पीठ 4 में अध्यक्ष यादवेन्द्र सिंह, सदस्य कुलदीप श्रीवास्तव, पीठ 5 में अध्यक्ष विकास कुमार-द्वितीय, सदस्य रामलखन यादव, पीठ 6 में अध्यक्ष सुनील सिंह, सदस्य स्वतंत्र व्यास (बैंक रिकवरी मामले), पीठ 7 में अध्यक्ष नीरज कुमार महाजन, सदस्य पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, पीठ 8 में अध्यक्ष चन्द्रगुप्त यादव, सदस्य रामपाल सिंह, पीठ 9 में अध्यक्ष नवनीत कुमार भारती, सदस्य विजय कुमार सिंह (बीएसएनएल/इंश्योरेंस व बैंक रिकवरी मामले), पीठ 10 में अध्यक्ष मयंक जायसवाल, सदस्य शेरसिंह यादव (एन.आई. एक्ट व आपराधिक शमनीय वाद), पीठ 11 में अध्यक्ष रविशंकर गुप्ता, सदस्य शशिकांत (एन.आई. एक्ट व आपराधिक शमनीय वाद), पीठ 12 में अध्यक्ष नवीन कुमार-1, सदस्य कुन्दन सिंह, पीठ 13 में अध्यक्ष अदिती जैन, सदस्य रविन्द्र प्रताप सिंह (आपराधिक शमनीय वाद व अन्य दीवानी वाद), पीठ 14 में अध्यक्ष सुश्री स्वेता यादव-द्वितीय, सदस्य श्रीमती निधि कुमारी सहरिया (उत्तराधिकार, आपराधिक शमनीय वाद व अन्य दीवानी वाद), पीठ 15 में अध्यक्ष श्रीमती राखी भदौरिया, सदस्य आकाश कुमार, पीठ 16 में अध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव, सदस्य अमित बुन्देला (आपराधिक शमनीय वाद), पीठ 17 में अध्यक्ष सुश्री शिल्पी सिंह, सदस्य बादाम सिंह (उत्तराधिकार, आपराधिक शमनीय वाद व अन्य दीवानी वाद), पीठ 18 में अध्यक्ष नवीन कुमार-द्वितीय, सदस्य नरेन्द्र कुमार को शामिल किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

कोर्ट की फटकार पर दर्ज हुआ मारपीट व एससीएसटी का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। कोर्ट की फटकार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एससीएसटी व मारपीट तथा तोडफोड का मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के परसपुर गांव निवासी रवि कुमार कोरी के अनुसार वह राज मिस्त्री है। पीड़ित का आरोप है कि उसने पड़ोसी गांव समापुर निवासी ओमप्रकाश के यहां चार लेवर के साथ 45 दिनों तक काम किया। पीड़ित का आरोप है कि बीती तीन जनवरी को किये गये काम का पैसा मांगने गया तो ओमप्रकाश ने अपने पुत्रों प्रमोद व रज्जन उर्फ राजकुमार के साथ मिलकर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गालीगलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़ित को मारापीटा व उसका दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत कोतवाली में तथा बाद में एसपी के यहां भी किया। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे परेशान पीड़ित ने कोर्ट में वाद दायर कर न्याय की गुहार की। कोर्ट की फटकार पर कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

भगवान की शरण में ही है जीव का कल्याण- आचार्य धीरेन्द्र

लालगंज, प्रतापगढ़। बेलहा के हिरऊ का पुरवा में श्रीमदभागवत कथा के शुभारंभ को लेकर बुधवार को श्रद्धालुओ की भीड़ जुटी दिखी। कथाव्यास आचार्य धीरेन्द्रपाल कृष्ण त्रिपाठी जी ने बताया कि शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को श्रीमदभागवत कथा का महत्व समझाते हुए बताया कि भगवान की शरण में ही जीव का कल्याण है। उन्होने कहा कि श्रीमदभागवत कथा मनुष्य को नैतिक जीवन जीने की कला व विधान को समझाया करती है। कथावाचक धीरेन्द्र कृष्ण जी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जी ने जगत में नीति के पालन और धर्म पथ पर अग्रेतर बने रहने की जीव को सांसारिक माया से मुक्त का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होने कहा कि भगवान की कथा संसार को चरित्र और संस्कार के साथ सत्य के धर्म के अनुशरण की प्रेरणा दिया करती है। कथा के दौरान भगवान के सुमधुर भजनों को सुनकर भी श्रद्धालु मंत्रमुग्ध दिखे। शुभारंभ पर संयोजक रामदुलारे यादव व लक्खू देवी तथा मिथलेश, कमलेश यादव, विपिन यादव ने भगवान की विधिविधान से पूजा अर्चना की। इस मौके पर समाजसेवी पप्पू तिवारी, राजाराम यादव, विजयपाल यादव, केशवदत्त पाण्डेय, श्याम नारायण तिवारी, अतुल शुक्ला, राममिलन यादव, रामबरन यादव, बाल मुकुन्द, आचार्य पवन द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

शरद परमार, दीपक त्रिपाठी व श्याम बाबू शर्मा क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त -भिखारी प्रजापति

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने हिंदुत्व पुनर्जागरण अभियान के महानायक गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी योगी महाराज के मिशन को और गति देने के लिए हस्तिनापुर व ब्रज संभाग के लिए शरद परमार(हाथरस) को क्षेत्रीय अध्यक्ष तथा राजेंद्र शर्मा (गाजियाबाद) को क्षेत्रीय महामंत्री के पद पर नियुक्त किया है। काशी व प्रयाग संभाग के क्षेत्रीय अध्यक्ष पद पर दीपक त्रिपाठी (झांसी) तथा क्षेत्रीय महामंत्री के पद पर राजू सिंह प्रधान (सोनभद्र) को नियुक्त किया है। गोरक्ष व अवध संभाग के अध्यक्ष पद श्याम बाबू शर्मा (गोरखपुर) तथा श्रीवंत तिवारी क्षेत्रीय महामंत्री (लखनऊ) को नियुक्त किया है। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के यशस्वी प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना ने कहा कि क्षेत्रीय अध्यक्षों को अपने संभाग व मंडल प्रभारियों से राय परामर्श कर नियुक्ति, निष्कासन व पद परिवर्तन पूरा का पूरा अधिकार है। प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों, प्रदेश पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों, मंडल प्रभारियों व जिला अध्यक्षों के संपर्क में रहकर कार्यक्रम को हर स्तर पर सफल बनाने की जिम्मेदारी भी है।

मोहिनी एकादशी पर बांकेबिहारी मंदिर पहुंचे गोविंदा, भक्तों में मची सेल्फी लेने की होड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वृंदावन। फिल्मी दुनिया से लेकर राजनीति में अपनी छवि बना चुके अभिनेता गोविंदा मोहिनी एकादशी पर जब ठाकुर बांकेबिहारीजी का आशीर्वाद लेने मंदिर पहुंचे तो भक्तों में उनकी दीवानगी सिर चढ़कर बोली। मंदिर परिसर में श्रद्धालु आराध्य बांकेबिहारी के दर्शन छोड़ गोविंदा की ओर पहुंचने को उत्साहित दिखाई दिए तो रास्तों में भी श्रद्धालु और स्थानीय लोगों में उनके साथ सेल्फी लेने, वीडियो बनाने की होड़ लगी रही। भारी सुरक्षाघेरे में गोविंदा ने आराध्य के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

मोहिनी एकादशी पर दर्शन के लिए पहुंचे गोविंदा

फिल्मी अभिनेता गोविंदा सोमवार को मोहिनी एकादशी पर सुबह करीब बाहर बजे ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन को पहुंचे। मंदिर में जब अभिनेता गोविंदा ने एंट्री ली तो पहले से मंदिर प्रांगण में मौजूद श्रद्धालु जो कि ठाकुर बांकेबिहारीजी के दर्शन का आनंद ले रहे थे। अचालक अपने बीच गोविंदा को देखा वे उनके समीप आने को उत्साहित दिखाई दिए।

हर कोई गोविंदा के समीप आकर

सेल्फी लेने की होड़ में दिखाई दिया

हर कोई गोविंदा के समीप आकर सेल्फी लेने की होड़ में दिखाई दिया तो पुलिसफोर्स और उनके निजी सुरक्षाघेरे ने श्रद्धालुओं को समीप आने से रोक दिया। लेकिन, हर किसी की नजर गोविंदा पर जाकर टिक गई। हर श्रद्धालु के मन में एक ही सवाल किस तरह से गोविंदा मंदिर के वीआईपी कटहरा में पहुंचकर आराध्य के दर्शन करते हैं।

करीब 15 मिनट तक मंदिर परिसर में रहे गोविंदा

मंदिर प्रांगण में मौजूद श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी को छोड़ अपनी नजर गोविंदा पर ही टिकाए रखी और करीब पंद्रह मिनट तक गोविंदा मंदिर में रहे तो उनके समीप पहुंचने की होड़ श्रद्धालुओं में देखने को मिली। जब गोविंदा मंदिर से बाहर निकलकर मंदिर सेवायत आचार्य गोपी गोस्वामी की गद्दी पर पहुंचे तो मंदिर की गली में गोविंदा के प्रशंसकों की भीड़ जुट गई। जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद हटाया।

सेवायतों ने गोविंदा को ठाकुरजी का प्रसादी अंगवस्त्र व प्रसाद भेंट किया

अभिनेता गोविंदा ने मंदिर में सेवायत आचार्य गोपी गोस्वामी, श्रीनाथ गोस्वामी द्वारा उच्चरित मंत्रों के मध्य आराध्य बांकेबिहारीजी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। सेवायतों ने गोविंदा को ठाकुरजी का प्रसादी अंगवस्त्र व प्रसाद भेंट किया। इसके बाद कुछ देर के लिए गोविंदा ने आचार्य गोपी गोस्वामी के साथ आध्यात्मिक चर्चा की और गंतव्य को चले गए।

सिद्धार्थनगर में पुलिया के पास मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र के कोइलहरा गांव के नाला के पास पुलिया के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिला है। जिसकी पहचान ग्राम जगदीशपुर राजा के टोला लोधपुरवा निवासी जसवंत लोधी (30) पुत्र शिवकुमार लोधी के रूप में हुई है। जिसका सिर पानी में आंशिक रूप से डूबा हुआ था और शरीर किनारे की ओर पड़ा था।

जो मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे और अपनी पत्नी व दो छोटे बच्चों के साथ अलग रहकर जीवनयापन कर रहे थे। परिजनों के अनुसार, जसवंत मंगलवार की शाम घर से बाजार कुछ सामान लेने के लिए निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे, जिसके बाद परिवार के लोगों ने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका।सुबह गांव के एक व्यक्ति द्वारा पुलिया के पास शव पड़े होने की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे, जहां उनका शव देखकर परिवार में

कोहराम मच गया। तस्वीरों और मौके के हालात से यह प्रतीत होता है कि युवक की बेरहमी से हत्या की गई है, क्योंकि उसके मुंह से खून निकलने के निशान दिखाई दिए और शव की स्थिति भी संदिग्ध रही। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इस मामले में प्रभारी निरीक्षक मुकेश कुमार राय का कहना है कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घर के छप्पर में लगे बांस के सहारे फंदा लगाकर युवक ने दी जान

सिद्धार्थनगर। जिले के खेसरहा थाना क्षेत्र के बदुरगहना गांव में बुधवार की सुबह एक युवक ने फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। जानकारी के अनुसार, बलिराम (40 वर्ष) पुत्र शिवचरन ने सुबह अपने घर के छप्पर में लगे बांस के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या की। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक छा गया। मृतक की पत्नी आरती, माता-पिता और अन्य परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। बलिराम अपने पीछे तीन बच्चों भोला, कृष्णनाथ और बेटी उर्मिला को छोड़ गया है। परिजनों के अनुसार, बलिराम कुछ समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ था और उसका इलाज चल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि इसी मानसिक परेशानी के चलते उसने यह कदम उठाया। सूचना पर खेसरहा पुलिस मौके पर पहुंच कर आवश्यक जांच-पड़ताल की। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस मामले में थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि परिजन पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे, जिसके चलते कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भीषण सड़क हादसे में एक साथ हुई 6 मौतों से मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। पठई-अकोहरी गांव के लिए ये काला दिन है। मुंडन संस्कार से लौट रहे परिवार पर कहर टूट पड़ा। थाना बिहार, सुमेरपुर में हुए हादसे ने पूरे जिले को झकझोर दिया। घटना का विवरण

ग्राम पठई-अकोहरी निवासी सूरज सिंह के बेटे शुभ का मुंडन चंद्रिका देवी धाम बक्सर में था। वापसी में सुमेरपुर के पास बोलेरो की टक्कर में 6 लोगों की मौके पर ही मौत।

मृतक

1. गीता पत्नी नरेंद्र सिंह
2. बिटान पत्नी गुलाब सिंह
3. ज्योती पुत्री गुलाब सिंह
4. सुनीता पुत्री गुलाब सिंह
5. अर्चना बाजपेयी पत्नी रजनीश बाजपेयी
6. चालक रामधनी यादव

गंभीर घायल:

1. सूरज पुत्र नरेंद्र सिंह
2. भारती पत्नी नरेंद्र सिंह
3. गौरी - नरेंद्र की भांजी

सभी को रिफर किया गया। शुभ डॉक्टरों

की देख-रेख में है। प्रशासन एक्शन में सूचना मिलते ही पूर्वा विधायक अनिल सिंह औंर जनप्रतिनिधि पोस्टमार्टम हाउस उन्नाव पहुंचे। स्छरू पुरवा, नायब तहसीलदार, लेखपाल, थानाध्यक्ष को बुलाकर जांच के निर्देश दिए। छ्टरू्स से मिलकर घायलों के इलाज की जानकारी ली। मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना का संज्ञान लिया है। पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन।

मदद और मुआवजा

ऐसे सड़क हादसों में क्कसरकार की तरफ से मृतक आश्रित को 2 लाख रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से गंभीर घायल को 50 हजार रुपये तक मदद निशुल्क इलाज सरकारी अस्पताल में दुर्घटना बीमा अगर वाहन का बीमा है तो अलग क्लेम हम सबकी जिम्मेदारी एक ही परिवार की 4 महिलाओं-बच्चियों का जाना, 3 लोग जिंदगी-मौत से लड़ रहे। ये पहाड़ जैसा दुख है। होनी के आगे हम मजबूर हैं, लेकिन इस वक्त परिजनों के साथ खड़े रहना जरूरी है। परमपिता परमात्मा दिवंगत आत्माओं को शांति दे और घायलों को जल्द स्वस्थ करे। शुभ के सिर से माँ का साया उठ गया, उस बच्चे को हिम्मत मिले।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में वाणिज्य विभाग द्वारा एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा/सोनभद्र- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ओबरा के वाणिज्य विभाग द्वारा बुधवार को विद्यार्थियों के शैक्षणिक कौशल को निखारने के उद्देश्य से हाउ टू राइट अ गुड सर्वे रिसर्च प्रोजेक्ट रिपोर्ट' (एक अच्छी सर्वेक्षण शोध परियोजना रिपोर्ट कैसे लिखें) विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य और संरक्षक डॉ. प्रमोद कुमार की देखरेख में संपन्न हुआ।

मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर विकास कुमार ने तकनीकी सत्र का संचालन करते हुए व्यावहारिक जानकारी दी और बताया कि एक सर्वे रिसर्च प्रोजेक्ट कैसे बनाया जाता है।उन्होंने डेटा कलेक्शन, प्रश्नावली तैयार करने और रिपोर्ट की रूपरेखा तैयार करने की चरणबद्ध प्रक्रिया समझाई।

असिस्टेंट प्रोफेसर ?डॉ. विभा पाण्डेय (आयोजन सचिव) ने शोध की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अकादमिक और व्यावहारिक क्षेत्र में सही शोध किस प्रकार नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। इसी क्रम में वाणिज्य विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ संघमित्रा ने सर्वे के दौरान होने वाली सामान्य गलतियों और गुणवत्तापूर्ण शोध रिपोर्ट लिखने के उन्नत तरीकों पर प्रकाश डाला। छात्रों के प्रोत्साहन के लिए इस सेमिनार में निःशुल्क पंजीकरण की व्यवस्था की गई थी।यह सेमिनार विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास और भविष्य में शोध कार्यों के प्रति उनकी रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

प्रतापगढ़ में बड़ी घटना, मंगेतर ने युवती को पानी में मिलाकर पिलाया जहर

दीवानगंज (प्रतापगढ़)। जनपद में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक युवती की शादी अगले माह यानी मई में होने वाली है। उसके मंगेतर ने उसे चंदकन धाम में मुलाकात के लिए बुलाया। उसके साथ पिता भी गए थे, जिन्हें वापस भेज दिया। मंगेतर जान लेने की नीयत से धोखे से युवती को पानी में जहर मिलाकर पिला दिया। इससे उसकी हालत बिगड़ गई। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं पुलिस ने दो आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कंधई थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती की शादी अंतू के दांदूपुर अहिवरन गांव निवासी रामलाल के पुत्र सचिन पटेल के साथ तय हुई। शादी मई में होनी है। आरोप है कि सोमवार को सचिन ने उनकी बेटी को फोन कर चंदिकन धाम में मिलने के लिए बुलाया। सोमवार दोपहर एक बजे पिता बाइक से बेटी को लेकर चंदिकन धाम पहुंचे। वहां मौजूद सचिन पटेल व उसके साथी ने युवती के पिता से कहा कि आप घर जाइए। मैं शाम तक बेटी को घर छोड़ दूंगा। आरोप है कि घर लौटने के दौरान रास्ते में सचिन ने बिसलेरी की पानी की बोतल में जहरीला पदार्थ मिलाकर युवती को बहाने से पिला दिया और शाम सवा छह बजे घर पर छोड़कर चला गया।

आन बान शान व स्वाभिमान की रक्षा के प्रतीक थे सम्राट पृथ्वीराज राज चौहान- विशाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती पर मीरा भवन चौराहा पर स्थापित भव्य मूर्ति का अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद के जिला अध्यक्ष राम लखन सिंह के नेतृत्व में माल्यार्पण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद बेल्हा प्रतापगढ़ के अध्यक्ष के प्रतिनिधि विशाल विक्रम सिंह मुख्य अतिथि के रुप में पधारे थे। इस अवसर पर अवधेश बहादुर सिंह चौहान- अध्यक्ष क्षत्रिय कल्याण संस्था, राम सेवक सिंह राठौर - संस्थापक सूर्य मंदिर ट्रस्ट, विजय बहादुर सिंह सोलंकी सभासद पूरे केशवराय वार्ड, अनिल कुमार सिंह परमार पूर्व प्रधान भोजपुर बिहारगंज एवं राम समझ भाटी, संतोष कुमार सिंह राठौड़ मदन सिंह राठौड़ रविंद्र सिंह भाटी चंद्रदेव सिंह चौहान संदीप सिंह परमार एडवोकेट एवं दिनेश प्रताप सिंह नगर महामंत्री क्षत्रिय कल्याण परिषद आदि उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि विशाल विक्रम सिंह ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान सूर वीर थी। उन्होंने हिंदुओं एवं अपने साम्राज्य की रखा के अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। उन्होंने हिंदू जनों विशेषकर क्षत्रिय बंधुओं से एकजुट होकर आपस में संगठित और सामंजस्य के साथ आगे बढ़ने और अपनी सामूहिक ताकत बढ़ाने की अपील किया। कार्यक्रम के आयोजक - अमर सिंह भाटी द्य सदस्य सूर्या राजपूत ग्रुप ने कार्यक्रम में शिरकत करने वालों को साधुवाद व्यक्त किया।

भण्डारे में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर पंचायत के दीवानी वार्ड के मनीपुर में श्रीमदभागवत कथा को लेकर बुधवार को हुए भण्डारे में श्रद्धालुओं ने भगवान द्वारिकाधीश का प्रसाद ग्रहण किया। इसके पहले संयोजक पं0 रमाशंकर तिवारी, आनन्द तिवारी, अजय कुमार तिवारी तथा रजनीश तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य मण्डप पूजन किया। आयोजन समिति द्वारा कथाव्यास दण्डी स्वामी विनोदानंद सरस्वती जी महराज को भी माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन उच्च न्यायालय के अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता दयाशंकर तिवारी ने किया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, रामेश्वर प्रसाद तिवारी, संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल तिवारी महेश, शैलेन्द्र तिवारी, रोहित तिवारी, रामकिशोर तिवारी, रामराज तिवारी, कपिल तिवारी, विभाकरनाथ शुक्ल, लालजी त्रिपाठी, डा0 रमाशंकर शुक्ल, शंभूनाथ तिवारी आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने नपा परिषद सिद्धार्थनगर में लगे आरओ/वाटर कूलर का किया औचक निरीक्षण

● तीन दिन के भीतर खराब आरओ/वाटर कूलर को ठीक कराकर चालू कराने का दिए- निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0 एन0 द्वारा भीषण गर्मी के दृष्टिगत आम जनमानस को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराये जाने हेतु नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर द्वारा स्थापित कराये गये आरओ/वाटर कूलर का औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में हाईडिल तिराहा, बुद्ध विद्यापीठ डिग्री कालेज, रोडवेज, हनुमान मंदिर तेतरी बाजार, पेट्रोल पम्प तिराहा एवं साड़ी तिराहा पर स्थापित आरओ/वाटर कूलर को देखा गया। बुद्ध विद्यापीठ डिग्री कालेज, पेट्रोल पम्प तिराहा, साड़ी तिराहा पर स्थापित आरओ/वाटर कूलर चालू हालत में नहीं पाया गया तथा हनुमान मंदिर तेतरी बाजार में एक टोटी खराब पाया गया। जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर का स्पष्टीकरण प्राप्त करने तथा 03 दिवस में खराब आरओ/वाटर कूलर को ठीक कराकर चालू कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने

निर्देश दिया कोई भी आरओ/वाटर कूलर बंद नहीं होना चाहिए जहां भी आरओ/वाटर कूलर खराब अथवा यांत्रिक दोष के कारण बंद हैं उनको शीघ्र ठीक कराकर संचालित करायें जिससे आम नागरिकों को गर्मी में आसानी से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

राम विवाह का प्रसंग सुन भाव- विभोर हुए श्रोता

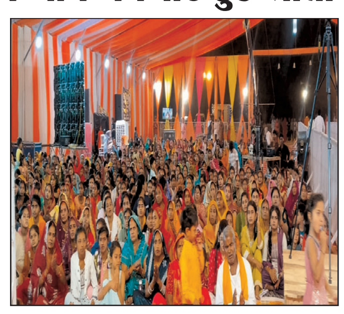

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जनपद बलरामपुर के मधपुर पकड़ी गांव में चल रहे नौ दिवसीय श्रीराम कथा के मंगलवार की रात कथावाचक जगत गुरु स्वामी राम दिनेशाचार्य जी ने भगवान श्रीराम के विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा का रसापान कराते हुए कथा वाचक जगत गुरु स्वामी राम दिनेशाचार्य जी ने कहा कि सीता जी मां गौरी पूजन के लिए फुलवारी से फूल तोड़ने के लिए जाती हैं। उसी फुलवारी में भगवान राम का दर्शन होता है। सीता की नजर राम पर पड़ती है तो वह मोहित हो जाती है। दूसरी तरफ भगवान राम को सीता के नुपुर की आवाज मोहित करती हैं। गौरी की पूजा करते समय सीता जी अपने वर के रूप में राम को मांगती हैं। कथा वाचक जगत गुरु स्वामी राम दिनेशाचार्य जी राम विवाह के दृश्य का रसापान कराते हुए श्रोताओं को बताते हैं कि राजा जनक गुरू विश्वामित्र के साथ राम व लक्ष्मण को धनुष यज्ञ शाला ले गये। यहां पर देश विदेश के राजा सुन्दर सिंहासनों पर विराजमान थे। राजा जनक ने अपनी प्रतिज्ञा के बारे में सभी को अवगत कराया कि जो इस धनुष को तोड़ेगा उसके साथ सीता का विवाह होगा। सभी राजाओं ने बारी -बारी से धनुष तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन सभी असफल रहे। बीर राजा गण के धनुष न तोड़ पाने के कारण निराश राजा जनक को देखकर गुरू विश्वामित्र का इशारा पाकर राम धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाते हैं तो अन्य राजा आश्चर्य चकित हो जाते हैं। धनुष टूटने के बाद राम व सीता एक दूसरे के गले में जयमाल डाल देते हैं। धनुष टूटते ही फूलों की वर्षा शुरू होती है।

इस दौरान पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, लवकुश ओझा ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, फतेहबहादुर सिंह उर्फ पप्पू सिंह, विकास सिंह, अमित कुमार कमलापुरी, रामजी गुप्ता, प्रिंस पाण्डेय, प्रदीप कुमार कसौधन जिला पंचायत सदस्य, तीरथ सिंह, शुभकरण चौधरी, चंद्र प्रकाश गुप्ता, हरिशरण सिंह, मनीष कुमार जायसवाल, धनी राम प्रजापति, सीताराम प्रजापति, पंकज प्रजापति, दया राम प्रजापति, विजय कुमार प्रजापति, सहित भारी संख्या में श्रृद्धालु मौजूद रहे।

दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित 03 वांछित अभियुक्त धूमनगंज पुलिस द्वारा गिरफ्तार

ब्यूरो प्रयागराज। थाना धूमनगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के पंजीकृत मु0अ0सं0-132/2026 धारा-64(2)(रू) /123/351(2) बी0एन0एस0 व 5/6 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित 03 अभियुक्तों 1.नितिन शुक्ला पुत्र रविशंकर शुक्ला निवासी सरोज देवी बालिका इण्टर कालेज के पास झलवा थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज 2.विकाश पाण्डेय पुत्र विवेक पाण्डेय निवासी झलवा थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज 3.वंश यादव पुत्र स्व0 रूप सिंह यादव निवासी झलवा चौराहा आस्था हास्पीटल के सामने थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 29.04.2026 को महिला ग्राम से सुबेदारगंज रेलवे स्टेशन जाने वाले रास्ते के पास थाना क्षेत्र धूमनगंज से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मिशन वात्सल्य के अंतर्गत ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण बैठक आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। निदेशालय महिला कल्याण, उ0प्र0 लखनऊ के निर्देश दिनांक 18 मार्च 2026 एवं जिलाधिकारी शैलेष कुमार के आदेश के क्रम में विकास खण्ड भदोही के ग्राम पंचायत अजयपुर एवं खेमईपुर में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत ग्राम बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ विधि सह परिवीक्षा अधिकारी किरन यादव द्वारा स्वागत के साथ किया गया। उन्होंने ग्राम स्तर पर गठित समितियों के कार्यों एवं उनकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। संरक्षण अधिकारी कु. मीना गुप्ता ने बाल संरक्षण से संबंधित विषयों पर जानकारी देते हुए बाल श्रम उन्मूलन, बाल विवाह निषेध एवं बाल शोषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी एवं एएचटीयू की भूमिका से अवगत कराया तथा ग्राम स्तर पर बाल सभा के गठन पर भी जोर दिया।

श्रीमती रेशमा भारती द्वारा विधि का उल्लंघन करने वाले बच्चों एवं बाल विवाह के दुष्परिणामों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

बैठक में विभाग द्वारा संचालित योजनाओं– बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, विधवा पेंशन योजना एवं स्पॉन्सरशिप योजना–की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों (1098, 112, 1076, 181, 102, 108) के उपयोग के बारे में भी बताया गया।

महिला कल्याण विभाग की निराश्रित महिला पेंशन योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है, जिसके लिए आवेदन जन सेवा केन्द्र अथवा ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकता है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत बालिकाओं के जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक विभिन्न चरणों में आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे बालिका शिक्षा एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलता है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत निराश्रित एवं जरूरतमंद बच्चों को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

बैठक में ग्राम पंचायत स्तर पर जनजागरूकता बढ़ाने, बाल संरक्षण तंत्र को सुदृढ़ करने तथा अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत अजयपुर एवं खेमईपुर में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से 5-5 पौधों का रोपण भी किया गया। इस अवसर पर किरन यादव, मीना गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, रेशमा भारती, सोनी चौरसिया, आलोक कुमार दूबे, अभिषेक यादव सहित ग्राम प्रधान, विद्यालयों के प्रधानाचार्य, आंगनवाड़ी कार्यकत्री एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। जिलाधिकारी के निर्देशन में महिला एवं बाल कल्याण से संबंधित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर जन-जन तक लाभ पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त हुए डीएम, चलेंगे विशेष जांच अभियान

प्रमुख चौराहों पर लगेंगे CCTV कैमरे, ट्रैफिक व्यवस्था होगी मजबूत

बलिया। जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को विकास भवन सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उन्होंने अधिकारियों को रोड सेफ्टी को लेकर कड़े निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि नियमित जांच अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में खास तौर पर स्कूल बसों की सुरक्षा पर जोर दिया गया। डीएम ने सभी स्कूल बसों का फिटनेस टेस्ट अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों की सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक न हो। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य सड़कों के किनारे संचालित विद्यालयों के सामने चेतावनी और सूचना से संबंधित साइन बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग (PWD) को निर्देशित किया गया कि जिले के सभी सरकारी विद्यालयों और अस्पतालों तक पहुंचने वाले मार्गों को सुगम और सुरक्षित बनाया जाए, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।जिलाधिकारी ने जिले के प्रमुख चौराहों पर जल्द से जल्द CCTV कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए, जिससे यातायात व्यवस्था की प्रभावी निगरानी की जा सके और नियमों के पालन को सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में आरटीओ अरुण कुमार राय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

MCD दफ्तर की तीसरी मंजिल से कूदकर ASI ने दी जान, 6 महीने से थे सस्पेंड

दिल्ली। दिल्ली नगर निगम का शाहदरा उत्तरी जोन पिछले डेढ माह से विवादों में बना हुआ है। पहले भष्टाचार के मामलों को लेकर इस जोन के अधिकारी सीबीआई के निशाने पर रहे। अब बुधवार शाम को निगम के निलंबित एएसआई ने ड्यूटी पर बहाल न किए जाने पर तीसरी मंजिल से नीचे कूदगर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान राजकुमार सोलंकी के रूप में हुई है। मृतक के स्वजन का आरोप है कि एएसआई का शव करीब दो घंटे तक फर्श पर पड़ा रहा। किसी ने भी अस्पताल में भर्ती नहीं करवाया। निगम उपायुक्त समेत अन्य अधिकारी मदद करने के बजाय चुपचाप वहां से निकल गए। वेलकम थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। राजकुमार अपने परिवार के साथ सबोली गांव में रहते थे। परिवार में पत्नी व एक बेटा है। राजकुमार निगम के डेम्स विभाग में तैनात थे। मृतक के भाई महेंद्र कुमार ने बताया कि राजकुमार सुंदर नगरी वार्ड में तैनात थे। तीन माह पहले तत्कालीन निगम उपायुक्त अभिषेक मिश्रा ने उन्हें सड़क पर ठीक तरह से सफाई न करवाने के आरोप में निलंबित कर दिया था। उसके बाद से ही राजकुमार परेशान चल रहे थे। वह जोन कार्यालय में निगम उपायुक्त समेत अन्य अधिकारियों के चक्कर लगा रहे थे। आरोप है कि अधिकारी उनसे ड्यूटी पर बहाल करने के लिए रुपये की मांग कर रहे थे। उनके पास रुपये थे नहीं। इस बीच सीबीआई ने चार लाख रुपये की रिश्वत लेने के एक मामले में उपायुक्त कर्नल अभिषेक मिश्रा व प्रशासनिक अधिकारी को गिरफ्तार किया था। इसक बाद राजकुमार नई उपायुक्त ममता यादव के कार्यालय के चक्कर काटने लगे। कोई सुनवाई नहीं हुई। बुधवार को राजकुमार निगम उपायुक्त कार्यालय गए थे। शाम करीब साढ़े चार बजे तीसरी मंजिल से नीचे कूदकर जान दे दी।

जमीन अधिग्रहण को चुनौती देने वाली मदरसा की याचिका खारिज

● हाई कोर्ट ने बताया न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मुरादाबाद के गांव मंगूपुरा में जमीन अधिग्रहण को चुनौती देने वाली मदरसा जामिया अरबिया हयातुल उलूम की याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने दिया है। कोर्ट ने कहा, भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही बहुत पहले ही पूरी हो चुकी है और अब लंबी अवधि बाद हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि एक बार जब भूमि का कब्जा लेकर वह राज्य में निहित हो जाती है, तो उसे अधिग्रहण से मुक्त नहीं किया जा सकता। याची द्वारा बार-बार याचिकाएं दायर करने को अदालत ने न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग माना और याचिका खारिज कर दी। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण ने 'नया मुरादाबाद' योजना के तहत आवासीय और व्यावसायिक कालोनी विकसित करने के लिए 175.44 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया था। मदरसे ने तर्क दिया था कि उसकी भूमि पर 1979-80 से शैक्षणिक संस्थान चल रहा है और अधिग्रहण की कार्यवाही नए भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 की धारा 24(2) के तहत रद हो जानी चाहिए, क्योंकि उन्हें मुआवजा नहीं मिला और भौतिक कब्जा भी नहीं लिया गया। अदालत ने पाया कि याची ने इस अधिग्रहण को चुनौती देने के लिए पहले भी चार बार याचिकाएं दायर की थीं, जो अलग-अलग समय पर निस्तारित अथवा खारिज कर दी गई थीं। प्राधिकरण की दलील थी कि भूमि का कब्जा सात नवंबर 2000 को ही लिया जा चुका था और निर्धारित मुआवजे की राशि भी सरकारी खजाने में जमा करा दी गई थी। यह भी बताया गया कि अधिगृहीत भूमि पर पहले ही एक आवासीय कालोनी विकसित की जा चुकी है और कई लोगों को भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के इंदौर डेवलपमेंट अथारिटी बनाम मनोहर लाल मामले में दिए गए फैसले का हवाला देते हुए कहा कि 2013 के अधिनियम की धारा 24(2) का उपयोग उन मामलों को पुनर्जीवित करने के लिए नहीं किया जा सकता, जो पहले ही समाप्त हो चुके हैं।

सेंट स्टीफंस में भर्ती प्रक्रिया पर रोक

● नैनो मेडिकल संस्थान और विदेशी सेमेस्टर प्रोग्राम को मिली मंजूरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की कार्यकारी परिषद (ईसी) की 1282वीं बैठक बुधवार को कुलपति योगेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें भर्ती, इंफ्रास्ट्रक्चर और अकादमिक सुधारों से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में सबसे बड़ा मुद्दा सेंट स्टीफंस कॉलेज द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में शार्टलिस्टिंग नियमों के उल्लंघन का रहा, जिस पर ईसी ने सख्त रुख अपनाया। ईसी ने पाया कि कॉलेज ने प्रति अनारक्षित पद 70 उम्मीदवारों को शार्टलिस्ट किया, जबकि विश्वविद्यालय के तय नियम के अनुसार पहली रिक्ति के लिए 40 और बाद की रिक्तियों के लिए 20 उम्मीदवारों को ही शार्टलिस्ट किया जाना चाहिए। इसे नियमों के विरुद्ध मानते हुए परिषद ने कॉलेज को फिलहाल नियुक्ति आदेश जारी न करने के निर्देश दिए हैं। मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है, जिसकी अध्यक्षता कुलाधिपति के नामित सदस्य प्रो. इंदर मोहन कपाही करेंगे। समिति में अमन कुमार, डॉ. मोनिका अरोड़ा और डॉ. एल.एस. चौधरी सदस्य होंगे, जबकि संयुक्त रजिस्ट्रार (कॉलेज) सचिव होंगे।

मौरिस नगर में 174.20 करोड़ से बनेगा नया संस्थान

बैठक में मौरिस नगर स्थित इंस्टीट्यूट आफ नैनो मेडिकल साइंसेज के लिए 174.20 करोड़ रुपये की लागत से नए भवन निर्माण को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का काम सीपीडब्ल्यूडी को सौंपा गया है। इसके अलावा, ढाका कॉम्प्लेक्स में स्टूडियो अपार्टमेंट निर्माण के लिए 233.35 करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान को भी मंजूरी दी गई, जबकि दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनामिक्स में दो शैक्षणिक ब्लाकों के निर्माण के लिए संशोधित क्षेत्र स्वीकृत किया गया। ईसी ने विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सेमेस्टर अवे प्रोग्राम शुरू करने के प्रस्ताव पर एक समिति गठित की है, जिसकी अध्यक्षता डीन आफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी करेंगे। इस योजना के तहत डीयू के छात्र एक सेमेस्टर विदेश में पढ़ सकेंगे और वहां अर्जित क्रेडिट उनकी डिग्री में जोड़े जाएंगे।

महाराष्ट्र में ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य

मुंबई। महाराष्ट्र में ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी सीखना अनिवार्य होगा, हालांकि लाइसेंस वाले ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों को राहत दी गई है। मराठी नहीं जानने पर तत्काल लाइसेंस रद करने के नियम को सरकार ने रोक दिया है। प्रदेश सरकार के मंत्री प्रताप सरनाइक ने मंगलवार को बताया कि महाराष्ट्र परिवहन विभाग एक मई से 15 अगस्त तक विशेष सत्यापन अभियान शुरू करेगा, ताकि राज्य में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य बनाने के निर्णय का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। मंत्री ने स्पष्ट किया कि आटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य करने का नियम लागू हो रहा है, लेकिन तुरंत लाइसेंस रद करने के बजाय ड्राइवरों को मराठी सिखाने के लिए प्रशिक्षित करने पर जोर दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि आटो और टैक्सी यूनियनों के प्रतिनिधियों ने इस निर्णय को पूर्ण समर्थन दिया है।राज्य के सभी 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) में अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रविंद्र गायकवाड़ की अध्यक्षता वाली समिति की निगरानी में अभियान अभियान चलाया जाएगा।

प्रयागराज में ट्रक ने बोलेरो में मारी टक्कर

बाल-बाल बचे भाजपा विधायक पीयूष रंजन

दुर्घटना/हादसा

प्रयागराज। भाजपा विधायक पीयूष रंजन निषाद के काफिले में सोमवार की रात एक ट्रक घुस गया और उनकी बोलेरो क्षतिग्रस्त हो गई। विधायक और उनके सुरक्षाकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेते हुए मीरजापुर निवासी चालक विराट मौर्या को गिरफ्तार कर लिया है।करछना के विधायक पीयूष रंजन सोमवार रात करीब साढ़े 11 बजे अरैल बांध रोड पर एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान तेज रफ्तार एक ट्रक काफिले में घुस आया और उनकी बोलेरो में जोरदार टक्कर मार दी। सुरक्षाकर्मियों ने ट्रक को घेर लिया। विधायक का कहना है कि यह सुनियोजित तरीके से हमले का प्रयास है। इससे पहले अप्रैल 2025 में भी उनके काफिले के साथ इस तरह की घटना हो चुकी है।एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह का कहना है कि विधायक की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है। ट्रक को कब्जे में लेते हुए उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्रियांश आर्य के छक्के से फैन घायल

● चेहरे से बहा खून; स्टैंड्स में मची अफरा-तफरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुल्लांपुर में खेले गए मुकाबले के दौरान एक दर्दनाक घटना देखने को मिली। पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य के जोरदार छक्के से स्टैंड में बैठे एक बुजुर्ग फैन के चेहरे पर गेंद जा लगी, जिससे वह घायल हो गए।

प्रियांश आर्य के छक्के से बुजुर्ग फैन घायल

ये घटना मैच के दूसरे ओवर में हुई, जब नांद्रे बर्गर गेंदबाजी कर रहे थे। प्रियांश आर्य ने लंबा शॉट खेला, लेकिन गेंद सीधे दर्शक दीर्घा में बैठे बुजुर्ग फैन के चेहरे पर जा लगी। टक्कर इतनी तेज थी कि उनके चेहरे से तुरंत खून बहने लगा और शर्ट भी खून से लाल हो गई। आसपास बैठे दर्शकों ने तुरंत मदद की और बाद में उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

राजस्थान ने पंजाब को उसके घर पर रौंदा

वहीं मैच की बात करें तो प्रियांश आर्य ने तेजतर्रार बल्लेबाजी करते हुए 11 गेंदों में 29 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और एक छक्का शामिल रहा। हालांकि वह ज्यादा देर टिक नहीं सके और तीसरे ओवर में जोफ्रा आर्चर का शिकार बन गए। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 222 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। मार्कस स्टोइनिस ने सिर्फ 22 गेंदों में नाबाद 62 रन ठोके, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 59 रन की शानदार पारी खेली।

सोनी पल पर शुरू हो रही साहस और भक्ति के प्रतीक 'संकट मोचन हनुमान

● इस महाकाव्य के केंद्र में भक्ति, शक्ति और साहस के सच्चे 'सुपरहीरो' भगवान हनुमान हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी की रिपोर्ट

ब्यूरो प्रयागराज। भारत का लोकप्रिय एंटरटेनमेंट चैनल सोनी पल, जो अलग-अलग प्रकार के कार्यक्रमों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है, ने गर्व और उत्साह के साथ संकट मोचन हनुमान के प्रसारण की घोषणा की है। यह एक कालजयी पौराणिक धारावाहिक है, जो पीढ़ियों से लोगों को प्रेरित करता रहा है। सोनी पल पर इसके शुरू होने के साथ दर्शकों को भगवान हनुमान की साहसिक यात्रा को एक बार फिर नए अंदाज में देखने का अवसर मिलेगा। इस महाकाव्य के केंद्र में भक्ति, शक्ति और साहस के सच्चे 'सुपरहीरो' भगवान हनुमान हैं। उनकी जीवन यात्रा वीरता और अटूट निष्ठा से भरी है, जो हर पीढ़ी के दर्शकों को गहराई से जोड़ती है और उन्हें आस्था, धर्म व निस्वार्थ सेवा जैसे शाश्वत मूल्यों की याद दिलाती है। यह कहानी भगवान हनुमान की उस अद्भुत यात्रा को दिखाती है, जहाँ वे निडर रक्षक के रूप में सामने आते हैं। भगवान राम के प्रति उनकी भक्ति असीम है और बुराई के खिलाफ उनका साहस बेजोड़ है। शानदार दृश्यों और दमदार कहानी के साथ यह सिर्फ एक धारावाहिक नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक अनुभव है, जो दिल और आत्मा को छू जाता है। इस धारावाहिक की शानदार स्टार कास्ट ने इन पौराणिक किरदारों को पूरी सच्चाई और जीवंतता के साथ पर्दे पर उतारने का काम किया है। गगन मलिक भगवान राम के रूप में गरिमा और मर्यादा को दर्शाते हैं; देब्लिना चटर्जी, माता सीता की करुणा और शक्ति को खूबसूरती से प्रस्तुत करती हैं। वहीं निर्भय वाधवा भगवान हनुमान की दिव्य ऊर्जा को जीवंत करते हैं और सौरव गुर्जर रावण के रूप में दमदार अभिनय करते नजर आते हैं। ये सभी कलाकार मिलकर एक ऐसी दुनिया रचते हैं, जो जादुई होने के साथ-साथ हमारी परंपराओं से गहराई से जुड़ी हुई है। भगवान हनुमान को परम रक्षक और दिव्य सुपरहीरो के रूप में प्रस्तुत करने वाला संकट मोचन हनुमान, अपने शाश्वत संदेश और यादगार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने का वादा करता है। सोनी पल दर्शकों को इस दिव्य यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है, जहाँ भगवान हनुमान की गाथा एक बार फिर टीवी स्क्रीन पर लौट रही है, जो पहले से कहीं ज्यादा शक्तिशाली, प्रेरणादायक और प्रासंगिक है। यह शो 4 मई से रात 9 बजे, दर्शकों को हनुमान जी की कहानी को फिर से जीने और भक्ति की भावना को दोबारा महसूस करने का मौका देगा।

ट्रंप ने ईरान को धमकाते हुए कहा- इनको समझौता करना नहीं आता

● अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की आलोचना की है, कहा कि वह परमाणु-रहित समझौते को ठीक से नहीं संभाल पा रहा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर को लेकर कोई भी समझौता अभी तक नहीं हुआ है। इसी बात को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान की आलोचना की है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'ईरान अपने मामलों को ठीक से संभाल नहीं पा रहा है। उन्हें पता ही नहीं है कि परमाणु-रहित समझौता कैसे किया जाता है। बेहतर होगा कि वे जल्द ही समझदारी दिखाएं!'

ट्रंप ने की ईरान की आलोचना

राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को चल रही बातचीत को लेकर ईरान के रवैये की आलोचना की है। ट्रंप के पोस्ट से साफ है कि ईरान शांति समझौता करने के लिए परमाणु के मुद्दे को लेकर बैठा है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति-वार्ता परमाणु मुद्दे पर ही अटक रही है। ट्रंप ने ईरान के प्रति रुख को और कड़ा कर दिया है। खबरों के मुताबिक, उन्होंने अपने सहयोगियों को एक लंबी नाकेबंदी की रणनीति तैयार करने का निर्देश दिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप की योजना कम समय के लिए दबाव बनाने वाले उपायों से हटकर, लगातार आर्थिक और सैन्य दबाव बनाने की ओर एक बदलाव है, जिसका मकसद ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को सीमित करना है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध के एक महीने से ज्यादा चलने के बाद अब दोनों देशों के बीच होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी को लेकर तनातनी है। यह नाकेबंदी, जो पहले से ही अहम बंदरगाहों और समुद्री रास्तों को प्रभावित कर रही है, अब इसे एक अस्थायी उपाय के बजाय एक लंबे समय तक चलने वाले अभियान के तौर पर पेश किया जा रहा है।

परमाणु मुद्दे पर बाद में होगी बातचीत?

खबरों के मुताबिक, ईरान ने इस हफ्ते की शुरुआत में US को एक नया प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और संघर्ष को खत्म करने पर जोर दिया गया है, जबकि परमाणु बातचीत को बाद के चरण के लिए टाल दिया गया है। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पाकिस्तान, मिस्र, तुर्की और कतर के मध्यस्थों को बताया कि US की मांगों पर कैसे प्रतिक्रिया दी जाए, इस पर ईरान के नेतृत्व के भीतर कोई आम सहमति नहीं है। US ने कम से कम एक दशक के लिए यूरेनियम संवर्धन को रोकने और ईरान से संवर्धित यूरेनियम को हटाने की मांग की है।

ई-रिक्शा वालों के लिए नया नियम ला रही दिल्ली सरकार

● 15 मई से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन 15 मई से शुरू होगा। राज्य सरकार राजधानी के लिए समग्र ई-रिक्शा नीति लाने पर भी काम कर रही है। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने यह घोषणा ई-रिक्शा निर्माता, डीलर और चालकों की तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित बैठक में की। ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन चार महीने से बंद है। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में सुधार के लिए सरकार ने उसपर अस्थाई रोक लगाई है। बैठक में यह भी तय हुआ कि दिल्ली की सड़कों पर जाम का कारण बन रहे ई-रिक्शा के सही संचालन के लिए चालक संगठन तथा परिवहन विभाग मिलकर काम करेंगे। मंत्री ने संबंधित विषयों को संज्ञान में लाने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल मेनुफेक्चुरर्स सोसाइटी के महासचिव राजीव तुली का धन्यवाद किया।

कितना होगा ई-रिक्शा का न्यूनतम किराया?

इलेक्ट्रिक व्हीकल फेडरेशन के चेयरमैन अनूज शर्मा ने बताया कि चार्जिंग स्टेशन और पार्किंग स्थलों को बढ़ाने पर सहमति बनी है। चालकों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए ऋण व सब्सिडी पर विचार चल रहा है। ई-रिक्शा का न्यूनतम किराया 10 से 20 रुपये के बीच रखने का प्रस्ताव है। चालकों के लिए यूनिफार्म लागू करने पर जोर दिया गया, जिसे फेडरेशन की ओर से आधी कीमत पर उपलब्ध कराने की योजना है। बैठक में कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महासचिव व चांदनी चौक सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने भरोसा दिलाया कि ई-रिक्शा नीति ऐसी होगी जिससे किसी का रोजगार प्रभावित न हो। नीति निर्माण से पहले सभी हितधारकों से विमर्श होगा। इस मौके पर इलेक्ट्रिक व्हीकल मेनुफेक्चुरर्स सोसाइटी के अध्यक्ष अश्वनी सहगल, उपाध्यक्ष पवन कक्कड़ और नितिन कपूर ने बातें रखी।

मुंबई में धड़ाम हुए तरबूज के दाम, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत के बाद लोगों ने बनाई दूरी

नवी मुंबई के फलों के बाजार में तरबूज की कीमतें अचानक गिरकर 7 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि, पिछले हफ्ते मुंबई में बिरयानी और तरबूज खाने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत होने की खबर सामने आई थी। इसके बाद से तरबूज की मांग में भारी गिरावट आ गई है। गर्मियों में सबसे ज्यादा खाया जाने वाला यह फल, इस वक्त नवी मुंबई के APMC में 5 से 7 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रहा है। जबकि यह मंडी एशिया के सबसे बड़े थोक कृषि बाजारों में से एक है। मांग और दाम में कमी आने से व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। आम तौर पर यह फल थोक में 10-35 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिकता है, जबकि खुदरा कीमतें 30 से 100 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच होती हैं। मालूम हो कि, दक्षिण मुंबई के रहने वाले अब्दुल्लाह डोकड़िया (40), उनकी पत्नी नसरीन डोकड़िया (35) और बेटियां आईशा (16) व जैनब (13) ने शनिवार रात अपने घर पर मिलन-समारोह के बाद तरबूज के टुकड़े खाए थे। इसके बाद सभी को जोरदार उल्टी और दस्त की शिकायत हुई, और कुछ ही घंटों के भीतर, इलाज के दौरान चारों की मौत हो गई।

मारपीट के मामले में फरार वारंटी गिरफ्तार

सरायममरेज/प्रयागराज। पुलिस टीम ने मारपीट के मामले में वांछित चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान गिरीश चन्द्र यादव (36 वर्ष), पुत्र बनवारी लाल यादव, निवासी ग्राम हरीपुर पट्टी, थाना सरायममरेज, कमिश्नरेट प्रयागराज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त के खिलाफ मारपीट से संबंधित मामला दर्ज था, जिसमें वह काफी समय से फरार चल रहा था।

नींद उड़ाएंगी गर्म रातें, सिर्फ दिल्ली-NCR नहीं पूरे देश में 40 दिन सताएगी भीषण गर्मी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। आने वाले दो दशक दिल्ली और एनसीआर ही नहीं, पूरे भारत के लिए जलवायु के लिहाज से खासे चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। थिंक टैंक काउंसिल आन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) द्वारा तैयार किए गए देश के पहले एआई- संचालित क्लाइमेट इंटेलिजेंस प्लेटफार्म ''क्रेविस'' (सीआरएवीआइएस) के हालिया आंकड़ों ने गंभीर चेतावनी जारी की है। इस प्लेटफार्म के अनुसार त्वरित जलवायु परिवर्तन के कारण अगले 20 वर्षों में प्रति वर्ष 15 से 40 अतिरिक्त अत्यधिक गर्म दिन देखे जा सकते हैं। ये 1981-2010 की जलवायु आधारभूत स्थिति की तुलना में अधिक होंगे।

बिजली की मांग में होगी भारी बढ़ोतरी

केवल दिन ही नहीं, बल्कि रातों के तापमान में भी काफी बढ़ोतरी का अनुमान है। विश्लेषण के अनुसार, कई क्षेत्रों में असामान्य रूप से गर्म रातों की संख्या में सालाना 20 से 40 दिनों का इजाफा हो सकता है। गर्म रातें मानव स्वास्थ्य के लिए अधिक खतरनाक होती हैं क्योंकि ये सूर्यास्त के बाद शरीर को ठंडा होने का मौका नहीं देतीं, इससे श्रमिकों की उत्पादकता और जनस्वास्थ्य पर भी सीधा असर पड़ता है। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली में अगले 25 वर्षों में गर्म रातों की संख्या वर्तमान के 180 दिनों से बढ़कर 210 से अधिक हो सकती है, जिससे बिजली की मांग में भारी बढ़ोतरी होगी।

आतंक पीड़ितों के पुनर्वास के लिए एक समान की मांग दिल्ली हाई कोर्ट ने ठुकराई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सरकारी नौकरियों में आरक्षण और आतंकी हमलों से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए एक समान नीति बनाने की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार करने से दिल्ली हाई कोर्ट ने इन्कार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने कहा कि नीतिगत निर्णय से जुड़े मामले पर अदालत इस तरह के निर्देश जारी नहीं कर सकती। यह सरकार के अधिकार क्षेत्र और विशेषाधिकार के दायरे में आते हैं। पीठ ने पूछा कि सरकारी नौकरी में दो प्रतिशत आरक्षण का अधिकार कहां से मिल रहा है? पीठ ने कहा कि पहले से मौजूद अधिकारों की सुरक्षा और नए अधिकार बनाने में अंतर होता है। पीठ ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि आप कह रहे हैं कि मृतकों के परिवार के सदस्यों को नौकरी देने के लिए एक नीति बनाई जाए और दो प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। यह सब नीति से जुड़ा मामला है। क्या कोर्ट इस तरह के निर्देश जारी कर सकते हैं? अदालत ने उक्त टिप्पणी व सवाल याचिकाकर्ता संगठन साउथ एशियन फोरम फार पीपल अगेंस्ट टेरर की याचिका पर की। याचिकाकर्ता संगठन की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश गुप्ता ने कहा कि वे सरकार की निष्क्रियता से दुखी हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय सहित कई अधिकारियों को पत्र लिखे हैं, लेकिन इसके बावजूद आतंकी हमलों के पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा देने, चिकित्सा सहायता या सरकारी नौकरियों में रियायतें देने के लिए एक समान नीति बनाने की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। हालांकि, पीठ ने कहा कि मांगी गई राहतें सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती हैं और कोर्ट नीति तय नहीं कर सकता। पीठ ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता संगठन को केंद्र और दिल्ली सरकार के समक्ष प्रतिवेदन देने की छूट दी। साथ ही प्रतिवेदन पर अधिकारियों को उचित आदेश जीर करने को कहा।